कार्यक्रम परियोजना रिपोर्ट (च्तवहतंउउम च्तवरमबज त्मचवतज)
कला स्नातक (Bachelor of Arts)

क.	शीर्षक ;ज्पजसमद्ध	विवरण ;क्मेबतपचजपवदद्ध
1	पाठ्यक्रम का नाम छंउम वि जीम च्तवहतंउउम	कला स्नातक ठंबीमसवत वि ।तजे
2	पाठ्यक्रम का लघुनाम ैवतज थ्वतउ वि जीम च्तवहतंउउम	बी.ए. ठण्।ण्
3	न्यूनतम अर्हता डपदपउनउ फनंसपपिबंजपवद	10़2
4	न्यूनतम अवधि डपदपउनउ क्नतंजपवद	3 वर्ष 3 ल्मंते
5	अधिकतम अवधि डंगपउनउ क्नतंजपवद	7 वर्ष 7 ल्मंते
6	विश्वविद्यालय के उद्देश्य व्इरमबजपअमे वि जीम न्दपअमतेपजल	;1द्ध डंपदह चतवअपेपवदे वित पउचंतजपदह मकनबंजपवद तिवउ चतम.चतपउंतल जव चवेज कवबजवतंस समअमस पद कपअमतेपिमक इतंदबीमे वि जनकल बवददमबजमक ूपजी तनतंस कमअमसवचउमदज ूपजी चंतजपबनसंत मउचींपे वद जीम पदजमहतंस कमअमसवचउमदज वि चमतेवदंसपजलण ;2द्ध प्दजमहतंजपदह सस चमबजे वि मकनबंजपवद दक जतंपदपदह ूपजी चतवकनबजपअम दक बतमंजपअम बजपअपजपमे ीवतप्रवदजंससल बतवे कपेबपचसपदमे वि बपमदबमए जमबीदवसवहलए ीनउंदपजपमे दक वबपंस बपमदबमे दक अमतजपबंससल बतवे सस जंहमे वि मकनबंजपवदए चतपउंतल जव ीपहीमत मकनबंजपवदण ;3द्ध क्मेपहदपदह अंतपमजल वि बवनतेमे ज कपअमतेपिमक समअमसे ूपजी तनतंस इपेंए चंतजपबनसंतसल ज जमतजपंतल समअमस तवनदक मउमतहपदह तनतंस वबबनचंजपवदे दक हपअपदह कनम तमबवहदपेजपवद दक मदबवनतंहमउमदज जव पिमसक ूवता वतपमदजमक बवनतेमेण ;4द्ध थ्बपसपजंजपदह चतवेमबनजपवद वि तमेमंतबी चंतजपबनसंतसल बवउउनदपजल इेंमक दक कपंहदवेजपब तमेमंतबीण ;5द्ध न्दकमतजांपदह मगजमदेपवद वता ूपजी अपमू जव मदेनतम सिवू वि ादवूसमकहम इवनज दमू जमबीदवसवहपमे जव जीम अपससंहमे दक जीम दममके वि अपससंहमे उंकम ादवूद जव बपमदबम दक जमबीदवसवहल पदेजपजनजपवदेण ;6द्ध ज्व मगबींदहम पकमें दक मगचमतपमदबम तमहंतकपदह दमू जमबीदपुनमे दक जव बज उमकपनउ इमजूममद अंतपवने हमदबपमेए वतहंदप्रंजपवदे वत पदकपअपकनंसे पदजमतमेजमक पद तनतंस कमअमसवचउमदज ूवताण ;7द्धम्जंइसपेीपदहए उंपदजंपदपदहए बवदेवसपकंजपदह दक तमवतहंदप्रपदह पदेजपजनजमेध्बवससमहमे पद तनतंस तमें दक हपअपदह जीमउ बवउचवेपजम बींतंबजमत ूपजी तनतंस इपें जींज पे बवउइपदपदह चतवहतंउउमे वि तनतंस कमअमसवचउमदज तिवउ जीम च्तपउंतल दक ैमबवदकंतल समअमसे जव क्पचसवउं दक क्महतमम समअमसेण ;8द्धक्मअमसवचपदह मसमबजमक बवससमहमेध्पदेजपजनजपवदे नजवदवउवने बवससमहमेध्पदेजपजनजपवदे वित जतमदहजीमदपदह च्तवहतंउउमे वि मकनबंजपवद तमसंजमक जव जीम दममके वि तनतंस कमअमसवचउमदजण ;9द्धब्तमंजपदहए कमअमसवचपदह दक जतमदहजीमदपदह जतंपदपदह बिपसपजपमे वित जीम जमंबीमते मदहंहमक पद जीम जों वि मकनबंजपवद ींअपदह तनतंस इपेंण ;10द्धच्तवअपकपदह ब्वदेनसजंदबल वित जीम चतमचंतंजपवदए उवदपजवतपदह दक मअंसनंजपवद वि उपबतव.समअमस चसंदेण ;11द्ध च्मतवितउपदह नबी वजीमत जों जीम नदपअमतेपजल उंल तिवउ जपउम जव जपउम कमजमतउपदमए ाममचपदह पद अपमू जीम वइरमबजे वि जीम न्दपअमतेपजलण
7	कार्यक्रम के मिशन और उद्देश्य डपेपवद दक व्इरमबजपअमे वि जीम च्तवहतंउउम	• शिक्षार्थी को उच्च शिक्षा के प्रथम सोपान का अनुभव और अवसर प्रदान करना। • शिक्षार्थी को मानविकी, सामाजिक विज्ञान एवं अन्य सुसंगत विषयों का आधार स्तरीय ज्ञान प्रदान करना। • शिक्षार्थी में भाषा अनुवाद और सम्प्रेषण कलाओं का विकास करना। • शिक्षार्थी में विवरण, विश्लेषण, तुलनात्मक, मापन और समीक्षा की प्रवृत्ति का विकास। • शिक्षार्थी के नागरिक गुणों का उन्नयन। • शिक्षार्थी में पर्यावरण, पारिस्थितकी तंत्र और कम्प्यूटर ज्ञान का विकास। • शिक्षार्थी में सुसंगत संदर्भों, ई–संदर्भों, पुस्तकालय संसाधनों और पाठ्य सामग्री को संदर्भ ग्रंथों और अन्य स्रोतों से प्राप्त करने की समझ, क्षमता और योग्यता का विकास। • शिक्षार्थी का सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास।

8	कार्यक्रम की प्रासांगिकता त्मसमअंदबम व िजीम च्तवहतंउउम	• ग्रामीण क्षेत्रों में मानव संसाधन विकास की दृष्टि से प्रासांगिक। • युवाओं में अवसरों के अनुकूल क्षमता निर्माण एवं संवर्धन में सहायक। • सम्प्रेषण दक्षता विकसित करने में प्रासांगिक। • नागरिक गुणों का विकास। • प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए आवश्यक दक्षताएं विकसित करना। • राष्ट्रीय चरित्र का निर्माण।
9	लक्ष्य समूह का स्वरूप छंजनतम व िज्तहमज ।नकपंदबम	• ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षार्थी। • सेना में कार्यरत जवान। • आर्थिक संसाधनों की सीमाओं में नियमित पद्धति से अध्ययन न कर पाने वाले शिक्षार्थी। • वंचित वर्गों के शिक्षार्थी। • भौगोलिक कारणों से उच्च शिक्षा के आलोक से वंचित शिक्षार्थी। • प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे शिक्षार्थी।
10	दूरस्थ पद्धति से संचालन की उपयुक्तता ।चचतवचतपंजमदमे व िवांमितपदह पद व्क्स डवकम	• मूल रूप से सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी विषयों का पठन–पाठन। अतः समाज ही सबसे महत्वपूर्ण प्रयोगशाला। अध्ययन सामग्री की सहजता से उपलब्धता। विशेषज्ञ मानव संसाधनों की उपलब्धता। सामान्य मार्गदर्शन और संसाधनों में ही वांछित क्षमता का विकास संभव।
11	निर्देशात्मक डिजाइन प्देजतनबजपवदंस क्मेपहद	• संचालक संकाय : कला संकाय • संचालक विभाग : मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान • संबंधित विषय विशेषज्ञ : हिन्दी भाषा एवं साहित्य, अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य, संस्कृत भाषा एवं साहित्य, समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान, इतिहास • अन्य विशेषज्ञ : कम्प्यूटर, पर्यावरण, उद्यमिता विकास, मूल्य एवं सामाजिक उत्तरदायित्व • आन्तरिक एवं वाहय अंक : 20रू80 • अध्ययन सामग्री का स्वरूप : मुद्रित एवं ई–बुक्स, शैक्षिक वीडियो • अन्य विवरण :पाठ्यक्रम संचालन के विस्तृत दिशा–निर्देश, दूरस्थ शिक्षा मार्गदर्शिका, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट में वर्णित हैं जिनमें समय–समय पर संबंधित अध्ययन मण्डल तथा विद्या परिषद द्वारा किये गये परिवर्तन परिमार्जन मान्य होंगे।
12	प्रवेश, संचालन एवं मूल्यांकन प्रकिया च्तवबमकनतम व िकउपेपवदए बनततपबनसनउ ंदक म्अंसनंजपवद	**प्रवेश संचालन एवं मूल्यांकन प्रकिया यूजीसी ओडीएल 2017 (संशोधनों सहित) के दिशा–निर्देशों के अनुरूप ।** • **प्रवेश** : मुद्रित इलैक्ट्रानिक एवं नवमीडिया में विज्ञापन। वांछित अर्हता के शिक्षार्थियों का ऑनलाइन माध्यम से आवेदन। मूल अभिलेखों के सत्यापन पश्चात् पंजीयन। • **अध्ययन सामग्री का वितरण** : पंजीकृत शिक्षार्थियों को पाठ्यक्रमवार, स्तरवार मुद्रित और ई–अध्ययन सामग्री का वितरण। क्षेत्रीय और शिक्षार्थी सहायता केन्द्रों के माध्यम से। • **सम्पर्क कक्षाएं :**क्षेत्रीय और शिक्षार्थी सहायता केन्द्रों पर सम्पर्क कक्षाओं का आयोजन। विशेषज्ञों द्वारा जिज्ञासा समाधान। प्रदत्त कार्य कार्य प्रदान किया जाना, प्राप्त किया जाना और उत्तरोत्तर बेहतरी के लिए विशेषज्ञ परामर्श, आवश्यकतानुसार प्रायोगिक कक्षाएं। • **परीक्षा और मूल्यांकनः** विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित केन्द्रों पर सैद्धान्तिक परीक्षाओं का आयोजन। समय–सारिणी के आधार पर प्रश्न–पत्रों का ऑनलाइन प्रेषण। निर्धारित क्षेत्रीय केन्द्रों पर मानक आधारों पर चयनित शिक्षकों द्वारा मूल्यांकन, प्रायोगिक परीक्षाएं सम्पन्न कराना, विश्वविद्यालय स्तर पर टेबुलेशन के बाद परीक्षाफल तैयार किया जाना। • **परीक्षाफल और अंकसूची** : परीक्षाफल तैयार कर अंकसूचियों का वितरण
13	प्रयोगशाला सुविधा और पुस्तकालय की आवश्यकता त्मुनपतमउमदज व िस्ंइवतंजवतल ंदक स्पइतंतल त्मेवनतबमे	प्रयोगशाला और पुस्तकालय संसाधन की आवश्यकता के संदर्भ में वैकल्पिक विषयों के अनुरूप सामाजिक विज्ञान प्रयोगशाला आवश्यक होंगी। पुस्तकालय हेतु प्रमुख रूप से पाठ्यपुस्तकें और आवश्यकतानुसार संदर्भ ग्रंथ भी आवश्यक होंगे। दृश्य–श्रव्य सामग्री, ई–बुक्स एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपलब्ध सामग्री भी उपयोगी होगी। ई–ज्ञान कोष और ई–पीजी पाठशाला के कन्टेन्ट भी उपयोगी होंगे।
14	लागत का अनुमान और प्रावधान च्तवअपेपवदे ंदक म्ेजपउंजपवद व िब्वेज	**लागत :** पाठ्यक्रम निर्माण के लिए आवश्यक परामर्शों में विशेषज्ञों की प्रतिभागिता पर खर्च, अध्ययन सामग्री लेखन, सम्पर्क कक्षाओं के व्याख्यानों, क्षेत्रीय और शिक्षार्थी

		सहायता केन्द्रों के संचालन व्यय परीक्षा एवं मूल्यांकन व्यय, प्रमाणन व्यय, वेबसाइट संचालन व्यय, ई–कन्टेन्ट के विकास पर व्यय, मुद्रण व्यय, दृश्य–श्रव्य सामग्री निर्माण व्यय, विशेषज्ञ सेवाओं के लिए आवश्यक व्यय, पाठ्यक्रम निर्मार्ण में लागत के रूप में लगेंगे। जिनकी प्राप्ति शुल्क राशि के रूप में की जायेगी जिसके मद निम्नानुसार होंगे – **आगत :** • ।चचसपबंजपवद च्तवबमे रू 500ध्. • ब्वनतेम थ्मम रू 1500ध्. • ैस्ड रू 500ध्. • ब्वदजंबज च्तवहतंउउम रू 500ध्. • म्गंउपदंजपवद रू 1200ध्. • व्जीमत रू छपस
15	गुणवत्ता आश्वासन तंत्र और अपेक्षित कार्यक्रम परिणाम फनंसपजल ोनतंदबम डमबींदपेउ ंदक म्गचमबजमक वनजबवउमे	• पाठ्यक्रम के निर्माण, विभिन्न मान्यतादायी शैक्षणिक–अकादमिक निकायों यथा अध्ययन मण्डल, विद्या परिषद, प्रबन्ध मण्डल के स्तर पर पाठ्यक्रम संचालन का अनुमोदन। • विशेषज्ञ विद्वानों का पाठ्यक्रम के निर्माण, अध्ययन सामग्री के विकास सम्पर्क कक्षाओं में सहभागिता, मूल्यांकन इत्यादि गतिविधियों में सतत् हस्ताक्षेप। • आन्तरिक गुणवत्ता (सीका) के माध्यम से सतत् समीक्षा और निगरानी। • पारदर्शिता और सहजता के लिए अधुनातन तकनीकी का उपयोग। • शिक्षार्थियों, अभिभावकों, प्रशासकों, शिक्षकों और संस्थाओं के प्रतिनिधियों का संवेदनशीलता से फीडबैक प्राप्त करना और समय–समय पर पाठ्यक्रमों के स्वरूप और संचालन प्रकिया में वांछित सुधार कर अपेक्षित गुणवत्ता और वांछित परिणामों की प्राप्ति।
16	पाठ्यक्रम के प्रश्न–पत्र ैनइरमबज च्वमत वि जीम च्वहतंउउम	(see below)

प्रथम–वर्ष	द्वितीय–वर्ष	तृतीय–वर्ष
हिन्दी भाषा	हिन्दी भाषा	हिन्दी भाषा
अंग्रेजी भाषा	अंग्रेजी भाषा	अंग्रेजी भाषा
उद्यमिता	पर्यावरण	ठेंपब वि ब्वउचनजमत – प्ज
राजनीति विज्ञान के मूल सिद्धांत	प्रतिनिधि राजनीति का सिद्धांत	अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के सिद्धांत एवं व्यवहार
भारतीय शासन एवं राजनीति	विश्व के प्रमुख देशों का संविधान	लेक प्रशासन
प्राचीन भारत का इतिहास (प्रारंभ से 1206 ई. तक)	भारत का मध्यकालीन इतिहास (1206–1761)	भारत का आधुनिक इतिहास (1761–1857)
विश्व का इतिहास (1453 ई. से 1870 ई. तक)	विश्व का इतिहास (1871–1945)	विश्व का इतिहास (1858–1950)
समाजशास्त्र का परिचय	समाजशास्त्र– प	समाजशास्त्र–प
भारतीय समाज	समाजशास्त्र– पप	समाजशास्त्र–पप
मध्यकालीन काव्य	हिन्दी साहित्य– प	हिन्दी साहित्य–प
हिन्दी कथा साहित्य	हिन्दी साहित्य– पप	हिन्दी साहित्य–पप
अंग्रेजी साहित्य– प	अंग्रेजी साहित्य– प	हिन्दी साहित्य–पपप
अंग्रेजी साहित्य– पप	अंग्रेजी साहित्य. पप	अंग्रेजी साहित्य–प
संस्कृत साहित्य– प	संस्कृत साहित्य– प	अंग्रेजी साहित्य.पप
संस्कृत साहित्य– पप	संस्कृत साहित्य– पप	संस्कृत साहित्य–प
		संस्कृत साहित्य–पप

कार्यक्रम परियोजना रिपोर्ट (च्तवहतंउउम च्तवरमबज त्मचवतज)
परास्नातक(Master of Arts)

क.	शीर्षक ;ज्पजसमद्ध	विवरण ;क्मेबतपचजपवदद्ध
1	पाठ्यक्रम का नाम छंउम वि जीम च्तवहतंउउम	इतिहास परास्नातक डेंजमत वि ।तजे ;भ्पेजवतलद्ध
2	पाठ्यक्रम का लघुनाम ैवतज थ्वतउ वि जीम च्तवहतंउउम	एम.ए.(इतिहास) डण्।ण् ;भ्पेजवतलद्ध
3	न्यूनतम अर्हता डपदपउनउ फनंसपपिबंजपवद	ळतंकनंजपवद
4	न्यूनतम अवधि डपदपउनउ क्नतंजपवद	2 वर्ष 2 ल्मंते
5	अधिकतम अवधि डंगपउनउ क्नतंजपवद	5 वर्ष 5 ल्मंते
6	विश्वविद्यालय के उद्देश्य व्इरमबजपअमे वि जीम न्दपअमतेपजल	;1द्ध डांपदह चतवअपेपवदे वित पउचंतजपदह मकनबंजपवद तिवउ चतम.चतपउंतल जव चवेज कवबजवतंस समअमस पद कपसिमितमदज इतंदबीमे वि जिनकल बवददमबजमक ूपजी तनतंस कमअमसवचउमदज ूपजी

		चंतजपबनसंत मउचीपे वद जीम पदजमहतंस कमअमसवचउमदज व चिमतेवदंसपजलण ;2द्ध प्दजमहतंजपदह ेसस ेचमबजे व मकनबंजपवद ंदक जतंपदपदह ूपजी चतवकनबजपअम ंदक बतमंजपअम ंबजपअपजपमे ीवतप्रवदजंससल ंबतवे कपेबपचसपदमे व ंबपमदबमए जमबीदवसवहलए ीनउंदपजपमे ंदक ेवबपंस ेबपमदबमे ंदक अमतजपबंससल ंबतवे ेसस ेजंहमे व मकनबंजपवदए चतपउंतल जव ीपहीमत मकनबंजपवदण ;3द्ध क्मेपहदपदह अंतपमजल व बवनतेमे ज कपमिितमदज समअमसे ूपजी तनतंस इपेंए चंतजपबनसंतसल ज जमतजपंतल समअमस तवनदक मउमतहपदह तनतंस वबबनचंजपवदे ंदक हपअपदह कनम तमबवहदपेजपवद ंदक मदबवनतंहमउमदज जव पिमसक ूवता वतपमदजमक बवनतेमेण ;4द्ध थ्ंबपसपजंजपदह चतवेमबनजपवद व तमेमंतबी चंतजपबनसंतसल बवउउनदपजल इेंमक ंदक कपंहदवेजपब तमेमंतबीण ;5द्ध न्दकमतजांपदह मगजमदेपवद ॅवता ूपजी अपमू जव मदेनतम सिवू व ादवूसमकहम ंइवनज दमू जमबीदवसवहपमे जव जीम अपससंहमे ंदक जीम दममके व अपससंहमे उंकम ादवूद जव ेबपमदबम ंदक जमबीदवसवहल पदेजपजनजपवदेण ;6द्ध ज्व मगबींदहम पकमें ंदक मगचमतपमदबम तमहंतकपदह दमू जमबीदपुनमे ंदक जव ंबज ें उमकपनउ इमजूममद अंतपवने ंहमदबपमेए वतहंदप्रंजपवदे वत पदकपअपकनंसे पदजमतमेजमक पद तनतंस कमअमसवचउमदज ूवताण ;7द्ध म्जंइसपीपदहए उंपदजंपदपदहए बवदेवसपकंजपदह ंदक तमवतहंदप्रपदह पदेजपजनजमेध्बवससमहमे पद तनतंस ंतमें ंदक हपअपदह जीमउ बवउचवेपजम बींतंबजमत ूपजी तनतंस इपें जींज पे बवउइपदपदह चतवहतंउउमे व तनतंस कमअमसवचउमदज तिवउ जीम च्तपउंतल ंदक ैमबवदकंतल समअमसे जव क्पचसवउं ंदक क्महतममे समअमसेण ;8द्ध क्मअमसवचपदह ेमसमबजमक बवससमहमेध्प्देजपजनजपवदे ें ंनजवदवउवने बवससमहमेध्प्देजपजनजपवदे वित ेजतमदहजीमदपदह च्तवहतंउउमे व मकनबंजपवद तमसंजमक जव जीम दममके व तनतंस कमअमसवचउमदजण ;9द्धब्तमंजपदहए कमअमसवचपदह ंदक ेजतमदहजीमदपदह जतंपदपदह बिपसपजपमे वित जीम जमंबीमते मदहंहमक पद जीम जों व मकनबंजपवद ींअपदह तनतंस इपेंण ;10द्धच्तवअपकपदह ब्वदेनसजंदबल वित जीम चतमचंतंजपवदए उवदपजवतपदह ंदक मअंसनंजपवद व उपबतव.समअमस चसंदेण ;11द्ध च्मतवितउपदह ेनबी वजीमत जौ ें जीम नदपअमतेपजल उंल तिवउ जपउम जव जपउम कमजमतउपदमए ाममचपदह पद अपमू जीम वइरमबजे व जीम न्दपअमतेपजलण
7	कार्यक्रम के मिशन और उद्देश्य डपेेपवद ंदक व्इरमबजपअमे व जीम च्तवहतंउउम	• शिक्षार्थी को उच्च शिक्षा के उच्चतर (परास्नातक) सोपान का अनुभव और अवसर प्रदान करना। • शिक्षार्थी को भारतीय संस्कृति, पुरातत्व एवं इतिहास विषय सहित अन्य सुसंगत विषयों का उच्चस्तरीय ज्ञान प्रदान करना। • शिक्षार्थी में इतिहास बोध का सृजन करना। • ऐतिहासिक मूल्यों संस्कृति धरोहर और मान्यताओं के संरक्षण संवर्धन पर बल। • शिक्षार्थी में विवरण, विश्लेषण, तुलनात्मक, मापन और समीक्षा की प्रवृत्ति का विकास। • शिक्षार्थी में शोधपरक विश्ले"ाण की क्षमता विकसित करना। • शिक्षार्थी में सुसंगत संदर्भों, ई–संदर्भों, पुस्तकालय संसाधनों और पाठ्य सामग्री को संदर्भ ग्रंथों और अन्य स्रोतों से प्राप्त करने की समझ, क्षमता और योग्यता का विकास। • नवाचार एवं शोध के माध्यम से अध्ययन धारा को संपन्न बनाना।

8	कार्यक्रम की प्रासांगिकता त्मसमअंदबम व ि जीम च्तवहतंउउम	● शिक्षार्थी को अपनी समृद्धि संस्कृति विरासत और परातात्विक उपलब्धियों से सार्थक रूप में जोड़ना। ● ग्रामीण क्षेत्रों में मानव संसाधन विकास की दृष्टि से प्रासांगिक। ● युवाओं में अवसरों के अनुकूल क्षमता निर्माण एवं संवर्धन में सहायक। ● क्षेत्रीय प्रादेशिक एवं राष्ट्रीय स्तरों पर तथा समाज विकास के विविध आयामों के बारे में तर्कसम्मत दृष्टिकोण विकसित करने में सहायक। ● वैज्ञानिक एवं शोधपरक दृष्टि विकसित करने में प्रासांगिक। ● प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए आवश्यक दक्षताएं विकसित करना। ● राष्ट्रीय चरित्र का निर्माण।
9	लक्ष्य समूह का स्वरूप छंजनतम व ि ज्ंतहमज ।नकपंदबम	● ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षार्थी। ● सेना में कार्यरत जवान। शालेय शिक्षण में लगे व्यक्ति। ● आर्थिक संसाधनों की सीमाओं में नियमित पद्धति से अध्ययन न कर पाने वाले शिक्षार्थी। ● वंचित वर्गों के शिक्षार्थी। ● भौगोलिक कारणों से उच्च शिक्षा के आलोक से वंचित शिक्षार्थी। ● प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे शिक्षार्थी।
10	दूरस्थ पद्धति से संचालन की उपयुक्तता ।चचतवचतपंजमदमे व ि विमितपदह पद व्क्स् डवकम	● मूल रूप से सामाजिक विज्ञान विषय का पठन–पाठन। अतः समाज ही सबसे महत्वपूर्ण प्रयोगशाला। अध्ययन सामग्री की सहजता से उपलब्धता। विशेषज्ञ मानव संसाधनों की उपलब्धता। सामान्य मार्गदर्शन और संसाधनों में ही वांछित क्षमता का विकास संभव।
11	निर्देशात्मक डिजाइन प्देजतनबजपवदंस क्मेपहद	● संचालक संकाय : कला संकाय ● संचालक विभाग : मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान ● संबंधित विषय विशेषज्ञ : इतिहास, पुरातत्व, संग्रहालय विज्ञान, मानवशास्त्र एवं समाजशास्त्र, संस्कृति और संचार ● अन्य विशेषज्ञ : कम्प्यूटर, संस्कृत भाषा एवं साहित्य ● आन्तरिक एवं वाहय अंक : 20रू80 ● अध्ययन सामग्री का स्वरूप : मुद्रित एवं ई–बुक्स, शैक्षिक वीडियो ● अन्य विवरण : पाठ्यक्रम संचालन के विस्तृत दिशा–निर्देश, दूरस्थ शिक्षा मार्गदर्शिका, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट में वर्णित हैं जिनमें समय–समय पर संबंधित अध्ययन मण्डल तथा विद्या परिषद द्वारा किये गये परिवर्तन परिमार्जन मान्य होंगे।
12	प्रवेश, संचालन एवं मूल्यांकन प्रकिया च्तवबमकनतम व ि कउपेपवदए बनततपबनसनउ ंदक म्अंसनंजपवद	**प्रवेश संचालन एवं मूल्यांकन प्रकिया यूजीसी ओडीएल 2017 (संशोधनों सहित) के दिशा–निर्देशों के अनुरूप ।** ● **प्रवेश** : मुद्रित इलैक्ट्रानिक एवं नवमीडिया में विज्ञापन। वांछित अर्हता के शिक्षार्थियों का ऑनलाइन माध्यम से आवेदन। मूल अभिलेखों के सत्यापन पश्चात् पंजीयन। ● **अध्ययन सामग्री का वितरण** : पंजीकृत शिक्षार्थियों को पाठ्यक्रमवार, स्तरवार मुद्रित और ई–अध्ययन सामग्री का वितरण। क्षेत्रीय और शिक्षार्थी सहायता केन्द्रों के माध्यम से। ● **सम्पर्क कक्षाएं :**क्षेत्रीय और शिक्षार्थी सहायता केन्द्रों पर सम्पर्क कक्षाओं का आयोजन। विशेषज्ञों द्वारा जिज्ञासा समाधान। प्रदत्त कार्य कार्य प्रदान किया जाना, प्राप्त किया जाना और उत्तरोत्तर बेहतरी के लिए विशेषज्ञ परामर्श, आवश्यकतानुसार प्रायोगिक कक्षाएं। ● **परीक्षा और मूल्यांकन**ः विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित केन्द्रों पर सैद्धान्तिक परीक्षाओं का आयोजन। समय–सारिणी के आधार पर प्रश्न–पत्रों का ऑनलाइन प्रेषण। निर्धारित क्षेत्रीय केन्द्रों पर मानक आधारों पर चयनित शिक्षकों द्वारा मूल्यांकन, प्रायोगिक परीक्षाएं सम्पन्न कराना, विश्वविद्यालय स्तर पर टेबुलेशन के बाद परीक्षाफल तैयार किया जाना। ● **परीक्षाफल और अंकसूची** : परीक्षाफल तैयार कर अंकसूचियों का वितरण
13	प्रयोगशाला सुविधा और पुस्तकालय की आवश्यकता त्मुनपतमउमदज व ि स्ंइवतंजवतल ंदक स्पइतंतल त्मेवनतबमे	प्रयोगशाला और पुस्तकालय संसाधन की आवश्यकता के संदर्भ में वैकल्पिक विषयों के अनुरूप सामाजिक विज्ञान प्रयोगशाला आवश्यक होंगी। पुस्तकालय हेतु प्रमुख रूप से पाठ्यपुस्तकें और आवश्यकतानुसार संदर्भ ग्रंथ भी आवश्यक होंगे। दृश्य–श्रव्य सामग्री, ई–बुक्स एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपलब्ध सामग्री भी उपयोगी होगी। ई–ज्ञान कोष और ई–पीजी पाठशाला के कन्टेन्ट भी उपयोगी होंगे।

14	लागत का अनुमान और प्रावधान च्तवअपेपवदे ंदक म्ेजपउंजपवद व िब्वेज	**लागत :** पाठ्यक्रम निर्माण के लिए आवश्यक परामर्शों में विशेषज्ञों की प्रतिभागिता पर खर्च, अध्ययन सामग्री लेखन, सम्पर्क कक्षाओं के व्याख्यानों, क्षेत्रीय और शिक्षार्थी सहायता केन्द्रों के संचालन व्यय परीक्षा एवं मूल्यांकन व्यय, प्रमाणन व्यय, वेबसाइट संचालन व्यय, ई–कन्टेन्ट के विकास पर व्यय, मुद्रण व्यय, दृश्य–श्रव्य सामग्री निर्माण व्यय, विशेषज्ञ सेवाओं के लिए आवश्यक व्यय, पाठ्यक्रम निर्मार्ण में लागत के रूप में लगेंगे। जिनकी प्राप्ति शुल्क राशि के रूप में की जायेगी जिसके मद निम्नानुसार होंगे – **आगत :** • ।चचसपबंजपवद च्तवबमे रू 500६ • ब्वनतेम थ्मम रू 3000६ • ॅस्ड रू 1000६ • ब्वदजंबज च्तवहतंउउम रू 1000६ • म्गंउपदंजपवद रू 1200६ • व्जीमत रू छपस	
15	गुणवत्ता आश्वासन तंत्र और अपेक्षित कार्यक्रम परिणाम फनंसपजल ।ेनतंदबम डमबींदपेउ ंदक म्गचमबजमक वनजबवउमे	• पाठ्यक्रम के निर्माण, विभिन्न मान्यतादायी शैक्षणिक–अकादमिक निकायों यथा अध्ययन मण्डल, विद्या परिषद, प्रबन्ध मण्डल के स्तर पर पाठ्यक्रम संचालन का अनुमोदन। • विशेषज्ञ विद्वानों का पाठ्यक्रम के निर्माण, अध्ययन सामग्री के विकास सम्पर्क कक्षाओं में सहभागिता, मूल्यांकन इत्यादि गतिविधियों में सतत् हस्ताक्षेप। • आन्तरिक गुणवत्ता (सीका) के माध्यम से सतत् समीक्षा और निगरानी। • पारदर्शिता और सहजता के लिए अधुनातन तकनीकी का उपयोग। • शिक्षार्थियों, अभिभावकों, प्रशासकों, शिक्षकों और संस्थाओं के प्रतिनिधियों का संवेदनशीलता से फीडबैक प्राप्त करना और समय–समय पर पाठ्यक्रमों के स्वरूप और संचालन प्रक्रिया में वांछित सुधार कर अपेक्षित गुणवत्ता और वांछित परिणामों की प्राप्ति।	
16	पाठ्यक्रम के प्रश्न–पत्र ैनइरमबज च्ंचमत व िजीम च्तवहतंउउम	**प्रथम–वर्ष**	**द्वितीय–वर्ष**
		भ्पेजवतल व िप्दकपं म्ंतसपमेज जव ब्ण 650 ।क्	भ्पेजवतल व िडमकपमअंस प्दकपं ;थ्तवउ 1206.1761 ।क्द्ध
		भ्पेजवतल व िप्दकपं ब्ण 650.1200 ।क्	भ्पेजवतल व िप्दकपं ;थ्तवउ 1761.1947 ।क्द्ध
		भ्पेजवतपवहतंचीलए ब्वदबमचजए डमजीवके ंदक ज्ववसे	भ्पेजवतल व िप्किमें
		ॅवतसक भ्पेजवतल ;18जी ंदक 19जी बमदजनतपमे ।ण्क्द्ध	ज्ूमदजपमजी ब्मदजनतल ॅवतसक

कार्यक्रम परियोजना रिपोर्ट (च्तवहतंउउम च्तवरमबज त्मचवतज)
परास्नातक;डेंजमत व िंतजेद्ध

क.	शीर्षक ;ज्पजसमद्ध	विवरण ;क्मेबतपचजपवदद्ध
1	पाठ्यक्रम का नाम छंउम व िजीम च्तवहतंउउम	राजनीति विज्ञान परास्नातक डेंजमत व िंतजे;च्वसपजपबंस ैबपमदबमद्ध
2	पाठ्यक्रम का लघुनाम ैवतज थ्वतउ व िजीम च्तवहतंउउम	एम.ए.(राजनीति विज्ञान) डण्।ण् ;च्वसपजपबंस ैबपमदबमद्ध
3	न्यूनतम अर्हता डपदपउनउ फनंसपपिबंजपवद	ळतंकनंजपवद
4	न्यूनतम अवधि डपदपउनउ क्नतंजपवद	2 वर्ष 2 ल्मंते
5	अधिकतम अवधि डंगपउनउ क्नतंजपवद	5 वर्ष 5 ल्मंते
6	विश्वविद्यालय के उद्देश्य व्इरमबजपअमे व िजीम न्दपअमतेपजल	;1द्ध डांपदह चतवअपेपवदे वित पउचंतजपदह मकनबंजपवद तिवउ चतम.चतपउंतल जव चवेज कवबजवतंस समअमस पद कपिमितमदज इतंदबीमे व िजनकल बवददमबजमक ूपजी तनतंस कमअमसवचउमदज ूपजी चंतजपबनसंत मउचींपे वद जीम पदजमहतंस कमअमसवचउमदज व िचमतेवदंसपजलण ;2द्ध प्दजमहतंजपदह ंसस ंेचमबजे व िमकनबंजपवद ंदक जतंपदपदह ूपजी चतवकनबजपअम ंदक बतमंजपअम ंबजपअपजपमे ीवतप्रवदजंससल ंबतवे कपेबपचसपदमे व िबपमदबमए जमबीदवसवहलए ीनउंदपजपमे ंदक ेवबपंस ेबपमदबमे ंदक अमतजपबंससल ंबतवे ंसस ेजंहमे व िमकनबंजपवदए चतपउंतल जव ीपहीमत मकनबंजपवदण ;3द्ध क्मेपहदपदह ंअंतपमजल व िबवनतेमे ंज कपिमितमदज समअमसे ूपजी ं तनतंस इपेंए चंतजपबनसंतसल ंज जमतजपंतल समअमस ंतवनदक मउमतहपदह तनतंस वबबनचंजपवदे ंदक हपअपदह कनम तमबवहदपेजपवद ंदक मदबवनतंहमउमदज जव पिमसक ूवता वतपमदजमक बवनतेमेण ;4द्ध थ्बपसपजंजपदह चतवेमबनजपवद व ितमेमंतबी चंतजपबनसंतसल बवउउनदपजल इंेमक ंदक कपंहदवेजपब तमेमंतबीण ;5द्ध न्दकमतजांपदह मगजमदेपवद ूवता ूपजी ं अपमू जव मदेनतम सिवू व िादवूसमकहम ंइवनज दमू जमबीदवसवहपमे जव जीम अपससंहमे ंदक जीम दममके व िअपससंहमे उंकम ादवूद जव ेबपमदबम ंदक जमबीदवसवहल पदेजपजनजपवदेण ;6द्ध ज्व मगबींदहम पकमें ंदक मगचमतपमदबम तमहंतकपदह दमू जमबीदपुनमे ंदक जव ंबज ं उमकपनउ इमजूममद अंतपवने ंहमदबपमेए वतहंदप्रंजपवदे वत पदकपअपकनंसे पदजमतमेजमक पद तनतंस कमअमसवचउमदज ूवताण ;7द्ध म्जंइसपीपदहए उंपदजंपदपदहए बवदेवसपकंजपदह ंदक तमवतहंदप्रपदह पदेजपजनजमेध्बवससमहमे पद तनतंस ंतमें ंदक हपअपदह जीमउ बवउचवेपजम बींतंबजमत ूपजी तनतंस इपें जींज पे बवउइपदपदह चतवहतंउउमे व ितनतंस कमअमसवचउमदज तिवउ जीम च्तपउंतल ंदक ैमबवदकंतल समअमसे जव क्पचसवउं ंदक क्महतममे समअमसेण ;8द्ध क्मअमसवचपदह ेमसमबजमक बवससमहमेध्पदेजपजनजपवदे ं ंनजवदवउवने बवससमहमेध्पदेजपजनजपवदे वित ेजतमदहजीमदपदह च्तवहतंउउमे व िमकनबंजपवद तमसंजमक जव जीम दममके व ितनतंस कमअमसवचउमदजण ;9द्धब्तमंजपदहए कमअमसवचपदह ंदक ेजतमदहजीमदपदह जतंपदपदह बिपसपजपमे वित जीम जमंबीमते मदहंहमक पद जीम जेां व िमकनबंजपवद ींअपदह तनतंस इपेंण ;10द्धच्तवअपकपदह ब्वदेनसजंदबल वित जीम चतमचंतंजपवदए उवदपजवतपदह ंदक मअंसनंजपवद व िउपबतव.समअमस चसंदेण ;11द्ध च्मतवितउपदह ेनबी वजीमत जेंा ं जीम नदपअमतेपजल उंल तिवउ जपउम जव जपउम कमजमतउपदमए ंममचपदह पद अपमू जीम वइरमबजे व िजीम न्दपअमतेपजलण
7	कार्यक्रम के मिशन और उद्देश्य डपेेपवद ंदक व्इरमबजपअमे व िजीम च्तवहतंउउम	• शिक्षार्थी को उच्च शिक्षा के उच्चतर(परास्नातक) सोपान का अनुभव और अवसर प्रदान करना। • शिक्षार्थी को राजनीतिक विज्ञान के विभिन्न अवयव जैसे राजनीतिक विचारधारायें विश्व राजनीति अर्न्तराष्ट्रीय संबंध एवं लोक प्रशासन सहित अन्य सुसंगत विषयों का उच्चस्तरीय ज्ञान प्रदान करना। • शिक्षार्थी में राजनैतिक जागरूकता एवं चेतना का विकास करना। • शिक्षार्थी में विवरण, विश्लेषण, तुलनात्मक, मापन और समीक्षा की प्रवृत्ति का विकास। • शिक्षार्थी में प्रजातांत्रिक मूल्यों के प्रति निष्ठा एवं समर्पण का भाव विकसित करना • शिक्षार्थी में सुसंगत संदर्भों, ई–संदर्भों, पुस्तकालय संसाधनों और पाठ्य सामग्री को संदर्भ ग्रंथों और अन्य स्रोतों से प्राप्त करने की समझ, क्षमता और योग्यता का विकास। • शिक्षार्थी में संविधान एवं नागरिक दायित्वों के बोध का सृजन

8	कार्यक्रम की प्रासांगिकता त्मसमअंदबम व िजीम च्तवहतंउउम	• राजनैतिक चेतना के विकास में सहायक। • युवाओं में अवसरों के अनुकूल क्षमता निर्माण एवं संवर्धन में सहायक। • प्रजातांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूकता एवं प्रतिबद्धता। • नागरिक गुणों का विकास। • प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए आवश्यक दक्षताएं विकसित करना। • राष्ट्रीय चरित्र का निर्माण।
9	लक्ष्य समूह का स्वरूप छंजनतम व िज्तहमज ।नकपंदबम	• ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षार्थी। • सेना में कार्यरत जवान। शालाओं में कार्यरत शिक्षक। • आर्थिक संसाधनों की सीमाओं में नियमित पद्धति से अध्ययन न कर पाने वाले शिक्षार्थी। • वंचित वर्गों के शिक्षार्थी। • राजनैतिकसामाजिक क्षेत्र में सेवाएं देने के इच्छुक व्यक्ति। • भौगोलिक कारणों से उच्च शिक्षा के आलोक से वंचित शिक्षार्थी। • प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे शिक्षार्थी।
10	दूरस्थ पद्धति से संचालन की उपयुक्तता ।चचतवचतपंजमदमे व िवमितपदह पद व्क्स् डवकम	• मूल रूप से राजनीति विज्ञान एवं अन्य सुसंगतविषयों का पठन–पाठन। अतः समाज ही सबसे महत्वपूर्ण प्रयोगशाला। अध्ययन सामग्री की सहजता से उपलब्धता। विशेषज्ञ मानव संसाधनों की उपलब्धता। सामान्य मार्गदर्शन और संसाधनों में ही वांछित क्षमता का विकास संभव। पृथक से प्रयोगशाला आवश्यक नहीं।
11	निर्देशात्मक डिजाइन प्देजतनबजपवदंस क्मेपहद	• संचालक संकाय : कला संकाय • संचालक विभाग : मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान • संबंधित विषय विशेषज्ञ : राजनीति विज्ञान के सिद्धान्त, विचारक, राजनैतिक परम्पराएं एवं मूल्य, भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन एवं संवैधानिक विकास, विश्व राजनीति एवं अन्तर्राष्ट्रीय संबंध, लोक प्रशासन, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगठन– संरचना एवं कार्य। • अन्य विशेषज्ञ : समाजशास्त्र एवं अर्थशास्त्र। • आन्तरिक एवं वाहय अंक : 20रू80 • अध्ययन सामग्री का स्वरूप : मुद्रित एवं ई–बुक्स, शैक्षिक वीडियो • अन्य विवरण : पाठ्यक्रम संचालन के विस्तृत दिशा–निर्देश, दूरस्थ शिक्षा मार्गदर्शिका, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट में वर्णित हैं जिनमें समय–समय पर संबंधित अध्ययन मण्डल तथा विद्या परिषद द्वारा किये गये परिवर्तन परिमार्जन मान्य होंगे।
12	प्रवेश, संचालन एवं मूल्यांकन प्रकिया च्तवबमकनतम व िकउपेपवदए बनततपबनसनउ ंदक म्अंसनंजपवद	**प्रवेश संचालन एवं मूल्यांकन प्रकिया यूजीसी ओडीएल 2017 (संशोधनों सहित) के दिशा–निर्देशों के अनुरूप ।** • **प्रवेश** : मुद्रित इलैक्ट्रानिक एवं नवमीडिया में विज्ञापन। वांछित अर्हता के शिक्षार्थियों का ऑनलाइन माध्यम से आवेदन। मूल अभिलेखों के सत्यापन पश्चात् पंजीयन। • **अध्ययन सामग्री का वितरण** : पंजीकृत शिक्षार्थियों को पाठ्यक्रमवार, स्तरवार मुद्रित और ई–अध्ययन सामग्री का वितरण। क्षेत्रीय और शिक्षार्थी सहायता केन्द्रों के माध्यम से। • **सम्पर्क कक्षाएं :**क्षेत्रीय और शिक्षार्थी सहायता केन्द्रों पर सम्पर्क कक्षाओं का आयोजन। विशेषज्ञों द्वारा जिज्ञासा समाधान। प्रदत्त कार्य कार्य प्रदान किया जाना, प्राप्त किया जाना और उत्तरोत्तर बेहतरी के लिए विशेषज्ञ परामर्श, आवश्यकतानुसार प्रायोगिक कक्षाएं। • **परीक्षा और मूल्यांकन**: विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित केन्द्रों पर सैद्धान्तिक परीक्षाओं का आयोजन। समय–सारिणी के आधार पर प्रश्न–पत्रों का ऑनलाइन प्रेषण। निर्धारित क्षेत्रीय केन्द्रों पर मानक आधारों पर चयनित शिक्षकों द्वारा मूल्यांकन, प्रायोगिक परीक्षाएं सम्पन्न कराना, विश्वविद्यालय स्तर पर टेबुलेशन के बाद परीक्षाफल तैयार किया जाना। • **परीक्षाफल और अंकसूची** : परीक्षाफल तैयार कर अंकसूचियों का वितरण
13	प्रयोगशाला सुविधा और पुस्तकालय की आवश्यकता त्मुनपतमउमदज व िस्ंइवतंजवतल ंदक स्पइतंतल त्मेवनतबमे	प्रयोगशाला और पुस्तकालय संसाधन की आवश्यकता के संदर्भ में वैकल्पिक विषयों के अनुरूप सामाजिक विज्ञान प्रयोगशाला आवश्यक होंगी। पुस्तकालय हेतु प्रमुख रूप से पाठ्यपुस्तकें और आवश्यकतानुसार संदर्भ ग्रंथ भी आवश्यक होंगे। दृश्य–श्रव्य सामग्री, ई–बुक्स एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपलब्ध सामग्री भी उपयोगी होगी। ई–ज्ञान कोष और ई–पीजी पाठशाला के कन्टेन्ट भी उपयोगी होंगे।

14	लागत का अनुमान और प्रावधान च्तवअपेपवदे ंदक म्ेजपउंजपवद व िब्बेज	**लागत :** पाठ्यक्रम निर्माण के लिए आवश्यक परामर्शों में विशेषज्ञों की प्रतिभागिता पर खर्च, अध्ययन सामग्री लेखन, सम्पर्क कक्षाओं के व्याख्यानों, क्षेत्रीय और शिक्षार्थी सहायता केन्द्रों के संचालन व्यय परीक्षा एवं मूल्यांकन व्यय, प्रमाणन व्यय, वेबसाइट संचालन व्यय, ई–कन्टेन्ट के विकास पर व्यय, मुद्रण व्यय, दृश्य–श्रव्य सामग्री निर्माण व्यय, विशेषज्ञ सेवाओं के लिए आवश्यक व्यय, पाठ्यक्रम निर्मार्ण में लागत के रूप में लगेंगे। जिनकी प्राप्ति शुल्क राशि के रूप में की जायेगी जिसके मद निम्नानुसार होंगे – **आगत :** • ।चचसपबंजपवद च्तवबमे रू 500ध् • ब्वनतेम थ्मम रू 3000ध् • ैस्ड रू 1000ध् • ब्वदजंबज च्तवहतंउउम रू 1000ध् • म्तांउपदंजपवद रू 1200ध् • व्जीमत रू छपस	
15	गुणवत्ता आश्वासन तंत्र और अपेक्षित कार्यक्रम परिणाम फनंसपजल ेनतंदबम डमबींदपेउ ंदक म्ाचमबजमक वनजबवउमे	• पाठ्यक्रम के निर्माण, विभिन्न मान्यतादायी शैक्षणिक–अकादमिक निकायों यथा अध्ययन मण्डल, विद्या परिषद, प्रबन्ध मण्डल के स्तर पर पाठ्यक्रम संचालन का अनुमोदन। • विशेषज्ञ विद्वानों का पाठ्यक्रम के निर्माण, अध्ययन सामग्री के विकास सम्पर्क कक्षाओं में सहभागिता, मूल्यांकन इत्यादि गतिविधियों में सतत् हस्ताक्षेप। • आन्तरिक गुणवत्ता (सीका) के माध्यम से सतत् समीक्षा और निगरानी। • पारदर्शिता और सहजता के लिए अधुनातन तकनीकी का उपयोग। • शिक्षार्थियों, अभिभावकों, प्रशासकों, शिक्षकों और संस्थाओं के प्रतिनिधियों का संवेदनशीलता से फीडबैक प्राप्त करना और समय–समय पर पाठ्यक्रमों के स्वरूप और संचालन प्रकिया में वांछित सुधार कर अपेक्षित गुणवत्ता और वांछित परिणामों की प्राप्ति।	
16	पाठ्यक्रम के प्रश्न–पत्र ैनइरमबज च्वमत व िजीम च्तवहतंउउम	**प्रथम–वर्ष**	**द्वितीय–वर्ष**
		पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन का इतिहास	अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के सिद्धांत एवं विदेश नीति का विश्लेषण
		आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतन का इतिहास	भारतीय शासन और राजनीति
		तुलनात्मक राजनीति	लोक प्रशासन
		शोध प्रविधि	अन्तर्राष्ट्रीय कानून

कार्यक्रम परियोजना रिपोर्ट (Programme Project Report)
परास्नातक कला (ग्रामीण विकास)Master of Airts (Rural Development)

क्र.	शीर्षक (Title)	विवरण (Discription)
1	पाठ्यक्रम का नाम Name of the Programme	परास्नातक कलाग्रामीण विकास Master of Arts(Rural Development)
2	पाठ्यक्रम का लघुनाम Short Form of the Programme	एम.ए.(आर.डी.) M.A. (R.D.)
3	न्यूनतम अर्हता Minimum Qualification	Graduation
4	न्यूनतम अवधि Minimum Duration	2 वर्ष 2 Years
5	अधिकतम अवधि Maximum Duration	5 वर्ष 5 Years
6	विश्वविद्यालय के उद्देश्य Objectives of the University	(1) Making provisions for imparting education from pre-primary to post doctoral level in different branches of study connected with rural development with particular emphasis on the integral development of personality. (2) Integrating all aspects of education and training with productive and creative activities horizontally across disciplines of science, technology, humanities and social sciences and vertically across all stages of education, primary to higher education. (3) Designing a variety of courses at different levels with a rural bias, particularly at tertiary level around emerging rural occupations and giving due recognistion and encouragement to field work oriented courses. (4) Facilitating prosecution of research particularly community based and diagnostic research. (5) Undertaking extension Work with a view to ensure flow of knowledge about new technologies to the villages and the needs of villages made known to science and technology institutions. (6) To exchange ideas and experience regarding new techniques and to act as medium between various agencies, organizations or individuals interested in rural development work. (7) Establishing, maintaining, consolidating and reorganizing institutes/colleges in rural areas and giving them composite character with rural bias that is combining programmes of rural development from the Primary and Secondary levels to Diploma and Degrees levels. (8) Developing selected colleges/Institutions as autonomous colleges/Institutions for strengthening Programmes of education related to the needs of rural development. (9)Creating, developing and strengthening training facilities for the teachers engaged in the task of education having rural bias. (10)Providing Consultancy for the preparation, monitoring and evaluation of micro-level plans. (11) Performing such other tasks as the university may from time to time determine, keeping in view the objects of the University.
7	कार्यक्रम के मिशन और उद्देश्य Mission and Objectives of the Programme	• शिक्षार्थी को उच्च शिक्षा के उच्चतर सोपान (परास्नातक) का अनुभव और अवसर प्रदान करना। • शिक्षार्थी को ग्रामीण विकास के विभिन्न आयामों एवं अन्य सुसंगत विषयों का उच्चस्तरीय ज्ञान प्रदान करना। • शिक्षार्थी में सतत् विकास सूचकांकों के प्रति संवेदनशीलता का सृजन। • शिक्षार्थी में विवरण, विश्लेषण, तुलनात्मक, मापन और समीक्षा की प्रवृत्ति का विकास। • विश्वविद्यालय की मूल अवधारणा के अनुरूप। • शिक्षार्थी में ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं के प्रति जागरूकता पैदा करना और उनके हल के लिए उपलब्ध विकल्पों के तर्कपूर्ण उपयोग को प्रोस्ताहन। • शिक्षार्थी में सुसंगत संदर्भों, ई–संदर्भों, पुस्तकालय संसाधनों और पाठ्य सामग्री को संदर्भ ग्रंथों और अन्य स्रोतों से प्राप्त करने की समझ, क्षमता और योग्यता का विकास। • शिक्षार्थी का सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास।

8	कार्यक्रम की प्रासांगिकता त्मसमअंदबम व िजीम च्तवहतंउउम	• ग्रामीण क्षेत्रों में मानव संसाधन विकास की दृष्टि से प्रासांगिक। • युवाओं में अवसरों के अनुकूल क्षमता निर्माण एवं संवर्धन में सहायक। • ग्रामीण समस्याओं के समाधान हेतु उपयोगी। • सतत् विकास लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु प्रयास। • प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए आवश्यक दक्षताएं विकसित करना। • राष्ट्रीय चरित्र का निर्माण।
9	लक्ष्य समूह का स्वरूप छंजनतम व िज्तहमज ।नकपंदबम	• ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षार्थी। • सेना में कार्यरत जवान।ग्रामीण विकास अभिकरणों में कार्यरत अधिकारी और कर्मचारी। स्वैच्छिक संगठनों से जुड़े व्यक्ति। • आर्थिक संसाधनों की सीमाओं में नियमित पद्धति से अध्ययन न कर पाने वाले शिक्षार्थी। • वंचित वर्गों के शिक्षार्थी। • भौगोलिक कारणों से उच्च शिक्षा के आलोक से वंचित शिक्षार्थी। • प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे शिक्षार्थी।
10	दूरस्थ पद्धति से संचालन की उपयुक्तता ।चचतवचतपंजमदमे व िवमितपदह पद व्क्स् डवकम	• मूल रूप से ग्रामीण विकास एवं अन्य सुसंगत विषयों का पठन–पाठन। अतः समाज ही सबसे महत्वपूर्ण प्रयोगशाला। अध्ययन सामग्री की सहजता से उपलब्धता। विशेषज्ञ मानव संसाधनों की उपलब्धता। सामान्य मार्गदर्शन और संसाधनों में ही वांछित क्षमता का विकास संभव। ग्राम ही प्रयोगशाला।
11	निर्देशात्मक डिजाइन प्देजतनबजपवदंस क्मेपहद	• संचालक संकाय : ग्रामीण विकास एवं व्यवसाय प्रबन्धन संकाय • संचालक विभाग : ग्रामीण विकास विभाग • संबंधित विषय विशेषज्ञ : ग्रामीण विकास, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, पंचायतीराज, राजनीति विज्ञान, मानवशास्त्र, परियोजना निर्माण एवं संचालन, स्वैच्छिक संगठनों का गठन एवं प्रबन्धन, विकास की अवधारणा एवं आयाम, मानवाधिकार। • अन्य विशेषज्ञ : कम्प्यूटर, सूक्ष्म वित्त, ग्रामीण विकास हेतु उपयुक्त प्रौद्योगिकी। • आन्तरिक एवं वाहय अंक : 20रू80 • अध्ययन सामग्री का स्वरूप : मुद्रित एवं ई–बुक्स, शैक्षिक वीडियो • अन्य विवरण : पाठ्यक्रम संचालन के विस्तृत दिशा–निर्देश, दूरस्थ शिक्षा मार्गदर्शिका, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट में वर्णित हैं जिनमें समय–समय पर संबंधित अध्ययन मण्डल तथा विद्या परिषद द्वारा किये गये परिवर्तन परिमार्जन मान्य होंगे।
12	प्रवेश, संचालन एवं मूल्यांकन प्रक्रिया च्तवबमकनतम व िकउपेपवदए बनततपबनसनउ ंदक म्अंसनंजपवद	**प्रवेश संचालन एवं मूल्यांकन प्रक्रिया यूजीसी ओडीएल 2017 (संशोधनों सहित) के दिशा–निर्देशों के अनुरूप ।** • **प्रवेश** : मुद्रित इलैक्ट्रानिक एवं नवमीडिया में विज्ञापन। वांछित अर्हता के शिक्षार्थियों का ऑनलाइन माध्यम से आवेदन। मूल अभिलेखों के सत्यापन पश्चात् पंजीयन। • **अध्ययन सामग्री का वितरण** : पंजीकृत शिक्षार्थियों को पाठ्यक्रमवार, स्तरवार मुद्रित और ई–अध्ययन सामग्री का वितरण। क्षेत्रीय और शिक्षार्थी सहायता केन्द्रों के माध्यम से। • **सम्पर्क कक्षाएं :**क्षेत्रीय और शिक्षार्थी सहायता केन्द्रों पर सम्पर्क कक्षाओं का आयोजन। विशेषज्ञों द्वारा जिज्ञासा समाधान। प्रदत्त कार्य कार्य प्रदान किया जाना, प्राप्त किया जाना और उत्तरोत्तर बेहतरी के लिए विशेषज्ञ परामर्श, आवश्यकतानुसार प्रायोगिक कक्षाएं। • **परीक्षा और मूल्यांकनः** विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित केन्द्रों पर सैद्धान्तिक परीक्षाओं का आयोजन। समय–सारिणी के आधार पर प्रश्न–पत्रों का ऑनलाइन प्रेषण। निर्धारित क्षेत्रीय केन्द्रों पर मानक आधारों पर चयनित शिक्षकों द्वारा मूल्यांकन, प्रायोगिक परीक्षाएं सम्पन्न कराना, विश्वविद्यालय स्तर पर टेबुलेशन के बाद परीक्षाफल तैयार किया जाना। • **परीक्षाफल और अंकसूची** : परीक्षाफल तैयार कर अंकसूचियों का वितरण
13	प्रयोगशाला सुविधा और पुस्तकालय की आवश्यकता त्मुनपतमउमदज व िस्ंइवतंजवतल ंदक स्पइतंतल त्मेवनतबमे	प्रयोगशाला और पुस्तकालय संसाधन की आवश्यकता के संदर्भ में वैकल्पिक विषयों के अनुरूप सामाजिक विज्ञान प्रयोगशाला आवश्यक होंगी। पुस्तकालय हेतु प्रमुख रूप से पाठ्यपुस्तकें और आवश्यकतानुसार संदर्भ ग्रंथ भी आवश्यक होंगे। दृश्य–श्रव्य सामग्री, ई–बुक्स एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपलब्ध सामग्री भी उपयोगी होगी। ई–ज्ञान कोष और ई–पीजी पाठशाला के कन्टेन्ट भी उपयोगी होंगे।
14	लागत का अनुमान और प्रावधान च्तवअपेपवदे ंदक म्जपउंजपवद व िब्वेज	**लागत :** पाठ्यक्रम निर्माण के लिए आवश्यक परामर्शों में विशेषज्ञों की प्रतिभागिता पर खर्च, अध्ययन सामग्री लेखन, सम्पर्क कक्षाओं के व्याख्यानों, क्षेत्रीय और शिक्षार्थी

<table>
<tr><td></td><td></td><td>सहायता केन्द्रों के संचालन व्यय परीक्षा एवं मूल्यांकन व्यय, प्रमाणन व्यय, वेबसाइट संचालन व्यय, ई–कन्टेन्ट के विकास पर व्यय, मुद्रण व्यय, दृश्य–श्रव्य सामग्री निर्माण व्यय, विशेषज्ञ सेवाओं के लिए आवश्यक व्यय, पाठ्यक्रम निर्मार्ण में लागत के रूप में लगेंगे। जिनकी प्राप्ति शुल्क राशि के रूप में की जायेगी जिसके मद निम्नानुसार होंगे –
आगत :
• ।चचसपबंजपवद च्तवबमे रू 500६
• ब्वनतेम थ्मम रू 3000६
• ैस्ड रू 1000६
• ब्वदजंबज च्तवहतंउउम रू 1000६
• म्गंउपदंजपवद रू 1200६
• व्जीमत रू छपस</td></tr>
<tr><td>15</td><td>गुणवत्ता आश्वासन तंत्र और अपेक्षित कार्यक्रम परिणाम
फनंसपजल ोनतंदबम डमबींदपेउ ंदक म्गचमबजमक वनजबवउमे</td><td>• पाठ्यक्रम के निर्माण, विभिन्न मान्यतादायी शैक्षणिक–अकादमिक निकायों यथा अध्ययन मण्डल, विद्या परिषद, प्रबन्ध मण्डल के स्तर पर पाठ्यक्रम संचालन का अनुमोदन।
• विशेषज्ञ विद्वानों का पाठ्यक्रम के निर्माण, अध्ययन सामग्री के विकास सम्पर्क कक्षाओं में सहभागिता, मूल्यांकन इत्यादि गतिविधियों में सतत् हस्ताक्षेप।
• आन्तरिक गुणवत्ता (सीका) के माध्यम से सतत् समीक्षा और निगरानी।
• पारदर्शिता और सहजता के लिए अधुनातन तकनीकी का उपयोग।
• शिक्षार्थियों, अभिभावकों, प्रशासकों, शिक्षकों और संस्थाओं के प्रतिनिधियों का संवेदनशीलता से फीडबैक प्राप्त करना और समय–समय पर पाठ्यक्रमों के स्वरूप और संचालन प्रकिया में वांछित सुधार कर अपेक्षित गुणवत्ता और वांछित परिणामों की प्राप्ति।</td></tr>
<tr><td>16</td><td>पाठ्यक्रम के प्रश्न–पत्र
ैनइरमबज च्ंचमत व िजीम च्तवहतंउउम</td><td><table>
<tr><th>प्रथम–वर्ष</th><th>द्वितीय–वर्ष</th></tr>
<tr><td>थ्नदकंउमदजंसे व िछळव</td><td>प्दकपंद ैवबपंस प्देजपजनजपवद – त्नतंस च्तवइसमउे</td></tr>
<tr><td>ब्वउउनदपजल क्मअण – ब्वमतजपउम बेंदहमे</td><td>।हतव प्दकनेजतपमे – ।चचतवचतपंजम ज्मबीण</td></tr>
<tr><td>क्मबमदजतंसप्रमक च्संददपदहए च्ंतजपबपचंजवतल क्मअमसवचउमदज ंदक थ्पदंदबपंस डंदंहमउमदज</td><td>च्तवरमबज थ्वतउनसंजपवद – टंतपवने त्नतंस क्मअण च्तवहण</td></tr>
<tr><td>त्मेमंतबी डमजीवकवसवहल</td><td>क्मअण ।सजमतदंजपअमे – त्नतंस क्मअण</td></tr>
</table></td></tr>
</table>

कार्यक्रम परियोजना रिपोर्ट (Programme Project Report)
कला परास्नातक (शिक्षा)Master of Arts (Education)

क्र.	शीर्षक (Title)	विवरण (Discription)
1	पाठ्यक्रम का नाम Name of the Programme	कला परास्नातक (शिक्षा) Master of Arts(Education)
2	पाठ्यक्रम का लघुनाम Short Form of the Programme	एम.ए.(शिक्षा) M.A. (Education)
3	न्यूनतम अर्हता Minimum Qualification	Graduation
4	न्यूनतम अवधि Minimum Duration	2 वर्ष 2 Years
5	अधिकतम अवधि Maximum Duration	5 वर्ष 5 Years
6	विश्वविद्यालय के उद्देश्य Objectives of the University	(1) Making provisions for imparting education from pre-primary to post doctoral level in different branches of study connected with rural development with particular emphasis on the integral development of personality. (2) Integrating all aspects of education and training with productive and creative activities horizontally across disciplines of science, technology, humanities and social sciences and vertically across all stages of education, primary to higher education. (3) Designing a variety of courses at different levels with a rural bias, particularly at tertiary level around emerging rural occupations and giving due recognistion and encouragement to field work oriented courses. (4) Facilitating prosecution of research particularly community based and diagnostic research. (5) Undertaking extension Work with a view to ensure flow of knowledge about new technologies to the villages and the needs of villages made known to science and technology institutions. (6) To exchange ideas and experience regarding new techniques and to act as medium between various agencies, organizations or individuals interested in rural development work. (7) Establishing, maintaining, consolidating and reorganizing institutes/colleges in rural areas and giving them composite character with rural bias that is combining programmes of rural development from the Primary and Secondary levels to Diploma and Degrees levels. (8) Developing selected colleges/Institutions as autonomous colleges/Institutions for strengthening Programmes of education related to the needs of rural development. (9)Creating, developing and strengthening training facilities for the teachers engaged in the task of education having rural bias. (10)Providing Consultancy for the preparation, monitoring and evaluation of micro-level plans. (11) Performing such other tasks as the university may from time to time determine, keeping in view the objects of the University.
7	कार्यक्रम के मिशन और उद्देश्य Mission and Objectives of the Programme	• शिक्षार्थी को उच्च शिक्षा के उच्चतर सोपान(परस्नातक) का अनुभव और अवसर प्रदान करना। • शिक्षार्थी को शिक्षाशास्त्र के विविध आयामों, नवीन तकनीक एवं प्रणालियों सहित अन्य सुसंगत विषयों का उच्चस्तरीय ज्ञान प्रदान करना। • शिक्षार्थी में संचित ज्ञान को नई पीढ़ी में हस्तान्तरित करने का कौशल विकसित करना। • शिक्षार्थी में विवरण, विश्लेषण, तुलनात्मक, मापन और समीक्षा की प्रवृत्ति का विकास। • शिक्षार्थी को शिक्षाशास्त्र की नवीनतम पद्धतियों और प्रयोगों से अवगत कराना। • शिक्षार्थी में शोधपरक दृष्टि का विकास एवं तीव्र और मानक शैक्षिक उपलब्धियों की प्राप्ति के लिए अभिनव प्रयोगों और व्यावहारिक शोध को प्रोत्साहन देना। • शिक्षार्थी में सुसंगत संदर्भों, ई–संदर्भों, पुस्तकालय संसाधनों और पाठ्य सामग्री को संदर्भ ग्रंथों और अन्य स्रोतों से प्राप्त करने की समझ, क्षमता और योग्यता का विकास।

8	कार्यक्रम की प्रासांगिकता Relevance of the Programme	• ग्रामीण क्षेत्रों में मानव संसाधन विकास की दृष्टि से प्रासांगिक। • युवाओं में अवसरों के अनुकूल क्षमता निर्माण एवं संवर्धन में सहायक। • शैक्षिक संवर्ग में सम्प्रेषण दक्षता विकसित करने में प्रासांगिक। • अध्ययन–अध्यापन की नवीन प्रवृत्तियों के प्रयोग और प्रचलन पर बल। • प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए आवश्यक दक्षताएं विकसित करना। • अध्यापन दक्षता बढ़ाने में विशेष उपयोगी।
9	लक्ष्य समूह का स्वरूप छंजनतम व िंजतहमज ।नकपंदबम	• ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षार्थी। • सेना में कार्यरत जवान। शालेय शिक्षक। • आर्थिक संसाधनों की सीमाओं में नियमित पद्धति से अध्ययन न कर पाने वाले शिक्षार्थी। • वंचित वर्गों के शिक्षार्थी। अध्यापन क्षेत्र में जाने के इच्छुक व्यक्ति। • भौगोलिक कारणों से उच्च शिक्षा के आलोक से वंचित शिक्षार्थी। • प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे शिक्षार्थी।
10	दूरस्थ पद्धति से संचालन की उपयुक्तता ।चचतवचतपंजमदमे व विमितपदह पद क्पेजंदबम डवकम	• मूल रूप से शिक्षण कार्य की योग्यता बढ़ाने हेतु शिक्षाशास्त्र एवं अन्य सुसंगत विषयों का पठन–पाठन। अतः समाज ही सबसे महत्वपूर्ण प्रयोगशाला। अध्ययन सामग्री की सहजता से उपलब्धता। विशेषज्ञ मानव संसाधनों की उपलब्धता। विशिष्ट मार्गदर्शन और संसाधनों में ही वांछित क्षमता का विकास संभव। प्रैक्टिस टीचिंग के लिए विद्यालयों की उपलब्धता।
11	निर्देशात्मक डिजाइन प्देजतनबजपवदंस क्मेपहद	• संचालक संकाय : कला संकाय • संचालक विभाग : लोक शिक्षा एवं जनसंचार विभाग • संबंधित विषय विशेषज्ञ : शिक्षाशास्त्र, तुलनात्मक शिक्षा, शिक्षा मनोविज्ञान, शिक्षा समाज विज्ञान, शिक्षा मानव विज्ञान, शिक्षा प्रौद्योगिकी, शाला प्रबन्धन एवं संचालन, नवीन शैक्षिक तकनीकी। • अन्य विशेषज्ञ : कम्प्यूटर, सामाजिक विज्ञान, विज्ञान (गणित एवं बायो) तथा भाषा (अंग्रेजी, हिन्दी, संस्कृत) • आन्तरिक एवं वाहय अंक : 20रू80 • अध्ययन सामग्री का स्वरूप : मुद्रित एवं ई–बुक्स, शैक्षिक वीडियो • अन्य विवरण : पाठ्यक्रम संचालन के विस्तृत दिशा–निर्देश, दूरस्थ शिक्षा मार्गदर्शिका, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट में वर्णित हैं जिनमें समय–समय पर संबंधित अध्ययन मण्डल तथा विद्या परिषद द्वारा किये गये परिवर्तन परिमार्जन मान्य होंगे।
12	प्रवेश, संचालन एवं मूल्यांकन प्रक्रिया च्तवबमकनतम व िकउपेपवदए बनततपबनसनउ ंदक म्अंसनंजपवद	**प्रवेश संचालन एवं मूल्यांकन प्रकिया यूजीसी ओडीएल 2017 (संशोधनों सहित) के दिशा–निर्देशों के अनुरूप ।** • **प्रवेश** : मुद्रित इलैक्ट्रानिक एवं नवमीडिया में विज्ञापन। वांछित अर्हता के शिक्षार्थियों का ऑनलाइन माध्यम से आवेदन। मूल अभिलेखों के सत्यापन पश्चात् पंजीयन। • **अध्ययन सामग्री का वितरण** : पंजीकृत शिक्षार्थियों को पाठ्यक्रमवार, स्तरवार मुद्रित और ई–अध्ययन सामग्री का वितरण। क्षेत्रीय और शिक्षार्थी सहायता केन्द्रों के माध्यम से। • **सम्पर्क कक्षाएं :**क्षेत्रीय और शिक्षार्थी सहायता केन्द्रों पर सम्पर्क कक्षाओं का आयोजन। विशेषज्ञों द्वारा जिज्ञासा समाधान। प्रदत्त कार्य कार्य प्रदान किया जाना, प्राप्त किया जाना और उत्तरोत्तर बेहतरी के लिए विशेषज्ञ परामर्श, आवश्यकतानुसार प्रायोगिक कक्षाएं। • **परीक्षा और मूल्यांकनः** विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित केन्द्रों पर सैद्धान्तिक परीक्षाओं का आयोजन। समय–सारिणी के आधार पर प्रश्न–पत्रों का ऑनलाइन प्रेषण। निर्धारित क्षेत्रीय केन्द्रों पर मानक आधारों पर चयनित शिक्षकों द्वारा मूल्यांकन, प्रायोगिक परीक्षाएं सम्पन्न कराना, विश्वविद्यालय स्तर पर टेबुलेशन के बाद परीक्षाफल तैयार किया जाना। • **परीक्षाफल और अंकसूची** : परीक्षाफल तैयार कर अंकसूचियों का वितरण
13	प्रयोगशाला सुविधा और पुस्तकालय की आवश्यकता त्मुनपतमउमदज व स्ंइवतंजवतल ंदक स्पइतंतल त्मेवनतबमे	प्रयोगशाला और पुस्तकालय संसाधन की आवश्यकता के संदर्भ में वैकल्पिक विषयों के अनुरूप सामाजिक विज्ञान प्रयोगशाला आवश्यक होंगी। पुस्तकालय हेतु प्रमुख रूप से पाठ्यपुस्तकें और आवश्यकतानुसार संदर्भ ग्रंथ भी आवश्यक होंगे। दृश्य–श्रव्य सामग्री, ई–बुक्स एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपलब्ध सामग्री भी उपयोगी होगी। ई–ज्ञान कोष और ई–पीजी पाठशाला के कन्टेन्ट भी उपयोगी होंगे।
14	लागत का अनुमान और प्रावधान च्तवअपेपवदे ंदक म्जपउंजपवद व ब्वेज	**लागत :** पाठ्यक्रम निर्माण के लिए आवश्यक परामर्शों में विशेषज्ञों की प्रतिभागिता पर खर्च, अध्ययन सामग्री लेखन, सम्पर्क कक्षाओं के व्याख्यानों, क्षेत्रीय और शिक्षार्थी सहायता केन्द्रों के संचालन व्यय परीक्षा एवं मूल्यांकन व्यय, प्रमाणन व्यय, वेबसाइट संचालन व्यय, ई–कन्टेन्ट के विकास पर व्यय, मुद्रण व्यय, दृश्य–श्रव्य सामग्री निर्माण व्यय, विशेषज्ञ सेवाओं के लिए आवश्यक व्यय, पाठ्यक्रम निर्माण में लागत के रूप में लगेंगे। जिनकी प्राप्ति शुल्क राशि के रूप में की जायेगी जिसके मद निम्नानुसार होंगे – **आगत :** • ।चचसपबंजपवद च्तवबमे रू 500६

<table>
<tr><td></td><td></td><td colspan="2">• ब्वनतेम थ्मम रू 4500ध्
• ैस्ड रू 1250ध्
• ब्वदजंबज च्तवहतंउउम रू 1250ध्
• म्तांउपदंजपवद रू 1200ध्
• व्जीमत रू 500</td></tr>
<tr><td>15</td><td>गुणवत्ता आश्वासन तंत्र और अपेक्षित कार्यक्रम परिणाम
फनंसपजल ेनतंदबम डमबींदपेउ ंदक म्ाचमबजमक वनजबवउमे</td><td colspan="2">• पाठ्यक्रम के निर्माण, विभिन्न मान्यतादायी शैक्षणिक–अकादमिक निकायों यथा अध्ययन मण्डल, विद्या परिषद, प्रबन्ध मण्डल के स्तर पर पाठ्यक्रम संचालन का अनुमोदन।
• विशेषज्ञ विद्वानों का पाठ्यक्रम के निर्माण, अध्ययन सामग्री के विकास सम्पर्क कक्षाओं में सहभागिता, मूल्यांकन इत्यादि गतिविधियों में सतत् हस्ताक्षेप।
• आन्तरिक गुणवत्ता (सीका) के माध्यम से सतत् समीक्षा और निगरानी।
• पारदर्शिता और सहजता के लिए अधुनातन तकनीकी का उपयोग।
• शिक्षार्थियों, अभिभावकों, प्रशासकों, शिक्षकों और संस्थाओं के प्रतिनिधियों का संवेदनशीलता से फीडबैक प्राप्त करना और समय–समय पर पाठ्यक्रमों के स्वरूप और संचालन प्रक्रिया में वांछित सुधार कर अपेक्षित गुणवत्ता और वांछित परिणामों की प्राप्ति।</td></tr>
<tr><td rowspan="6">16</td><td rowspan="6">पाठ्यक्रम के प्रश्न–पत्र
ैनइरमबज च्ंचमत व िजीम च्तवहतंउउम</td><td>प्रथम–वर्ष</td><td>द्वितीय–वर्ष</td></tr>
<tr><td>चीपसवेवचीपबंस थ्वनदकंजपवदे व िम्कनबंजपवद</td><td>ब्वउचंतंजपअम म्कनबंजपवद</td></tr>
<tr><td>च्लबीवसवहपबंस थ्वनदकंजपवदे व िम्कनबंजपवद</td><td>ज्मंबीमत म्कनबंजपवद</td></tr>
<tr><td>ैवबपवसवहपबंस थ्वनदकंजपवदे व िम्कनबंजपवद</td><td>*म्दअपतवदउमदजंस म्कनबंजपवद ;व्वजपवदंसद्ध</td></tr>
<tr><td>डमजीवकवसवहल व िम्कनबंजपवदंस त्मेमंतबी ंदक म्कनबंजपवदंसै जंजपेजपबे</td><td>*म्कनबंजपवदंस ज्मबीण ;व्वजपवदंसद्ध</td></tr>
<tr><td></td><td>*च्वचनसंजपवद म्कनबंजपवद ;व्वजपवदंसद्ध</td></tr>
<tr><td></td><td>*क्पेजंदबम म्कनबंजपवद ;व्वजपवदंसद्ध</td></tr>
</table>

कार्यक्रम परियोजना रिपोर्ट (च्तवहतंउउम च्तवरमबज त्मचवतज)
परास्नातक(Master of Arts)

क्र.	शीर्षक ;ज्पजसमद्ध	विवरण ;क्पेबतपचजपवदद्ध
1	पाठ्यक्रम का नाम छंउम व िजीम च्तवहतंउउम	अंग्रेजी परास्नातक Master of Arts(English)
2	पाठ्यक्रम का लघुनाम ौवतज थ्वतउ व िजीम च्तवहतंउउम	एम.ए.(अंग्रेजी) डण ।ण ;म्दहसपौद्ध
3	न्यूनतम अर्हता डपदपउनउ फनंसपपिबंजपवद	ळतंकनंजपवद
4	न्यूनतम अवधि डपदपउनउ क्नतंजपवद	2 वर्ष 2 ल्मंते
5	अधिकतम अवधि डंगपउनउ क्नतंजपवद	5 वर्ष 5 ल्मंते
6	विश्वविद्यालय के उद्देश्य व्हरमबजपअमे व िजीम न्दपअमतेपजल	;1द्ध डांपदह चतवअपेपवदे वित पउचंतजपदह मकनबंजपवद तिवउ चतम.चतपउंतल जव चवेज कवबजवतंस समअमस पद कपमिितमदज इतंदबीमे व िजनकल बवददमबजमक ूपजी तनतंस कमअमसवचउमदज ूपजी चंतजपबनसंत मउचीपे वद जीम पदजमहतंस कमअमसवचउमदज व िचमतेवदंसपजलण् ;2द्ध प्दजमहतंजपदह ंसस ेचमबजे व िमकनबंजपवद ंदक जतंपदपदह ूपजी चतवकनबजपअम ंदक बतमंजपअम ंबजपअपजपमे ीवतप्रवदजंससल ंबतवे कपेबपचसपदमे व िबपमदबमए जमबीदवसवहलए ीनउंदपजपमे ंदक ेवबपंस ेबपमदबमे ंदक अमतजपबंससल ंबतवे ंसस ेजंहमे व िमकनबंजपवदए चतपउंतल जव ीपहीमत मकनबंजपवदण् ;3द्ध क्मेपहदपदह ं अंतपमजल व िबवनतेमे ंज कपमिितमदज समअमसे ूपजी ं तनतंस इपेंए चंतजपबनसंतसल ंज जमतजपंतल समअमस ंतवनदक मउमतहपदह तनतंस वबबनचंजपवदे ंदक हपअपदह कनम तमबवहदपेजपवद ंदक मदबवनतंहमउमदज जव पिमसक ूवता वतपमदजमक बवनतेमेण् ;4द्ध थ्बपसपजंजपदह चतवेमबनजपवद व िं तमेमंतबी चंतजपबनसंतसल बवउउनदपजल इेंमक ंदक कपंहदवेजपब तमेमंतबीण् ;5द्ध न्दकमतजांपदह मगजमदेपवद ेवता ूपजी ं अपमू जव मदेनतम सिवू व िादवूसमकहम इवनज दमू जमबीदवसवहपमे जव जीम अपससंहमे ंदक जीम दममके व िअपससंहमे उंकम ादवूद जव ेबपमदबम ंदक जमबीदवसवहल पदेजपजनजपवदेण् ;6द्ध ज्व मगबींदहम पकमें ंदक मगचमतपमदबम तमहंतकपदह दमू जमबीदपुनमे ंदक जव ंबज ेउमकपनउ इमजूमद अंतपवने ंहमदबपमेए वतहंदप्रंजपवदे वत पदकपअपकनंसे पदजमतमेजमक पद तनतंस कमअमसवचउमदज ूवताण् ;7द्ध म्जंइसपैपदहए उंपदजंपदपदहए बवदेवसपकंजपदह ंदक तमवतहंदप्रपदह पदेजपजनजमेध्बवससमहमे पद तनतंस ंतमें ंदक हपअपदह जीमउ बवउचवेपजम बींतंबजमत ूपजी तनतंस इपें जींज पे बवउइपदपदह चतवहतंउउमे व िंतनतंस कमअमसवचउमदज तिवउ जीम च्तपउंतल ंदक ैमबवदकंतल समअमसे जव क्पचसवउं ंदक क्महतममे समअमसेण् ;8द्ध क्मअमसवचपदह ेमसमबजमक बवससमहमेध्ध्देजपजनजपवदे ं नजवदवउवने बवससमहमेध्ध्देजपजनजपवदे वित ेजतमदहजीमदपदह च्तवहतंउउमे व िमकनबंजपवद तमसंजमक जव जीम दममके व िंतनतंस कमअमसवचउमदजण् ;9द्धब्तमंजपदहए कमअमसवचपदह ंदक ेजतमदहजीमदपदह जतंपदपदह बिपसपजपमे वित जीम जमंबीमते मदहंहमक पद जीम जें व िमकनबंजपवद ींअपदह तनतंस इपेंण् ;10द्धच्तवअपकपदह ब्वदेनसजंदबल वित जीम चतमचंतंजपवदए उवदपजवतपदह ंदक मअंसनंजपवद व िउपबतव.समअमस चसंदेण् ;11द्ध च्मतवितउपदह ेनबी वजीमत जौ ं जीम नदपअमतेपजल उंल तिवउ जपउम जव जपउम कमजमतउपदमए ममचपदह पद अपमू जीम वइरमबजे व िजीम न्दपअमतेपजलण्
7	कार्यक्रम के मिशन और उद्देश्य डपेपवद ंदक व्हरमबजपअमे व िजीम च्तवहतंउउम	• शिक्षार्थी को उच्च शिक्षा के उच्चतर सोपान(परास्नातक) का अनुभव और अवसर प्रदान करना। • शिक्षार्थी को अंग्रेजी भाषा, साहित्य, व्याकरण एवं अन्य सुसंगत विषयों का उच्च स्तरीय ज्ञान प्रदान करना। • शिक्षार्थी में भाषा अनुवाद और सम्प्रेषण कलाओं का विकास करना। • शिक्षार्थी में विवरण, विश्लेषण, तुलनात्मक, मापन और समीक्षा की प्रवृत्ति का विकास। • शिक्षार्थी में साहित्यिक अभिरूचि का जागरण एवं प्रोत्साहन। • शिक्षार्थी में रचनात्मक लेखन की दक्षता का विकास करना। • शिक्षार्थी में सुसंगत संदर्भों, ई–संदर्भों, पुस्तकालय संसाधनों और पाठ्य सामग्री को संदर्भ ग्रंथों और अन्य स्रोतों से प्राप्त करने की समझ, क्षमता और योग्यता का विकास। • शिक्षार्थी का सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास।

8	कार्यक्रम की प्रासांगिकता त्मसमअंदबम व िजीम च्तवहतंउउम	• ग्रामीण क्षेत्रों में मानव संसाधन विकास की दृष्टि से प्रासांगिक। • युवाओं में अवसरों के अनुकूल क्षमता निर्माण एवं संवर्धन में सहायक। • सम्प्रेषण दक्षता विकसित करने में प्रासांगिक। • भाषायी दक्षता और कौशल उन्नयन की दृष्टि से प्रासांगिक। • प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए आवश्यक दक्षताएं विकसित करना। • राष्ट्रीय चरित्र, व्यक्तित्व निर्माण। शिक्षण कौशल में विशेष उपयोगी।
9	लक्ष्य समूह का स्वरूप छंजनतम व िज्तहमज ।नकपंदबम	• ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षार्थी। • सेना में कार्यरत जवान। शालेय शिक्षण में सेवारत व्यक्ति। • आर्थिक संसाधनों की सीमाओं में नियमित पद्धति से अध्ययन न कर पाने वाले शिक्षार्थी। • वंचित वर्गों के शिक्षार्थी। • भौगोलिक कारणों से उच्च शिक्षा के आलोक से वंचित शिक्षार्थी। • प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे शिक्षार्थी।
10	दूरस्थ पद्धति से संचालन की उपयुक्तता ।चचतवचतपंजमदमे व िवमितपदह पद व्क्स् डवकम	• मूल रूप से मानविकी विषयों का पठन–पाठन। अतः समाज ही सबसे महत्वपूर्ण प्रयोगशाला। अध्ययन सामग्री की सहजता से उपलब्धता। विशेषज्ञ मानव संसाधनों की उपलब्धता। सामान्य मार्गदर्शन और संसाधनों में ही वांछित क्षमता का विकास संभव।स्ंदहनंहम स्ंइ आवश्यक।
11	निर्देशात्मक डिजाइन प्देजतनबजपवदंस क्मेपहद	• संचालक संकाय : कला संकाय • संचालक विभाग : मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान • संबंधित विषय विशेषज्ञ : अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य, व्याकरण • अन्य विशेषज्ञ : कम्प्यूटर, अनुवाद, प्रभावी सम्प्रेषण • आन्तरिक एवं वाहय अंक : 20रू80 • अध्ययन सामग्री का स्वरूप : मुद्रित एवं ई–बुक्स, शैक्षिक वीडियो • अन्य विवरण : पाठ्यक्रम संचालन के विस्तृत दिशा–निर्देश, दूरस्थ शिक्षा मार्गदर्शिका, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट में वर्णित हैं जिनमें समय–समय पर संबंधित अध्ययन मण्डल तथा विद्या परिषद द्वारा किये गये परिवर्तन परिमार्जन मान्य होंगे।
12	प्रवेश, संचालन एवं मूल्यांकन प्रकिया च्तवबमकनतम व िकउपेपवदए बनततपबनसनउ ंदक म्अंसनंजपवद	**प्रवेश संचालन एवं मूल्यांकन प्रकिया यूजीसी ओडीएल 2017 (संशोधनों सहित) के दिशा–निर्देशों के अनुरूप ।** • **प्रवेश** : मुद्रित इलैक्ट्रानिक एवं नवमीडिया में विज्ञापन। वांछित अर्हता के शिक्षार्थियों का ऑनलाइन माध्यम से आवेदन। मूल अभिलेखों के सत्यापन पश्चात् पंजीयन। • **अध्ययन सामग्री का वितरण** : पंजीकृत शिक्षार्थियों को पाठ्यक्रमवार, स्तरवार मुद्रित और ई–अध्ययन सामग्री का वितरण। क्षेत्रीय और शिक्षार्थी सहायता केन्द्रों के माध्यम से। • **सम्पर्क कक्षाएं :** क्षेत्रीय और शिक्षार्थी सहायता केन्द्रों पर सम्पर्क कक्षाओं का आयोजन। विशेषज्ञों द्वारा जिज्ञासा समाधान। प्रदत्त कार्य कार्य प्रदान किया जाना, प्राप्त किया जाना और उत्तरोत्तर बेहतरी के लिए विशेषज्ञ परामर्श, आवश्यकतानुसार प्रायोगिक कक्षाएं। • **परीक्षा और मूल्यांकन** : विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित केन्द्रों पर सैद्धान्तिक परीक्षाओं का आयोजन। समय–सारिणी के आधार पर प्रश्न–पत्रों का ऑनलाइन प्रेषण। निर्धारित क्षेत्रीय केन्द्रों पर मानक आधारों पर चयनित शिक्षकों द्वारा मूल्यांकन, प्रायोगिक परीक्षाएं सम्पन्न कराना, विश्वविद्यालय स्तर पर टेबुलेशन के बाद परीक्षाफल तैयार किया जाना। • **परीक्षाफल और अंकसूची** : परीक्षाफल तैयार कर अंकसूचियों का वितरण

<table>
<tr><td>13</td><td>प्रयोगशाला सुविधा और पुस्तकालय की आवश्यकता
त्मुनपतमउमदज व िस्ंइवतंजवतल ंदक स्पइतंतल त्मेवनतबमे</td><td colspan="2">प्रयोगशाला और पुस्तकालय संसाधन की आवश्यकता के संदर्भ में वैकल्पिक विषयों के अनुरूप सामाजिक विज्ञान प्रयोगशाला आवश्यक होंगी। पुस्तकालय हेतु प्रमुख रूप से पाठ्यपुस्तकें और आवश्यकतानुसार संदर्भ ग्रंथ भी आवश्यक होंगे। दृश्य–श्रव्य सामग्री, ई–बुक्स एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपलब्ध सामग्री भी उपयोगी होगी। ई–ज्ञान कोष और ई–पीजी पाठशाला के कन्टेन्ट भी उपयोगी होंगे।</td></tr>
<tr><td>14</td><td>लागत का अनुमान और प्रावधान
च्तवअपेपवदे ंदक म्जपउंजपवद व िब्वेज</td><td colspan="2">लागत :
पाठ्यक्रम निर्माण के लिए आवश्यक परामर्शों में विशेषज्ञों की प्रतिभागिता पर खर्च, अध्ययन सामग्री लेखन, सम्पर्क कक्षाओं के व्याख्यानों, क्षेत्रीय और शिक्षार्थी सहायता केन्द्रों के संचालन व्यय परीक्षा एवं मूल्यांकन व्यय, प्रमाणन व्यय, वेबसाइट संचालन व्यय, ई–कन्टेन्ट के विकास पर व्यय, मुद्रण व्यय, दृश्य–श्रव्य सामग्री निर्माण व्यय, विशेषज्ञ सेवाओं के लिए आवश्यक व्यय, पाठ्यक्रम निर्मार्ण में लागत के रूप में लगेंगे। जिनकी प्राप्ति शुल्क राशि के रूप में की जायेगी जिसके मद निम्नानुसार होंगे –
आगत :
• ।चचसपबंजपवद च्तवबमे रू 500ध्.
• ब्वनतेम थ्मम रू 3000ध्.
• ैस्ड रू 1000ध्.
• ब्वदजंबज च्तवहतंउउम रू 1000ध्.
• म्गंउपदंजपवद रू 1200ध्.
• व्जीमत रू छपस</td></tr>
<tr><td>15</td><td>गुणवत्ता आश्वासन तंत्र और अपेक्षित कार्यक्रम परिणाम
फनंसपजल ।ेनतंदबम डमबींदपेउ ंदक म्गचमबजमक वनजबवउमे</td><td colspan="2">• पाठ्यक्रम के निर्माण, विभिन्न मान्यतादायी शैक्षणिक–अकादमिक निकायों यथा अध्ययन मण्डल, विद्या परिषद, प्रबन्ध मण्डल के स्तर पर पाठ्यक्रम संचालन का अनुमोदन।
• विशेषज्ञ विद्वानों का पाठ्यक्रम के निर्माण, अध्ययन सामग्री के विकास सम्पर्क कक्षाओं में सहभागिता, मूल्यांकन इत्यादि गतिविधियों में सतत् हस्ताक्षेप।
• आन्तरिक गुणवत्ता (सीका) के माध्यम से सतत् समीक्षा और निगरानी।
• पारदर्शिता और सहजता के लिए अधुनातन तकनीकी का उपयोग।
• शिक्षार्थियों, अभिभावकों, प्रशासकों, शिक्षकों और संस्थाओं के प्रतिनिधियों का संवेदनशीलता से फीडबैक प्राप्त करना और समय–समय पर पाठ्यक्रमों के स्वरूप और संचालन प्रक्रिया में वांछित सुधार कर अपेक्षित गुणवत्ता और वांछित परिणामों की प्राप्ति।</td></tr>
<tr><td rowspan="5">16</td><td rowspan="5">पाठ्यक्रम के प्रश्न–पत्र
ैनइरमबज च्ंचमत व िजीम च्तवहतंउउम</td><td>प्रथम–वर्ष</td><td>द्वितीय–वर्ष</td></tr>
<tr><td>म्दहसपी स्पजमतंजनतम थ्तवउ बिंनबमत जव जीम त्मेजवतंजपवद च्मतपवक म्गबसनकपदह ैींामेचमंतम</td><td>टपबजवतपंद स्पजमतंजनतम ;1832.1890द्ध</td></tr>
<tr><td>ैींामेचमंतम</td><td>ज्ूमदजपमजी.ब्मदजनतल स्पजमतंजनतम</td></tr>
<tr><td>म्पहीजममदजी.ब्मदजनतल स्पजमतंजनतम</td><td>स्पजमतंतल ब्तपजपबपेउ</td></tr>
<tr><td>म्तसल छपदमजममदजी . ब्मदजनतल स्पजमतंजनतम</td><td>।उमतपबंद स्पजमतंजनतम</td></tr>
</table>

कार्यक्रम परियोजना रिपोर्ट (च्तवहतंउउम च्तवरमबज त्मचवतज)
परास्नातक;डेंजमत व िंतजेद्ध

क्र.	शीर्षक ;ज्पजसमद्ध	विवरण ;क्मेबतपचजपवदद्ध
1	पाठ्यक्रम का नाम छंउम व िजीम च्तवहतंउउम	हिन्दी परास्नातक डेंजमत व िंतजे;भ्पदकपद्ध
2	पाठ्यक्रम का लघुनाम ैवतज थ्वतउ व िजीम च्तवहतंउउम	एम.ए.(हिन्दी) डण्।ण् ;भ्पदकपद्ध
3	न्यूनतम अर्हता डपदपउनउ फनंसपपिबंजपवद	ळतंकनंजपवद
4	न्यूनतम अवधि डपदपउनउ क्नतंजपवद	2 वर्ष 2 ल्मंते
5	अधिकतम अवधि डंगपउनउ क्नतंजपवद	5 वर्ष 5 ल्मंते
6	विश्वविद्यालय के उद्देश्य व्इरमबजपअमे व िजीम न्दपअमतेपजल	;1द्ध डांपदह चतवअपेपवदे वित पउचंतजपदह मकनबंजपवद तिवउ चतम.चतपउंतल जव चवेज कवबजवतंस समअमस पद कपमितमदज इतंदबीमे व िजनकल बवददमबजमक ूपजी तनतंस कमअमसवचउमदज ूपजी चंतजपबनसंत मउचींपे वद जीम पदजमहतंस कमअमसवचउमदज व िचमतेवदंसपजलण ;2द्ध प्दजमहतंजपदह ेसस ेचमबजे व िमकनबंजपवद ेदक जतंपदपदह ूपजी चतवकनबजपअम ेदक बतमंजपअम ेबजपअपजपमे ीवतप्रवदजंससल ेबतवे कपेबपचसपदमे व िेबपमदबमए जमबीदवसवहलए ीनउंदपजपमे ेदक ेवबपंस ेबपमदबमे ेदक अमतजपबंससल ेबतवे ेसस ेजंहमे व िमकनबंजपवदए चतपउंतल जव ीपहीमत मकनबंजपवदण ;3द्ध क्मेपहदपदह ेअंतपमजल व िबवनतेमे ेज कपमितमदज समअमसे ूपजी ेतनतंस इपेंए चंतजपबनसंतसल ेज जमतजपंतल समअमस ेतवनदक मउमतहपदह तनतंस वबबनचंजपवदे ेदक हपअपदह कनम तमबवहदपेजपवद ेदक मदबवनतंहमउमदज जव पिमसक ूवता वतपमदजमक बवनतेमेण ;4द्ध थ्समगपइपसपजल पद चतवेमबनजपवद व ितमेमंतबी चंतजपबनसंतसल बवउउनदपजल इंेमक ेदक कपंहदवेजपब तमेमंतबीण ;5द्ध न्दकमतजांपदह मगजमदेपवद ेवता ूपजी ेअपमू जव मदेनतम सिवू व िादवूसमकहम इवनज दमू जमबीदवसवहपमे जव जीम अपससंहमे ेदक जीम दममके व िअपससंहमे उंकम ादवूद जव ेबपमदबम ेदक जमबीदवसवहल पदेजपजनजपवदेण ;6द्ध ज्व मगबींदहम पकमें ेदक मगचमतपमदबम तमहंतकपदह दमू जमबीदपुनमे ेदक जव ेबज ेउमकपनउ इमजूममद अंतपवने ेहमदबपमेए वतहंदप्रंजपवदे वत पदकपअपकनंसे पदजमतमेजमक पद तनतंस कमअमसवचउमदज ूवताण ;7द्ध म्जंइसपीपदहए उंपदजंपदपदहए बवदेवसपकंजपदह ेदक तमवतहंदप्रपदह पदेजपजनजमेध्बवससमहमे पद तनतंस ेतमें ेदक हपअपदह जीमउ बवउचवेपजम बींतंबजमत ूपजी तनतंस इपें जींज पे बवउइपदपदह चतवहतंउउमे व ितनतंस कमअमसवचउमदज तिवउ जीम च्तपउंतल ेदक ैमबवदकंतल समअमसे जव क्पचसवउं ेदक क्महतममे समअमसेण ;8द्ध क्मअमसवचपदह ेमसमबजमक बवससमहमेध्प्देजपजनजपवदे ेनजवदवउवने बवससमहमेध्प्देजपजनजपवदे वित ेजतमदहजीमदपदह च्तवहतंउउमे व िमकनबंजपवद तमसंजमक जव जीम दममके व ितनतंस कमअमसवचउमदजण ;9द्धब्तमंजपदहए कमअमसवचपदह ेदक ेजतमदहजीमदपदह जतंपदपदह बिपसपजपमे वित जीम जमंबीमते मदहंहमक पद जीम जों व िमकनबंजपवद ीेअपदह तनतंस इपेंण ;10द्धच्तवअपकपदह ब्वदेनसजंदबल वित जीम चतमचंतंजपवदए उवदपजवतपदह ेदक मअंसनंजपवद व िउपबतव.समअमस चसंदेण ;11द्ध च्मतवितउपदह ेनबी वजीमत जौ ेजीम नदपअमतेपजल उंल तिवउ जपउम जव जपउम कमजमतउपदमए ेममचपदह पद अपमू जीम वइरमबजे व िजीम न्दपअमतेपजलण
7	कार्यक्रम के मिशन और उद्देश्य डपेपवद ेदक व्इरमबजपअमे व िजीम च्तवहतंउउम	• शिक्षार्थी को उच्च शिक्षा के उच्चतर सोपान(परास्नातक) का अनुभव और अवसर प्रदान करना। • शिक्षार्थी को हिन्दी भाषा, साहित्य, व्याकरण एवं अन्य सुसंगत विषयों का उच्च स्तरीय ज्ञान प्रदान करना। • शिक्षार्थी में भाषा अनुवाद और सम्प्रेषण कलाओं का विकास करना। • शिक्षार्थी में विवरण, विश्लेषण, तुलनात्मक, मापन और समीक्षा की प्रवृत्ति का विकास। • शिक्षार्थी में साहित्यिक अभिरूचि का जागरण एवं प्रोत्साहन। • शिक्षार्थी में रचनात्मक लेखन की दक्षता का विकास करना। • शिक्षार्थी में सुसंगत संदर्भों, ई–संदर्भों, पुस्तकालय संसाधनों और पाठ्य सामग्री को संदर्भ ग्रंथों और अन्य स्रोतों से प्राप्त करने की समझ, क्षमता और योग्यता का विकास। • शिक्षार्थी का सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास।

8	कार्यक्रम की प्रासांगिकता त्मसमअंदबम व िजीम च्तवहतंउउम	• ग्रामीण क्षेत्रों में मानव संसाधन विकास की दृष्टि से प्रासांगिक। • युवाओं में अवसरों के अनुकूल क्षमता निर्माण एवं संवर्धन में सहायक। • सम्प्रेषण दक्षता विकसित करने में प्रासांगिक। • भाषायी दक्षता और कौशल उन्नयन की दृष्टि से प्रासांगिक। • प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए आवश्यक दक्षताएं विकसित करना। • राष्ट्रीय चरित्र, व्यक्तित्व निर्माण। शिक्षण कौशल में विशेष उपयोगी।
9	लक्ष्य समूह का स्वरूप छंजनतम व िज्तहमज ।नकपंदबम	• ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षार्थी। • सेना में कार्यरत जवान। शालेय शिक्षण में सेवारत व्यक्ति। • आर्थिक संसाधनों की सीमाओं में नियमित पद्धति से अध्ययन न कर पाने वाले शिक्षार्थी। • वंचित वर्गों के शिक्षार्थी। • भौगोलिक कारणों से उच्च शिक्षा के आलोक से वंचित शिक्षार्थी। • प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे शिक्षार्थी।
10	दूरस्थ पद्धति से संचालन की उपयुक्तता ।चचतवचतपंजमदमे व िवमितपदह पद व्क्स् डवकम	• मूल रूप से मानविकी विषयों का पठन–पाठन। अतः समाज ही सबसे महत्वपूर्ण प्रयोगशाला। अध्ययन सामग्री की सहजता से उपलब्धता। विशेषज्ञ मानव संसाधनों की उपलब्धता। सामान्य मार्गदर्शन और संसाधनों में ही वांछित क्षमता का विकास संभव। स्ंदहनंहम स्ंइ आवश्यक।
11	निर्देशात्मक डिजाइन प्देजतनबजपवदंस क्मेपहद	• संचालक संकाय : कला संकाय • संचालक विभाग : हिन्दी विभाग • संबंधित विषय विशेषज्ञ : हिन्दी भाषा एवं साहित्य, व्याकरण • अन्य विशेषज्ञ : कम्प्यूटर, अनुवाद, प्रभावी सम्प्रेषण • आन्तरिक एवं वाहय अंक : 20रू80 • अध्ययन सामग्री का स्वरूप : मुद्रित एवं ई–बुक्स, शैक्षिक वीडियो • अन्य विवरण : पाठ्यक्रम संचालन के विस्तृत दिशा–निर्देश, दूरस्थ शिक्षा मार्गदर्शिका, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट में वर्णित हैं जिनमें समय–समय पर संबंधित अध्ययन मण्डल तथा विद्या परिषद द्वारा किये गये परिवर्तन परिमार्जन मान्य होंगे।
12	प्रवेश, संचालन एवं मूल्यांकन प्रकिया च्तवबमकनतम व िकउपेपवदए बनततपबनसनउ ंदक म्अंसनंजपवद	**प्रवेश संचालन एवं मूल्यांकन प्रकिया यूजीसी ओडीएल 2017 (संशोधनों सहित) के दिशा–निर्देशों के अनुरूप ।** • **प्रवेश** : मुद्रित इलैक्ट्रानिक एवं नवमीडिया में विज्ञापन। वांछित अर्हता के शिक्षार्थियों का ऑनलाइन माध्यम से आवेदन। मूल अभिलेखों के सत्यापन पश्चात् पंजीयन। • **अध्ययन सामग्री का वितरण** : पंजीकृत शिक्षार्थियों को पाठ्यक्रमवार, स्तरवार मुद्रित और ई–अध्ययन सामग्री का वितरण। क्षेत्रीय और शिक्षार्थी सहायता केन्द्रों के माध्यम से। • **सम्पर्क कक्षाएं :** क्षेत्रीय और शिक्षार्थी सहायता केन्द्रों पर सम्पर्क कक्षाओं का आयोजन। विशेषज्ञों द्वारा जिज्ञासा समाधान। प्रदत्त कार्य कार्य प्रदान किया जाना, प्राप्त किया जाना और उत्तरोत्तर बेहतरी के लिए विशेषज्ञ परामर्श, आवश्यकतानुसार प्रायोगिक कक्षाएं। • **परीक्षा और मूल्यांकन** : विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित केन्द्रों पर सैद्धान्तिक परीक्षाओं का आयोजन। समय–सारिणी के आधार पर प्रश्न–पत्रों का ऑनलाइन प्रेषण। निर्धारित क्षेत्रीय केन्द्रों पर मानक आधारों पर चयनित शिक्षकों द्वारा मूल्यांकन, प्रायोगिक परीक्षाएं सम्पन्न कराना, विश्वविद्यालय स्तर पर टेबुलेशन के बाद परीक्षाफल तैयार किया जाना। • **परीक्षाफल और अंकसूची** : परीक्षाफल तैयार कर अंकसूचियों का वितरण

13	प्रयोगशाला सुविधा और पुस्तकालय की आवश्यकता त्मुनपतमउमदज वि ंस्इवतंजवतल ंदक स्पइतंतल त्मेवनतबमे	प्रयोगशाला और पुस्तकालय संसाधन की आवश्यकता के संदर्भ में वैकल्पिक विषयों के अनुरूप सामाजिक विज्ञान प्रयोगशाला आवश्यक होंगी। पुस्तकालय हेतु प्रमुख रूप से पाठ्यपुस्तकें और आवश्यकतानुसार संदर्भ ग्रंथ भी आवश्यक होंगे। दृश्य–श्रव्य सामग्री, ई–बुक्स एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपलब्ध सामग्री भी उपयोगी होगी। ई–ज्ञान कोष और ई–पीजी पाठशाला के कन्टेन्ट भी उपयोगी होंगे।	
14	लागत का अनुमान और प्रावधान च्तवअपेपवदे ंदक म्जपउंजपवद वि ब्वेज	**लागत :** पाठ्यक्रम निर्माण के लिए आवश्यक परामर्शों में विशेषज्ञों की प्रतिभागिता पर खर्च, अध्ययन सामग्री लेखन, सम्पर्क कक्षाओं के व्याख्यानों, क्षेत्रीय और शिक्षार्थी सहायता केन्द्रों के संचालन व्यय परीक्षा एवं मूल्यांकन व्यय, प्रमाणन व्यय, वेबसाइट संचालन व्यय, ई–कन्टेन्ट के विकास पर व्यय, मुद्रण व्यय, दृश्य–श्रव्य सामग्री निर्माण व्यय, विशेषज्ञ सेवाओं के लिए आवश्यक व्यय, पाठ्यक्रम निर्मार्ण में लागत के रूप में लगेंगे। जिनकी प्राप्ति शुल्क राशि के रूप में की जायेगी जिसके मद निम्नानुसार होंगे – **आगत :** • ।चचसपबंजपवद च्तवबमे रू 500ध् • ब्वनतेम थ्मम रू 3000ध् • ैस्ड रू 1000ध् • ब्वदजंबज च्तवहतंउउम रू 1000ध् • म्तांउपदंजपवद रू 1200ध् • व्जीमत रू छपस	
15	गुणवत्ता आश्वासन तंत्र और अपेक्षित कार्यक्रम परिणाम फनंसपजल ेनतंदबम डमबींदपेउ ंदक म्ाचमबजमक वनजबवउमे	• पाठ्यक्रम के निर्माण, विभिन्न मान्यतादायी शैक्षणिक–अकादमिक निकायों यथा अध्ययन मण्डल, विद्या परिषद, प्रबन्ध मण्डल के स्तर पर पाठ्यक्रम संचालन का अनुमोदन। • विशेषज्ञ विद्वानों का पाठ्यक्रम के निर्माण, अध्ययन सामग्री के विकास सम्पर्क कक्षाओं में सहभागिता, मूल्यांकन इत्यादि गतिविधियों में सतत् हस्ताक्षेप। • आन्तरिक गुणवत्ता (सीका) के माध्यम से सतत् समीक्षा और निगरानी। • पारदर्शिता और सहजता के लिए अधुनातन तकनीकी का उपयोग। • शिक्षार्थियों, अभिभावकों, प्रशासकों, शिक्षकों और संस्थाओं के प्रतिनिधियों का संवेदनशीलता से फीडबैक प्राप्त करना और समय–समय पर पाठ्यक्रमों के स्वरूप और संचालन प्रकिया में वांछित सुधार कर अपेक्षित गुणवत्ता और वांछित परिणामों की प्राप्ति।	
16	पाठ्यक्रम के प्रश्न–पत्र ैनइरमबज च्वमत वि जीम च्तवहतंउउम	**प्रथम–वर्ष**	**द्वितीय–वर्ष**
		प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	काव्य शास्त्र एवं साहित्यालोचन
		आधुनिक काव्य	हिन्दी साहित्य का इतिहास
		आधुनिक गद्य साहित्य	प्रयोजक मूलक हिन्दी
		भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा	भारतीय साहित्य
			भक्तिकाल / छायावाद

कार्यक्रम परियोजना रिपोर्ट (च्तवहतंउउम च्तवरमबज त्मचवतज)
परास्नातक;डेंजमत वि।तजेद्ध

क.	शीर्षक ;ज्पजसमद्ध	विवरण ;क्मेबतपचजपवदद्ध
1	पाठ्यक्रम का नाम छंउम वि जीम च्तवहतंउउम	संस्कृत परास्नातक डेंजमत वि।तजें;देांतपजद्ध
2	पाठ्यक्रम का लघुनाम ैवतज थ्वतउ वि जीम च्तवहतंउउम	एम.ए.(संस्कृत) डण्।ण् ;ैंदेांतपजद्ध
3	न्यूनतम अर्हता डपदपउनउ फनंसपपिबंजपवद	ळतंकनंजपवद
4	न्यूनतम अवधि डपदपउनउ क्नतंजपवद	2 वर्ष 2 ल्मंते
5	अधिकतम अवधि डंगपउनउ क्नतंजपवद	5 वर्ष 5 ल्मंते
6	विश्वविद्यालय के उद्देश्य व्इरमबजपअमे वि जीम न्दपअमतेपजल	;1द्ध डांपदह चतवअपेपवदे वित पउचंतजपदह मकनबंजपवद तिवउ चतम.चतपउंतल जव चवेज कवबजवतंस समअमस पद कपिमितमदज इतंदबीमे वि जनकल बवददमबजमक ूपजी तनतंस कमअमसवचउमदज ूपजी चंतजपबनसंत मउचींपे वद जीम पदजमहतंस कमअमसवचउमदज वि चमतेवदंसपजलण ;2द्ध प्दजमहतंजपदह ेसस ेचमबजे वि मकनबंजपवद ेदक जतंपदपदह ूपजी चतवकनबजपअम ेदक बतमंजपअम ेबजपअपजपमे ीवतप्रवदजंससल ेबतवे कपेबपचसपदमे वि ेबपमदबमए जमबीदवसवहलए ीनउंदपजपमे ेदक ेवबपंस ेबपमदबमे ेदक अमतजपबंससल ेबतवे ेसस ेजंहमे वि मकनबंजपवदए चतपउंतल जव ीपहीमत मकनबंजपवदण ;3द्ध क्मेपहदपदह ेअंतपमजल वि बवनतेमे ेज कपिमितमदज समअमसे ूपजी ेतनतंस इपेंए चंतजपबनसंतसल ेज जमतजपंतल समअमस ेतवनदक मउमतहपदह तनतंस वबबनचंजपवदे ेदक हपअपदह कनम तमबवहदपेजपवद ेदक मदबवनतंहमउमदज जव पिमसक ूवता वतपमदजमक बवनतेमेण ;4द्ध थ्बपसपजंजपदह चतवेमबनजपवद वि तमेमंतबी चंतजपबनसंतसल बवउउनदपजल इेंमक ेदक कपंहदवेजपब तमेमंतबीण ;5द्ध न्दकमतजांपदह मगजमदेपवद ेवता ूपजी ेअपमू जव मदेनतम सिवू वि ादवूसमकहम इवनज दमू जमबीदवसवहपमे जव जीम अपससंहमे ेदक जीम दममके वि अपससंहमे उंकम ादवूद जव ेबपमदबम ेदक जमबीदवसवहल पदेजपजनजपवदेण ;6द्ध ज्व मगबींदहम पकमें ेदक मगचमतपमदबम तमहंतकपदह दमू जमबीदपुनमे ेदक जव ेबज ेउमकपनउ इमजूममद अंतपवने हमदबपमेए वतहंदप्रंजपवदे वत पदकपअपकनंसे पदजमतमेजमक पद तनतंस कमअमसवचउमदज ूवताण ;7द्ध म्जंइसपीपदहए उंपदजंपदपदहए बवदेवसपकंजपदह ेदक तमवतहंदप्रपदह पदेजपजनजमेध्बवससमहमे पद तनतंस ेतमें ेदक हपअपदह जीमउ बवउचवेपजम बीतंबजमत ूपजी तनतंस इपें जींज पे बवउइपदपदह चतवहतंउउमे वि तनतंस कमअमसवचउमदज तिवउ जीम च्तपउंतल ेदक ैमबवदकंतल समअमसे जव क्पचसवउं ेदक क्महतममे समअमसेण ;8द्ध क्मअमसवचपदह ेमसमबजमक बवससमहमेध्पदेजपजनजपवदे ेनजवदवउवने बवससमहमेध्पदेजपजनजपवदे वित ेजतमदहजीमदपदह च्तवहतंउउमे वि मकनबंजपवद तमसंजमक जव जीम दममके वि तनतंस कमअमसवचउमदजण ;9द्धब्तमंजपदहए कमअमसवचपदह ेदक ेजतमदहजीमदपदह जतंपदपदह बिपसपजपमे वित जीम जमंबीमते मदहंहमक पद जीम जें वि मकनबंजपवद ीिअपदह तनतंस इपेंण ;10द्धच्तवअपकपदह ब्वदेनसजंदबल वित जीम चतमचंतंजपवदए उवदपजवतपदह ेदक मअंसनंजपवद वि उपबतव.समअमस चसंदेण ;11द्ध च्मतवितउपदह ेनबी वजीमत जोे ेजीम नदपअमतेपजल उंल तिवउ जपउम जव जपउम कमजमतउपदमए ाममचपदह पद अपमू जीम वइरमबजे वि जीम न्दपअमतेपजलण
7	कार्यक्रम के मिशन और उद्देश्य डपेपवद ेदक व्इरमबजपअमे वि जीम च्तवहतंउउम	• शिक्षार्थी को उच्च शिक्षा के उच्चतर सोपान(परास्नातक) का अनुभव और अवसर प्रदान करना। • शिक्षार्थी को संस्कृत भाषा, साहित्य, व्याकरण एवं अन्य सुसंगत विषयों का उच्च स्तरीय ज्ञान प्रदान करना। • शिक्षार्थी में भाषा अनुवाद और सम्प्रेषण कलाओं का विकास करना। • शिक्षार्थी में विवरण, विश्लेषण, तुलनात्मक, मापन और समीक्षा की प्रवृत्ति का विकास। • शिक्षार्थी में साहित्यिक अभिरूचि का जागरण एवं प्रोत्साहन। • शिक्षार्थी में रचनात्मक लेखन की दक्षता का विकास करना। • शिक्षार्थी में सुसंगत संदर्भों, ई–संदर्भों, पुस्तकालय संसाधनों और पाठ्य सामग्री को संदर्भ ग्रंथों और अन्य स्रोतों से प्राप्त करने की समझ, क्षमता और योग्यता का विकास। • शिक्षार्थी का सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास।

8	कार्यक्रम की प्रासांगिकता त्मसमअंदबम व िजीम च्तवहतंउउम	• ग्रामीण क्षेत्रों में मानव संसाधन विकास की दृष्टि से प्रासांगिक। • युवाओं में अवसरों के अनुकूल क्षमता निर्माण एवं संवर्धन में सहायक। • सम्प्रेषण दक्षता विकसित करने में प्रासांगिक। • भाषायी दक्षता और कौशल उन्नयन की दृष्टि से प्रासांगिक। • प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए आवश्यक दक्षताएं विकसित करना। • राष्ट्रीय चरित्र, व्यक्तित्व निर्माण। शिक्षण कौशल में विशेष उपयोगी।
9	लक्ष्य समूह का स्वरूप छंजनतम व िज्तहमज ।नकपंदबम	• ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षार्थी। • सेना में कार्यरत जवान। शालेय शिक्षण में सेवारत व्यक्ति। • आर्थिक संसाधनों की सीमाओं में नियमित पद्धति से अध्ययन न कर पाने वाले शिक्षार्थी। • वंचित वर्गों के शिक्षार्थी। • भौगोलिक कारणों से उच्च शिक्षा के आलोक से वंचित शिक्षार्थी। • प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे शिक्षार्थी।
10	दूरस्थ पद्धति से संचालन की उपयुक्तता ।चचतवचतपंजमदमे व िवमितपदह पद व्क्स् डवकम	• मूल रूप से मानविकी विषयों का पठन–पाठन। अतः समाज ही सबसे महत्वपूर्ण प्रयोगशाला। अध्ययन सामग्री की सहजता से उपलब्धता। विशेषज्ञ मानव संसाधनों की उपलब्धता। सामान्य मार्गदर्शन और संसाधनों में ही वांछित क्षमता का विकास संभव। स्ंदहनंहम स्ंइ आवश्यक।
11	निर्देशात्मक डिजाइन प्देजतनबजपवदंस क्मेपहद	• संचालक संकाय : कला संकाय • संचालक विभाग : संस्कृत विभाग • संबंधित विषय विशेषज्ञ : संस्कृत भाषा एवं साहित्य, व्याकरण • अन्य विशेषज्ञ : कम्प्यूटर, अनुवाद, प्रभावी सम्प्रेषण • आन्तरिक एवं वाहय अंक : 20रू80 • अध्ययन सामग्री का स्वरूप : मुद्रित एवं ई–बुक्स, शैक्षिक वीडियो • अन्य विवरण : पाठ्यक्रम संचालन के विस्तृत दिशा–निर्देश, दूरस्थ शिक्षा मार्गदर्शिका, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट में वर्णित हैं जिनमें समय–समय पर संबंधित अध्ययन मण्डल तथा विद्या परिषद द्वारा किये गये परिवर्तन परिमार्जन मान्य होंगे।
12	प्रवेश, संचालन एवं मूल्यांकन प्रकिया च्तवबमकनतम व िकउपेपवदए बनततपबनसनउ ंदक म्अंसनंजपवद	**प्रवेश संचालन एवं मूल्यांकन प्रकिया यूजीसी ओडीएल 2017 (संशोधनों सहित) के दिशा–निर्देशों के अनुरूप ।** • **प्रवेश** : मुद्रित इलैक्ट्रानिक एवं नवमीडिया में विज्ञापन। वांछित अर्हता के शिक्षार्थियों का ऑनलाइन माध्यम से आवेदन। मूल अभिलेखों के सत्यापन पश्चात् पंजीयन। • **अध्ययन सामग्री का वितरण** : पंजीकृत शिक्षार्थियों को पाठ्यक्रमवार, स्तरवार मुद्रित और ई–अध्ययन सामग्री का वितरण। क्षेत्रीय और शिक्षार्थी सहायता केन्द्रों के माध्यम से। • **सम्पर्क कक्षाएं :** क्षेत्रीय और शिक्षार्थी सहायता केन्द्रों पर सम्पर्क कक्षाओं का आयोजन। विशेषज्ञों द्वारा जिज्ञासा समाधान। प्रदत्त कार्य कार्य प्रदान किया जाना, प्राप्त किया जाना और उत्तरोत्तर बेहतरी के लिए विशेषज्ञ परामर्श, आवश्यकतानुसार प्रायोगिक कक्षाएं। • **परीक्षा और मूल्यांकन** : विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित केन्द्रों पर सैद्धान्तिक परीक्षाओं का आयोजन। समय–सारिणी के आधार पर प्रश्न–पत्रों का ऑनलाइन प्रेषण। निर्धारित क्षेत्रीय केन्द्रों पर मानक आधारों पर चयनित शिक्षकों द्वारा मूल्यांकन, प्रायोगिक परीक्षाएं सम्पन्न कराना, विश्वविद्यालय स्तर पर टेबुलेशन के बाद परीक्षाफल तैयार किया जाना। • **परीक्षाफल और अंकसूची** : परीक्षाफल तैयार कर अंकसूचियों का वितरण

13	प्रयोगशाला सुविधा और पुस्तकालय की आवश्यकता त्मुनपतमउमदज वि ंस्इवतंजवतल ंदक स्पइतंतल त्मेवनतबमे	प्रयोगशाला और पुस्तकालय संसाधन की आवश्यकता के संदर्भ में वैकल्पिक विषयों के अनुरूप सामाजिक विज्ञान प्रयोगशाला आवश्यक होंगी। पुस्तकालय हेतु प्रमुख रूप से पाठ्यपुस्तकें और आवश्यकतानुसार संदर्भ ग्रंथ भी आवश्यक होंगे। दृश्य–श्रव्य सामग्री, ई–बुक्स एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपलब्ध सामग्री भी उपयोगी होगी। ई–ज्ञान कोष और ई–पीजी पाठशाला के कन्टेन्ट भी उपयोगी होंगे।
14	लागत का अनुमान और प्रावधान च्तवअपेपवदे ंदक म्जपउंजपवद वि ब्वेज	**लागत :** पाठ्यक्रम निर्माण के लिए आवश्यक परामर्शों में विशेषज्ञों की प्रतिभागिता पर खर्च, अध्ययन सामग्री लेखन, सम्पर्क कक्षाओं के व्याख्यानों, क्षेत्रीय और शिक्षार्थी सहायता केन्द्रों के संचालन व्यय परीक्षा एवं मूल्यांकन व्यय, प्रमाणन व्यय, वेबसाइट संचालन व्यय, ई–कन्टेन्ट के विकास पर व्यय, मुद्रण व्यय, दृश्य–श्रव्य सामग्री निर्माण व्यय, विशेषज्ञ सेवाओं के लिए आवश्यक व्यय, पाठ्यक्रम निर्मार्ण में लागत के रूप में लगेंगे। जिनकी प्राप्ति शुल्क राशि के रूप में की जायेगी जिसके मद निम्नानुसार होंगे – **आगत :** • ।चचसपबंजपवद च्तवबमे रू 500ध् • ब्वनतेम थ्मम रू 3000ध् • ैस्ड रू 1000ध् • ब्वदजंबज च्तवहतंउउम रू 1000ध् • म्तांउपदंजपवद रू 1200ध् • व्जीमत रू छपस
15	गुणवत्ता आश्वासन तंत्र और अपेक्षित कार्यक्रम परिणाम फनंसपजल ेनतंदबम डमबींदपेउ ंदक म्ाचमबजमक वनजबवउमे	• पाठ्यक्रम के निर्माण, विभिन्न मान्यतादायी शैक्षणिक–अकादमिक निकायों यथा अध्ययन मण्डल, विद्या परिषद, प्रबन्ध मण्डल के स्तर पर पाठ्यक्रम संचालन का अनुमोदन। • विशेषज्ञ विद्वानों का पाठ्यक्रम के निर्माण, अध्ययन सामग्री के विकास सम्पर्क कक्षाओं में सहभागिता, मूल्यांकन इत्यादि गतिविधियों में सतत् हस्ताक्षेप। • आन्तरिक गुणवत्ता (सीका) के माध्यम से सतत् समीक्षा और निगरानी। • पारदर्शिता और सहजता के लिए अधुनातन तकनीकी का उपयोग। • शिक्षार्थियों, अभिभावकों, प्रशासकों, शिक्षकों और संस्थाओं के प्रतिनिधियों का संवेदनशीलता से फीडबैक प्राप्त करना और समय–समय पर पाठ्यक्रमों के स्वरूप और संचालन प्रकिया में वांछित सुधार कर अपेक्षित गुणवत्ता और वांछित परिणामों की प्राप्ति।
16	पाठ्यक्रम के प्रश्न–पत्र ैनइरमबज च्ंचमत वि जीम च्तवहतंउउम	**प्रथम–वर्ष** / **द्वितीय–वर्ष** काव्य / इतिहास पुराणों का परिचय इतिहास काव्य / भाषा विज्ञान/संस्कृत काव्य तथा आधुनिक विश्व एवं नीति शास्त्र सस्कृत काव्य परंपरा / इतिहास, संस्कृति एवं संस्कार भारतीय दर्शन एक परिचय / कालिदास

कार्यक्रम परियोजना रिपोर्ट (च्तवहतंउउम च्तवरमबज त्मचवतज)
विज्ञान स्नातक ;ठंबीमसवत वf^बपमदबमद्ध

क.	शीर्षक ;ज्पजसमद्ध	विवरण ;क्मेबतपचजपवदद्ध
1	पाठ्यक्रम का नाम छंउम वf जीम च्तवहतंउउम	विज्ञान स्नातक ठंबीमसवत वf^बपमदबम
2	पाठ्यक्रम का लघुनाम ^ैवतज थ्वतउ वf जीम च्तवहतंउउम	बी.एस–सी.(बायो) ठण्ैबण्;ठपवद्ध
3	न्यूनतम अर्हता डपदपउनउ फनंसपपिबंजपवद	10ए2;ठपव ळतवनचद्ध
4	न्यूनतम अवधि डपदपउनउ क्नतंजपवद	3 वर्ष 3 ल्मंते
5	अधिकतम अवधि डंगपउनउ क्नतंजपवद	7 वर्ष 7 ल्मंते
6	विश्वविद्यालय के उद्देश्य व्इरमबजपअमे वf जीम न्दपअमतेपजल	;1द्ध डांपदह चतवअपेपवदे वित पउचंतजपदह मकनबंजपवद तिवउ चतम.चतपउंतल जव चवेज कवबजवतंस समअमस पद कपििमतमदज इतंदबीमे वf जिनकल बवददमबजमक ूपजी तनतंस कमअमसवचउमदज ूपजी चंतजपबनसंत मउचींपे वद जीम पदजमहतंस कमअमसवचउमदज वf चमतेवदंसपजलण ;2द्ध प्दजमहतंजपदह ंसस ेचमबजे वf मकनबंजपवद ंदक जतंपदपदह ूपजी चतवकनबजपअम ंदक बतमंजपअम ंबजपअपजपमे ीवतप्रवदजंससल ंबतवे कपेबपचसपदमे वf^बपमदबमए जमबीदवसवहलए ीनउंदपजपमे ंदक ेवबपंस ेबपमदबमे ंदक अमतजपबंससल ंबतवे ंसस ेजंहमे वf मकनबंजपवदए चतपउंतल जव ीपहीमत मकनबंजपवदण ;3द्ध क्मेपहदपदह ंअंतपमजल वf बवनतेमे ंज कपििमतमदज समअमसे ूपजी ंतनतंस इपेंए चंतजपबनसंतसल ंज जमतजपंतल समअमस ंतवनदक मउमतहपदह तनतंस वबबनचंजपवदे ंदक हपअपदह कनम तमबवहदपेजपवद ंदक मदबवनतंहमउमदज जव पिमसक ूवता वतपमदजमक बवनतेमेण ;4द्ध थ्बपसपजंजपदह चतवेमबनजपवद वf तमेमंतबी चंतजपबनसंतसल बवउउनदपजल इंेमक ंदक कपंहदवेजपब तमेमंतबीण ;5द्ध न्दकमतजांपदह मगजमदेपवद ॅवता ूपजी ंअपमू जव मदेनतम सिवू वf ादवूसमकहम ंइवनज दमू जमबीदवसवहपमे जव जीम अपससंहमे ंदक जीम दममके वf अपससंहमे उंकम ादवूद जव ेबपमदबम ंदक जमबीदवसवहल पदेजपजनजपवदेण ;6द्ध ज्व मगबींदहम पकमें ंदक मगचमतपमदबम तमहंतकपदह दमू जमबीदपुनमे ंदक जव ंबज ंे उमकपनउ इमजूममद अंतपवने ंहमदबपमेए वतहंदप्रंजपवदे वत पदकपअपकनंसे पदजमतमेजमक पद तनतंस कमअमसवचउमदज ूवताण ;7द्ध ैजंइसपीपदहए उंपदजंपदपदहए बवदेवसपकंजपदह ंदक तमवतहंदप्रपदह पदेजपजनजमेध्बवससमहमे पद तनतंस ंतमें ंदक हपअपदह जीमउ बवउचवेपजम बींतंबजमत ूपजी तनतंस इपें जींज पे बवउइपदपदह चतवहतंउउमे वf तनतंस कमअमसवचउमदज तिवउ जीम च्तपउंतल ंदक ैमबवदकंतल समअमसे जव क्पचसवउं ंदक क्महतममे समअमसेण ;8द्ध क्मअमसवचपदह ेमसमबजमक बवससमहमेध्प्देजपजनजपवदे ंे ंनजवदवउवने बवससमहमेध्प्देजपजनजपवदे वित ेजतमदहजीमदपदह च्तवहतंउउमे वf मकनबंजपवद तमसंजमक जव जीम दममके वf तनतंस कमअमसवचउमदजण ;9द्धब्तमंजपदहए कमअमसवचपदह ंदक ेजतमदहजीमदपदह जतंपदपदह बिपसपजपमे वित जीम जमंबीमते मदहंहमक पद जीम जों वf मकनबंजपवद ीिअपदह तनतंस इपेंण ;10द्धच्तवअपकपदह ब्वदेनसजंदबल वित जीम चतमचंतंजपवदए उवदपजवतपदह ंदक मअंसनंजपवद वf उपबतव.समअमस चसंदेण ;11द्ध च्मतवितउपदह ेनबी वजीमत जों ें जीम नदपअमतेपजल उंल तिवउ जपउम जव जपउम कमजमतउपदमए ाममचपदह पद अपमू जीम वइरमबजे वf जीम न्दपअमतेपजलण
7	कार्यक्रम के मिशन और उद्देश्य डपेेपवद ंदक व्इरमबजपअमे वf जीम च्तवहतंउउम	• शिक्षार्थी को उच्च शिक्षा के प्रथम सोपान का अनुभव और अवसर प्रदान करना। • शिक्षार्थी को जन्तु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान एवं रसायन विज्ञान तथा अन्य सुसंगत विषयों का आधार स्तरीय ज्ञान प्रदान करना। • शिक्षार्थी में भाषा अनुवाद और सम्प्रेषण कलाओं का विकास करना। • शिक्षार्थी में विवरण, विश्लेषण, तुलनात्मक, मापन और समीक्षा की प्रवृत्ति का विकास। • शिक्षार्थी मेंवैज्ञानिक सोच और तार्किक दृष्किोण का विकास करना। • शिक्षार्थी में पर्यावरण, पारिस्थितकी तंत्र और कम्प्यूटर ज्ञान का विकास। • शिक्षार्थी में सुसंगत संदर्भों, ई–संदर्भों, पुस्तकालय संसाधनों और पाठ्य सामग्री को संदर्भ ग्रंथों और अन्य स्रोतों से प्राप्त करने की समझ, क्षमता और योग्यता का विकास। • शिक्षार्थी का सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास।

8	कार्यक्रम की प्रासांगिकता त्मसमअंदबम व िजीम च्तवहतंउउम	• ग्रामीण क्षेत्रों में मानव संसाधन विकास की दृष्टि से प्रासांगिक। • युवाओं में अवसरों के अनुकूल क्षमता निर्माण एवं संवर्धन में सहायक। • सम्प्रेषण दक्षता विकसित करने में प्रासांगिक। • नागरिक गुणों का विकास। वैज्ञानिक एवं तर्कपूर्ण सोच का विकास। अन्ध विश्वासों का निवारण। • प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए आवश्यक दक्षताएं विकसित करना। • राष्ट्रीय चरित्र का निर्माण।
9	लक्ष्य समूह का स्वरूप छंजनतम व िज्ंतहमज ।नकपंदबम	• ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षार्थी। • सेना में कार्यरत जवान। • आर्थिक संसाधनों की सीमाओं में नियमित पद्धति से अध्ययन न कर पाने वाले शिक्षार्थी। • वंचित वर्गों के शिक्षार्थी। • भौगोलिक कारणों से उच्च शिक्षा के आलोक से वंचित शिक्षार्थी। • प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे शिक्षार्थी।
10	दूरस्थ पद्धति से संचालन की उपयुक्तता ।चचतवचतपंजमदमे व िव्मितपदह पद व्क्स् डवकम	• मूल रूप से जन्तु, वनस्पति एवं रसायन विज्ञान विषयों का पठन–पाठन। अध्ययन सामग्री की सहजता से उपलब्धता। विशेषज्ञ मानव संसाधनों की उपलब्धता। सामान्य मार्गदर्शन और संसाधनों में ही वांछित क्षमता का विकास संभव। प्रयोगशाला की अनिवार्यता।
11	निर्देशात्मक डिजाइन प्देजतनबजपवदंस क्मेपहद	• संचालक संकाय : विज्ञान एवं पर्यावरण संकाय • संचालक विभाग : जैविक विज्ञान विभाग • संबंधित विषय विशेषज्ञ : जन्तु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान • अन्य विशेषज्ञ : हिन्दी भाषा, अंग्रेजी भाषा, कम्प्यूटर, पर्यावरण, उद्यमिता विकास, मूल्य एवं सामाजिक उत्तरदायित्व • आन्तरिक एवं वाहय अंक : 20रू80 • अध्ययन सामग्री का स्वरूप : मुद्रित एवं ई–बुक्स, शैक्षिक वीडियो • अन्य विवरण : पाठ्यक्रम संचालन के विस्तृत दिशा–निर्देश, दूरस्थ शिक्षा मार्गदर्शिका, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट में वर्णित हैं जिनमें समय–समय पर संबंधित अध्ययन मण्डल तथा विद्या परिषद द्वारा किये गये परिवर्तन परिमार्जन मान्य होंगे।
12	प्रवेश, संचालन एवं मूल्यांकन प्रक्रिया च्तवबमकनतम व ि।कउपेेपवदए बवदकनबज ंदक म्अंसनंजपवद	**प्रवेश संचालन एवं मूल्यांकन प्रक्रिया यूजीसी ओडीएल 2017 (संशोधनों सहित) के दिशा–निर्देशों के अनुरूप ।** • **प्रवेश** : मुद्रित इलैक्ट्रानिक एवं नवमीडिया में विज्ञापन। वांछित अर्हता के शिक्षार्थियों का ऑनलाइन माध्यम से आवेदन। मूल अभिलेखों के सत्यापन पश्चात् पंजीयन। • **अध्ययन सामग्री का वितरण** : पंजीकृत शिक्षार्थियों को पाठ्यक्रमवार, स्तरवार मुद्रित और ई–अध्ययन सामग्री का वितरण। क्षेत्रीय और शिक्षार्थी सहायता केन्द्रों के माध्यम से। • **सम्पर्क कक्षाएं :**क्षेत्रीय और शिक्षार्थी सहायता केन्द्रों पर सम्पर्क कक्षाओं का आयोजन। विशेषज्ञों द्वारा जिज्ञासा समाधान। प्रदत्त कार्य कार्य प्रदान किया जाना, प्राप्त किया जाना और उत्तरोत्तर बेहतरी के लिए विशेषज्ञ परामर्श, आवश्यकतानुसार प्रायोगिक कक्षाएं। • **परीक्षा और मूल्यांकन**: विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित केन्द्रों पर सैद्धान्तिक परीक्षाओं का आयोजन। समय–सारिणी के आधार पर प्रश्न–पत्रों का ऑनलाइन प्रेषण। निर्धारित क्षेत्रीय केन्द्रों पर मानक आधारों पर चयनित शिक्षकों द्वारा मूल्यांकन, प्रायोगिक परीक्षाएं सम्पन्न कराना, विश्वविद्यालय स्तर पर टेबुलेशन के बाद परीक्षाफल तैयार किया जाना। • **परीक्षाफल और अंकसूची** : परीक्षाफल तैयार कर अंकसूचियों का वितरण

<table>
<tr><td>13</td><td>प्रयोगशाला सुविधा और पुस्तकालय की आवश्यकता
त्मुनपतमउमदज वि ंइवतंजवतल ंदक स्पइतंतल त्मेवनतबमे</td><td>प्रयोगशाला और पुस्तकालय संसाधन की आवश्यकता के संदर्भ में वैकल्पिक विषयों के अनुरूप विज्ञान प्रयोगशाला(वनस्पति, जीव एवं रसायन) आवश्यक होंगी। पुस्तकालय हेतु प्रमुख रूप से पाठ्यपुस्तकें और आवश्यकतानुसार संदर्भ ग्रंथ भी आवश्यक होंगे। दृश्य–श्रव्य सामग्री, ई–बुक्स एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपलब्ध सामग्री भी उपयोगी होगी। ई–ज्ञान कोष और ई–पीजी पाठशाला के कन्टेन्ट भी उपयोगी होंगे।</td></tr>
<tr><td>14</td><td>लागत का अनुमान और प्रावधान
च्तवअपेपवदे ंदक म्जपउंजपवद वि ब्वेज</td><td>लागत :
पाठ्यक्रम निर्माण के लिए आवश्यक परामर्शों में विशेषज्ञों की प्रतिभागिता पर खर्च, अध्ययन सामग्री लेखन, सम्पर्क कक्षाओं के व्याख्यानों, क्षेत्रीय और शिक्षार्थी सहायता केन्द्रों के संचालन व्यय परीक्षा एवं मूल्यांकन व्यय, प्रमाणन व्यय, वेबसाइट संचालन व्यय, ई–कन्टेन्ट के विकास पर व्यय, मुद्रण व्यय, दृश्य–श्रव्य सामग्री निर्माण व्यय, विशेषज्ञ सेवाओं के लिए आवश्यक व्यय, पाठ्यक्रम निर्मार्ण में लागत के रूप में लगेंगे। जिनकी प्राप्ति शुल्क राशि के रूप में की जायेगी जिसके मद निम्नानुसार होंगे –
आगत :
• ।चचसपबंजपवद च्तवबमे रू 500ध्
• ब्वनतेम थ्मम रू 3000ध्
• ैस्ड रू 1000ध्
• ब्वदजंबज च्तवहतंउउम रू 1000ध्
• म्तांउपदंजपवद रू 1200ध्
• व्जीमत रू छपस</td></tr>
<tr><td>15</td><td>गुणवत्ता आश्वासन तंत्र और अपेक्षित कार्यक्रम परिणाम
फनंसपजल ेनतंदबम डमबींदपेउ ंदक म्ाचमबजमक वनजबवउमे</td><td>• पाठ्यक्रम के निर्माण, विभिन्न मान्यतादायी शैक्षणिक–अकादमिक निकायों यथा अध्ययन मण्डल, विद्या परिषद, प्रबन्ध मण्डल के स्तर पर पाठ्यक्रम संचालन का अनुमोदन।
• विशेषज्ञ विद्वानों का पाठ्यक्रम के निर्माण, अध्ययन सामग्री के विकास सम्पर्क कक्षाओं में सहभागिता, मूल्यांकन इत्यादि गतिविधियों में सतत् हस्ताक्षेप।
• आन्तरिक गुणवत्ता (सीका) के माध्यम से सतत् समीक्षा और निगरानी।
• पारदर्शिता और सहजता के लिए अधुनातन तकनीकी का उपयोग।
• शिक्षार्थियों, अभिभावकों, प्रशासकों, शिक्षकों और संस्थाओं के प्रतिनिधियों का संवेदनशीलता से फीडबैक प्राप्त करना और समय–समय पर पाठ्यक्रमों के स्वरूप और संचालन प्रकिया में वांछित सुधार कर अपेक्षित गुणवत्ता और वांछित परिणामों की प्राप्ति।</td></tr>
<tr><td>16</td><td>पाठ्यक्रम के प्रश्न–पत्र
ैनइरमबज च्ंचमत वि जीम च्तवहतंउउम</td><td>
<table>
<tr><th>प्रथम–वर्ष</th><th>द्वितीय–वर्ष</th><th>तृतीय–वर्ष</th></tr>
<tr><td>हिन्दी भाषा</td><td>हिन्दी भाषा</td><td>हिन्दी भाषा</td></tr>
<tr><td>अंग्रेजी भाषा</td><td>अंग्रेजी भाषा</td><td>अंग्रेजी भाषा</td></tr>
<tr><td>उद्यमिता</td><td>पर्यावरण</td><td>ठेंपब वि ब्वउचनजमत – प्ज</td></tr>
<tr><td>रसायनशास्त्र–ए</td><td>रसायनशास्त्र–ए</td><td>रसायनशास्त्र–ए</td></tr>
<tr><td>रसायनशास्त्र–ब</td><td>रसायनशास्त्र–ब</td><td>रसायनशास्त्र–ब</td></tr>
<tr><td>रसायनशास्त्र–ब्ब</td><td>रसायनशास्त्र–ब्ब</td><td>रसायनशास्त्र–ब्ब</td></tr>
<tr><td>जन्तु विज्ञान–ए</td><td>जन्तु विज्ञान–ए</td><td>जन्तु विज्ञान–ए</td></tr>
<tr><td>जन्तु विज्ञान–ब</td><td>जन्तु विज्ञान–ब</td><td>जन्तु विज्ञान–ब</td></tr>
<tr><td>वनस्पति शास्त्र–ए</td><td>वनस्पति शास्त्र–ए</td><td>वनस्पति शास्त्र–ए</td></tr>
<tr><td>वनस्पति शास्त्र–ब</td><td>वनस्पति शास्त्र–ब</td><td>वनस्पति शास्त्र–ब</td></tr>
</table>
</td></tr>
</table>

कार्यक्रम परियोजना रिपोर्ट (च्तवहतंउउम च्तवरमबज त्मचवतज)
विज्ञान स्नातक ;ठंबीमसवत व िबपमदबमद्ध

क्र.	शीर्षक ;ज्पजसमद्ध	विवरण ;क्मेबतपचजपवदद्ध
1	पाठ्यक्रम का नाम छंउम व िजीम च्तवहतंउउम	विज्ञान स्नातक ठंबीमसवत व िबपमदबम
2	पाठ्यक्रम का लघुनाम ैवतज थ्वतउ व िजीम च्तवहतंउउम	बी.एस–सी.(मैथ) ठण्ैबण्;डंजीद्ध
3	न्यूनतम अर्हता डपदपउनउ फनंसपपिबंजपवद	10़2;डंजी ळतवनचद्ध
4	न्यूनतम अवधि डपदपउनउ क्नतंजपवद	3 वर्ष 3 ल्मंते
5	अधिकतम अवधि डंगपउनउ क्नतंजपवद	7 वर्ष 7 ल्मंते
6	विश्वविद्यालय के उद्देश्य न्द्रमबजपअमे व िजीम न्दपअमतेपजल	;1द्ध डांपदह चतवअपेपवदे वित पउचंतजपदह मकनबंजपवद तिवउ चतम.चतपउंतल जव चवेज कवबजवतंस समअमस पद कपमिितमदज इतंदबीमे व िजनकल बवददमबजमक ूपजी तनतंस कमअमसवचउमदज ूपजी चंतजपबनसंत मउचींपे वद जीम पदजमहतंस कमअमसवचउमदज व िचमतेवदंसपजलण ;2द्ध प्दजमहतंजपदह ंसस ंेचमबजे व ि मकनबंजपवद ंदक जतंपदपदह ूपजी चतवकनबजपअम ंदक बतमंजपअम ंबजपअपजपमे ीवतप्रवदजंससल ंबतवे कपेबपचसपदमे व िबपमदबमए जमबीदवसवहलए ीनउंदपजपमे ंदक ेवबपंस ेबपमदबमे ंदक अमतजपबंससल ंबतवे ंसस ेजंहमे व िमकनबंजपवदए चतपउंतल जव ीपहीमत मकनबंजपवदण ;3द्ध क्मेपहदपदह ं अंतपमजल व िबवनतेमे ंज कपमििमतमदज समअमसे ूपजी ं तनतंस इपेंए चंतजपबनसंतसल ंज जमतजपंतल समअमस ंतवनदक मउमतहपदह तनतंस वबबनचंजपवदे ंदक हपअपदह कनम तमबवहदपेजपवद ंदक मदबवनतंहमउमदज जव पिमसक ूवता वतपमदजमक बवनतेमेण ;4द्ध थ्बपसपजंजपदह चतवेमबनजपवद व ि तमेमंतबी चंतजपबनसंतसल बवउउनदपजल इंमक ंदक कपंहदवेजपब तमेमंतबीण ;5द्ध न्दकमतजांपदह मगजमदेपवद ॅवता ूपजी ं अपमू जव मदेनतम सिवू व ि ादवूसमकहम ंइवनज दमू जमबीदवसवहपमे जव जीम अपससंहमे ंदक जीम दममके व िअपससंहमे उंकम ादवूद जव ेबपमदबम ंदक जमबीदवसवहल पदेजपजनजपवदेण ;6द्ध ज्व मगबींदहम पकमें ंदक मगचमतपमदबम तमहंतकपदह दमू जमबीदपुनमे ंदक जव ंबज ं उमकपनउ इमजूममद अंतपवने हमदबपमेए वतहंदप्रंजपवदे वत पदकपअपकनंसे पदजमतमेजमक पद तनतंस कमअमसवचउमदज ूवताण ;7द्ध म्जंइसपीपदहए उंपदजंपदपदहए बवदेवसपकंजपदह ंदक तमवतहंदप्रपदह पदेजपजनजमेध्बवससमहमे पद तनतंस ंतमें ंदक हपअपदह जीमउ बवउचवेपजम बींतंबजमत ूपजी तनतंस इपें जींज पे बवउइपदपदह चतवहतंउउमे व ि तनतंस कमअमसवचउमदज तिवउ जीम च्तपउंतल ंदक ैमबवदकंतल समअमसे जव क्पचसवउं ंदक क्महतममे समअमसेण ;8द्ध क्मअमसवचपदह ेमसमबजमक बवससमहमेध्पदेजपजनजपवदे ं ेनजवदवउवने बवससमहमेध्पदेजपजनजपवदे वित ेजतमदहजीमदपदह च्तवहतंउउमे व ि मकनबंजपवद तमसंजमक जव जीम दममके व ि तनतंस कमअमसवचउमदजण ;9द्धब्तमंजपदहए कमअमसवचपदह ंदक ेजतमदहजीमदपदह जतंपदपदह बिपसपजपमे वित जीम जमंबीमते मदहंहमक पद जीम जें व िमकनबंजपवद ींअपदह तनतंस इपेंण ;10द्धच्तवअपकपदह ब्वदेनसजंदबल वित जीम चतमचंतंजपवदए उवदपजवतपदह ंदक मअंसनंजपवद व िउपबतव.समअमस चसंदेण ;11द्ध च्मतवितउपदह ेनबी वजीमत जौं ं जीम नदपअमतेपजल उंल तिवउ जपउम जव जपउम कमजमतउपदमए ामचपदह पद अपमू जीम वइरमबजे व िजीम न्दपअमतेपजलण
7	कार्यक्रम के मिशन और उद्देश्य डपेेपवद ंदक व्इरमबजपअमे व िजीम च्तवहतंउउम	• शिक्षार्थी को उच्च शिक्षा के प्रथम सोपान का अनुभव और अवसर प्रदान करना। • शिक्षार्थी को भौतिक विज्ञान, गणित विज्ञान एवं रसायन विज्ञान तथा अन्य सुसंगत विषयों का आधार स्तरीय ज्ञान प्रदान करना। • शिक्षार्थी में भाषा अनुवाद और सम्प्रेषण कलाओं का विकास करना। • शिक्षार्थी में विवरण, विश्लेषण, तुलनात्मक, मापन और समीक्षा की प्रवृत्ति का विकास। • शिक्षार्थी में वैज्ञानिक सोच और तार्किक दृष्किोण का विकास करना। • शिक्षार्थी में पर्यावरण, पारिस्थितकी तंत्र और कम्प्यूटर ज्ञान का विकास। • शिक्षार्थी में सुसंगत संदर्भों, ई–संदर्भों, पुस्तकालय संसाधनों और पाठ्य सामग्री को संदर्भ ग्रंथों और अन्य स्रोतों से प्राप्त करने की समझ, क्षमता और योग्यता का विकास। • शिक्षार्थी का सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास। नवाचारों को प्रोत्साहन।

8	कार्यक्रम की प्रासांगिकता त्मसमअंदबम व िजीम च्तवहतंउउम	• ग्रामीण क्षेत्रों में मानव संसाधन विकास की दृष्टि से प्रासांगिक। • युवाओं में अवसरों के अनुकूल क्षमता निर्माण एवं संवर्धन में सहायक। • सम्प्रेषण दक्षता विकसित करने में प्रासांगिक। • नागरिक गुणों का विकास। वैज्ञानिक एवं तर्कपूर्ण सोच का विकास। अन्ध विश्वासों का निवारण। • प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए आवश्यक दक्षताएं विकसित करना। • राष्ट्रीय चरित्र का निर्माण।
9	लक्ष्य समूह का स्वरूप छंजनतम व िज्ंतहमज ।नकपंदबम	• ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षार्थी। • सेना में कार्यरत जवान। • आर्थिक संसाधनों की सीमाओं में नियमित पद्धति से अध्ययन न कर पाने वाले शिक्षार्थी। • वंचित वर्गों के शिक्षार्थी। • भौगोलिक कारणों से उच्च शिक्षा के आलोक से वंचित शिक्षार्थी। • प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे शिक्षार्थी।
10	दूरस्थ पद्धति से संचालन की उपयुक्तता ।चचतवचतपंजमदमे व िविमितपदह पद व्क्स् डवकम	• मूल रूप से भौतिक विज्ञान, गणित विज्ञान एवं रसायन विज्ञान विषयों का पठन–पाठन। अध्ययन सामग्री की सहजता से उपलब्धता। विशेषज्ञ मानव संसाधनों की उपलब्धता। सामान्य मार्गदर्शन और संसाधनों में ही वांछित क्षमता का विकास संभव। भौतिक एवं रसायन विज्ञान के लिए प्रयोगशाला की अनिवार्यता।
11	निर्देशात्मक डिजाइन प्देजतनबजपवदंस क्मेपहद	• संचालक संकाय : विज्ञान एवं पर्यावरण संकाय • संचालक विभाग : भौतिक विज्ञान विभाग • संबंधित विषय विशेषज्ञ : भौतिक विज्ञान, गणित विज्ञान, रसायन विज्ञान • अन्य विशेषज्ञ : हिन्दी भाषा, अंग्रेजी भाषा, कम्प्यूटर, पर्यावरण, उद्यमिता विकास, मूल्य एवं सामाजिक उत्तरदायित्व • आन्तरिक एवं वाहय अंक : 20रू80 • अध्ययन सामग्री का स्वरूप : मुद्रित एवं ई–बुक्स, शैक्षिक वीडियो • अन्य विवरण : पाठ्यक्रम संचालन के विस्तृत दिशा–निर्देश, दूरस्थ शिक्षा मार्गदर्शिका, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट में वर्णित हैं जिनमें समय–समय पर संबंधित अध्ययन मण्डल तथा विद्या परिषद द्वारा किये गये परिवर्तन परिमार्जन मान्य होंगे।
12	प्रवेश, संचालन एवं मूल्यांकन प्रक्रिया च्तवबमकनतम व िकउपेपवदए बनततपबनसनउ ंदक म्अंसनंजपवद	**प्रवेश संचालन एवं मूल्यांकन प्रकिया यूजीसी ओडीएल 2017 (संशोधनों सहित) के दिशा–निर्देशों के अनुरूप ।** • **प्रवेश** : मुद्रित इलैक्ट्रानिक एवं नवमीडिया में विज्ञापन। वांछित अर्हता के शिक्षार्थियों का ऑनलाइन माध्यम से आवेदन। मूल अभिलेखों के सत्यापन पश्चात् पंजीयन। • **अध्ययन सामग्री का वितरण** : पंजीकृत शिक्षार्थियों को पाठ्यक्रमवार, स्तरवार मुद्रित और ई–अध्ययन सामग्री का वितरण। क्षेत्रीय और शिक्षार्थी सहायता केन्द्रों के माध्यम से। • **सम्पर्क कक्षाएं** :क्षेत्रीय और शिक्षार्थी सहायता केन्द्रों पर सम्पर्क कक्षाओं का आयोजन। विशेषज्ञों द्वारा जिज्ञासा समाधान। प्रदत्त कार्य कार्य प्रदान किया जाना, प्राप्त किया जाना और उत्तरोत्तर बेहतरी के लिए विशेषज्ञ परामर्श, आवश्यकतानुसार प्रायोगिक कक्षाएं। • **परीक्षा और मूल्यांकन**: विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित केन्द्रों पर सैद्धान्तिक परीक्षाओं का आयोजन। समय–सारिणी के आधार पर प्रश्न–पत्रों का ऑनलाइन प्रेषण। निर्धारित क्षेत्रीय केन्द्रों पर मानक आधारों पर चयनित शिक्षकों द्वारा मूल्यांकन, प्रायोगिक परीक्षाएं सम्पन्न कराना, विश्वविद्यालय स्तर पर टेबुलेशन के बाद परीक्षाफल तैयार किया जाना। • **परीक्षाफल और अंकसूची** : परीक्षाफल तैयार कर अंकसूचियों का वितरण
13	प्रयोगशाला सुविधा और पुस्तकालय की आवश्यकता त्मुनपतमउमदज व िस्ंइवतंजवतल ंदक स्पइतंतल त्मेवनतबमे	प्रयोगशाला और पुस्तकालय संसाधन की आवश्यकता के संदर्भ में वैकल्पिक विषयों के अनुरूप विज्ञान प्रयोगशाला(भौतिक, ग एवं रसायन) आवश्यक होंगी। पुस्तकालय हेतु प्रमुख रूप से पाठ्यपुस्तकें और आवश्यकतानुसार संदर्भ ग्रंथ भी आवश्यक होंगे। दृश्य–श्रव्य सामग्री, ई–बुक्स एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपलब्ध सामग्री भी उपयोगी होगी। ई–ज्ञान कोष और ई–पीजी पाठशाला के कन्टेन्ट भी उपयोगी होंगे।
14	लागत का अनुमान और प्रावधान च्तवअपेपवदे ंदक म्जपउंजपवद व िब्वेज	**लागत :** पाठ्यक्रम निर्माण के लिए आवश्यक परामर्शों में विशेषज्ञों की प्रतिभागिता पर खर्च,

<table>
<tr><td>15</td><td></td><td colspan="3">अध्ययन सामग्री लेखन, सम्पर्क कक्षाओं के व्याख्यानों, क्षेत्रीय और शिक्षार्थी सहायता केन्द्रों के संचालन व्यय परीक्षा एवं मूल्यांकन व्यय, प्रमाणन व्यय, वेबसाइट संचालन व्यय, ई–कन्टेन्ट के विकास पर व्यय, मुद्रण व्यय, दृश्य–श्रव्य सामग्री निर्माण व्यय, विशेषज्ञ सेवाओं के लिए आवश्यक व्यय, पाठ्यक्रम निर्मार्ण में लागत के रूप में लगेंगे। जिनकी प्राप्ति शुल्क राशि के रूप में की जायेगी जिसके मद निम्नानुसार होंगे –
आगत :
• ।चचसपबंजपवद च्तवबमे रू 500६
• ब्वनतेम थ्मम रू 3000६
• ऀस्ड रू 1000६
• ब्वदजंबज च्तवहतंउउम रू 1000६
• म्गंउपदंजपवद रू 1200६
• व्जीमत रू छपस</td></tr>
<tr><td>15</td><td>गुणवत्ता आश्वासन तंत्र और अपेक्षित कार्यक्रम परिणाम
फनंसपजल ।ेनतंदबम डमबींदपेउ ंदक म्गचमबजमक वनजबवउमे</td><td colspan="3">• पाठ्यक्रम के निर्माण, विभिन्न मान्यतादायी शैक्षणिक–अकादमिक निकायों यथा अध्ययन मण्डल, विद्या परिषद, प्रबन्ध मण्डल के स्तर पर पाठ्यक्रम संचालन का अनुमोदन।
• विशेषज्ञ विद्वानों का पाठ्यक्रम के निर्माण, अध्ययन सामग्री के विकास सम्पर्क कक्षाओं में सहभागिता, मूल्यांकन इत्यादि गतिविधियों में सतत् हस्ताक्षेप।
• आन्तरिक गुणवत्ता (सीका) के माध्यम से सतत् समीक्षा और निगरानी।
• पारदर्शिता और सहजता के लिए अधुनातन तकनीकी का उपयोग।
• शिक्षार्थियों, अभिभावकों, प्रशासकों, शिक्षकों और संस्थाओं के प्रतिनिधियों का संवेदनशीलता से फीडबैक प्राप्त करना और समय–समय पर पाठ्यक्रमों के स्वरूप और संचालन प्रक्रिया में वांछित सुधार कर अपेक्षित गुणवत्ता और वांछित परिणामों की प्राप्ति।</td></tr>
<tr><td rowspan="12">16</td><td rowspan="12">पाठ्यक्रम के प्रश्न–पत्र
ऀनइरमबज च्ंमत व िजीम च्तवहतंउउम</td><td>प्रथम–वर्ष</td><td>द्वितीय–वर्ष</td><td>तृतीय–वर्ष</td></tr>
<tr><td>हिन्दी भाषा</td><td>हिन्दी भाषा</td><td>हिन्दी भाषा</td></tr>
<tr><td>अंग्रेजी भाषा</td><td>अंग्रेजी भाषा</td><td>अंग्रेजी भाषा</td></tr>
<tr><td>उद्यमिता</td><td>पर्यावरण</td><td>ठेंपब व िब्वउचनजमत – IV</td></tr>
<tr><td>रसायनशास्त्र–I</td><td>रसायनशास्त्र–I</td><td>रसायनशास्त्र–I</td></tr>
<tr><td>रसायनशास्त्र–II</td><td>रसायनशास्त्र–II</td><td>रसायनशास्त्र–II</td></tr>
<tr><td>रसायनशास्त्र–III</td><td>रसायनशास्त्र–III</td><td>रसायनशास्त्र–III</td></tr>
<tr><td>भौतिक विज्ञान–I</td><td>भौतिक विज्ञान–I</td><td>भौतिक विज्ञान–I</td></tr>
<tr><td>भौतिक विज्ञान–II</td><td>भौतिक विज्ञान–II</td><td>भौतिक विज्ञान–II</td></tr>
<tr><td>गणित–I</td><td>गणित–I</td><td>गणित–I</td></tr>
<tr><td>गणित–II</td><td>गणित–II</td><td>गणित–II</td></tr>
</table>

कार्यक्रम परियोजना रिपोर्ट (Programme Project Report)
परास्नातक विज्ञान (गणित) Master of Science (Mathamateics)

क.	शीर्षक (Title)	विवरण (Discription)
1	पाठ्यक्रम का नाम छंउम वि जीम च्तवहतंउउम	परास्नातक विज्ञान (गणित) Master of Science(Mathamateics)
2	पाठ्यक्रम का लघुनाम Short Form of the Programme	एम.एस–सी.(मैथ) M.Sc.(Maths)
3	न्यूनतम अर्हता Minimum Qualification	B.Sc.(Maths)
4	न्यूनतम अवधि Minimum Duration	2 वर्ष 2 Years
5	अधिकतम अवधि Maximum Duration	5 वर्ष 5 Years
6	विश्वविद्यालय के उद्देश्य Objectives of the University	(1) Making provisions for imparting education from pre-primary to post doctoral level in different branches of study connected with rural development with particular emphasis on the integral development of personality. (2) Integrating all aspects of education and training with productive and creative activities horizontally across disciplines of science, technology, humanities and social sciences and vertically across all stages of education, primary to higher education. (3) Designing a variety of courses at different levels with a rural bias, particularly at tertiary level around emerging rural occupations and giving due recognistion and encouragement to field work oriented courses. (4) Facilitating prosecution of research particularly community based and diagnostic research. (5) Undertaking extension Work with a view to ensure flow of knowledge about new technologies to the villages and the needs of villages made known to science and technology institutions. (6) To exchange ideas and experience regarding new techniques and to act as medium between various agencies, organizations or individuals interested in rural development work. (7) Establishing, maintaining, consolidating and reorganizing institutes/colleges in rural areas and giving them composite character with rural bias that is combining programmes of rural development from the Primary and Secondary levels to Diploma and Degrees levels. (8) Developing selected colleges/Institutions as autonomous colleges/Institutions for strengthening Programmes of education related to the needs of rural development. (9)Creating, developing and strengthening training facilities for the teachers engaged in the task of education having rural bias. (10)Providing Consultancy for the preparation, monitoring and evaluation of micro-level plans. (11) Performing such other tasks as the university may from time to time determine, keeping in view the objects of the University.
7	कार्यक्रम के मिशन और उद्देश्य Mission and Objectives of the Programme	• शिक्षार्थी को उच्च शिक्षा के उच्चतर(परास्नातक) सोपान का अनुभव और अवसर प्रदान करना। • शिक्षार्थी को गणित विज्ञान के विविध आयामों एवं अन्य सुसंगत विषयों का उच्च स्तरीय ज्ञान प्रदान करना। • शिक्षार्थी में विवरण, विश्लेषण, तुलनात्मक, मापन और समीक्षा की प्रवृत्ति का विकास। गणित के विविध आयामों पर शोध को बल। • शिक्षार्थी में वैज्ञानिक सोच और तार्किक दृष्किोण का विकास करना। • शिक्षार्थी में सुसंगत संदर्भों, ई–संदर्भों, पुस्तकालय संसाधनों और पाठ्य सामग्री को संदर्भ ग्रंथों और अन्य स्रोतों से प्राप्त करने की समझ, क्षमता और योग्यता का विकास। • शिक्षार्थी का सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास। नवाचारों को प्रोत्साहन।

8	कार्यक्रम की प्रासांगिकता त्मसमअंदबम व िजीम च्तवहतंउउम	• ग्रामीण क्षेत्रों में मानव संसाधन विकास की दृष्टि से प्रासांगिक। • युवाओं में अवसरों के अनुकूल क्षमता निर्माण एवं संवर्धन में सहायक। • गणितीय दक्षता विकसित करने में प्रासांगिक। • नागरिक गुणों का विकास। वैज्ञानिक एवं तर्कपूर्ण सोच का विकास। अन्ध विश्वासों का निवारण। • प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए आवश्यक दक्षताएं विकसित करना। • राष्ट्रीय चरित्र का निर्माण।
9	लक्ष्य समूह का स्वरूप छंजनतम व िज्तहमज ।नकपंदबम	• ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षार्थी। • सेना में कार्यरत जवान। शालाओं में कार्यरत शिक्षक • आर्थिक संसाधनों की सीमाओं में नियमित पद्धति से अध्ययन न कर पाने वाले शिक्षार्थी। • वंचित वर्गों के शिक्षार्थी। • भौगोलिक कारणों से उच्च शिक्षा के आलोक से वंचित शिक्षार्थी। • प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे शिक्षार्थी।
10	दूरस्थ पद्धति से संचालन की उपयुक्तता ।चचतवचतपंजमदमे व िवमितपदह पद व्क्स् डवकम	• मूल रूप से गणित विज्ञान एवं अन्य सुसंगत विषयों का पठन–पाठन। अध्ययन सामग्री की उपलब्धता। विशेषज्ञ मानव संसाधनों की उपलब्धता। विशिष्ट मार्गदर्शन और संसाधनों में ही वांछित क्षमता का विकास संभव। प्रयोगशाला की अनिवार्यता नहीं।
11	निर्देशात्मक डिजाइन प्देजतनबजपवदंस क्मेपहद	• संचालक संकाय : विज्ञान एवं पर्यावरण संकाय • संचालक विभाग : भौतिक विज्ञान विभाग • संबंधित विषय विशेषज्ञ : गणित विज्ञान, सांख्यिकी एवं गणित विज्ञान के अन्य आयाम • आन्तरिक एवं वाहय अंक : 20रू80 • अध्ययन सामग्री का स्वरूप : मुद्रित एवं ई–बुक्स, शैक्षिक वीडियो • अन्य विवरण : पाठ्यक्रम संचालन के विस्तृत दिशा–निर्देश, दूरस्थ शिक्षा मार्गदर्शिका, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट में वर्णित हैं जिनमें समय–समय पर संबंधित अध्ययन मण्डल तथा विद्या परिषद द्वारा किये गये परिवर्तन परिमार्जन मान्य होंगे।
12	प्रवेश, संचालन एवं मूल्यांकन प्रकिया च्तवबमकनतम व िकउपेपवदए बनततपबनसनउ ंदक म्अंसनंजपवद	**प्रवेश संचालन एवं मूल्यांकन प्रकिया यूजीसी ओडीएल 2017 (संशोधनों सहित) के दिशा–निर्देशों के अनुरूप ।** • **प्रवेश** : मुद्रित इलैक्ट्रानिक एवं नवमीडिया में विज्ञापन। वांछित अर्हता के शिक्षार्थियों का ऑनलाइन माध्यम से आवेदन। मूल अभिलेखों के सत्यापन पश्चात् पंजीयन। • **अध्ययन सामग्री का वितरण** : पंजीकृत शिक्षार्थियों को पाठ्यक्रमवार, स्तरवार मुद्रित और ई–अध्ययन सामग्री का वितरण। क्षेत्रीय और शिक्षार्थी सहायता केन्द्रों के माध्यम से। • **सम्पर्क कक्षाएं :**क्षेत्रीय और शिक्षार्थी सहायता केन्द्रों पर सम्पर्क कक्षाओं का आयोजन। विशेषज्ञों द्वारा जिज्ञासा समाधान। प्रदत्त कार्य कार्य प्रदान किया जाना, प्राप्त किया जाना और उत्तरोत्तर बेहतरी के लिए विशेषज्ञ परामर्श, आवश्यकतानुसार प्रायोगिक कक्षाएं। • **परीक्षा और मूल्यांकन**: विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित केन्द्रों पर सैद्धान्तिक परीक्षाओं का आयोजन। समय–सारिणी के आधार पर प्रश्न–पत्रों का ऑनलाइन प्रेषण। निर्धारित क्षेत्रीय केन्द्रों पर मानक आधारों पर चयनित शिक्षकों द्वारा मूल्यांकन, प्रायोगिक परीक्षाएं सम्पन्न कराना, विश्वविद्यालय स्तर पर टेबुलेशन के बाद परीक्षाफल तैयार किया जाना। • **परीक्षाफल और अंकसूची** : परीक्षाफल तैयार कर अंकसूचियों का वितरण

13	प्रयोगशाला सुविधा और पुस्तकालय की आवश्यकता त्मुनपतमउमदज वि ंस्इवतंजवतल ंदक स्पइतंतल त्मेवनतबमे	प्रयोगशाला और पुस्तकालय संसाधन की आवश्यकता के संदर्भ में वैकल्पिक विषयों के अनुरूप प्रयोगशालाआवश्यक नहीं। पुस्तकालय हेतु प्रमुख रूप से पाठ्यपुस्तकें और आवश्यकतानुसार संदर्भ ग्रंथ भी आवश्यक होंगे। दृश्य–श्रव्य सामग्री, ई–बुक्स एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपलब्ध सामग्री भी उपयोगी होगी। ई–ज्ञान कोष और ई–पीजी पाठशाला के कन्टेन्ट भी उपयोगी होंगे।	
14	लागत का अनुमान और प्रावधान च्तवअपेपवदे ंदक म्जपउंजपवद वि ब्वेज	**लागत :** पाठ्यक्रम निर्माण के लिए आवश्यक परामर्शों में विशेषज्ञों की प्रतिभागिता पर खर्च, अध्ययन सामग्री लेखन, सम्पर्क कक्षाओं के व्याख्यानों, क्षेत्रीय और शिक्षार्थी सहायता केन्द्रों के संचालन व्यय परीक्षा एवं मूल्यांकन व्यय, प्रमाणन व्यय, वेबसाइट संचालन व्यय, ई–कन्टेन्ट के विकास पर व्यय, मुद्रण व्यय, दृश्य–श्रव्य सामग्री निर्माण व्यय, विशेषज्ञ सेवाओं के लिए आवश्यक व्यय, पाठ्यक्रम निर्मार्ण में लागत के रूप में लगेंगे। जिनकी प्राप्ति शुल्क राशि के रूप में की जायेगी जिसके मद निम्नानुसार होंगे – **आगत :** • ।चचसपबंजपवद च्तवबमे रू 500ध् • ब्वनतेम थ्मम रू 7000ध् • ैस्ड रू 1500ध् • ब्वदजंबज च्तवहतंउउम रू 1500ध् • म्मांउपदंजपवद रू 1200ध् • व्जीमत रू छपस	
15	गुणवत्ता आश्वासन तंत्र और अपेक्षित कार्यक्रम परिणाम फनंसपजल ेनतंदबम डमबींदपेउ ंदक म्गचमबजमक वनजबवउमे	• पाठ्यक्रम के निर्माण, विभिन्न मान्यतादायी शैक्षणिक–अकादमिक निकायों यथा अध्ययन मण्डल, विद्या परिषद, प्रबन्ध मण्डल के स्तर पर पाठ्यक्रम संचालन का अनुमोदन। • विशेषज्ञ विद्वानों का पाठ्यक्रम के निर्माण, अध्ययन सामग्री के विकास सम्पर्क कक्षाओं में सहभागिता, मूल्यांकन इत्यादि गतिविधियों में सतत् हस्ताक्षेप। • आन्तरिक गुणवत्ता (सीका) के माध्यम से सतत् समीक्षा और निगरानी। • पारदर्शिता और सहजता के लिए अधुनातन तकनीकी का उपयोग। • शिक्षार्थियों, अभिभावकों, प्रशासकों, शिक्षकों और संस्थाओं के प्रतिनिधियों का संवेदनशीलता से फीडबैक प्राप्त करना और समय–समय पर पाठ्यक्रमों के स्वरूप और संचालन प्रक्रिया में वांछित सुधार कर अपेक्षित गुणवत्ता और वांछित परिणामों की प्राप्ति।	
16	पाठ्यक्रम के प्रश्न–पत्र ैनइरमबज च्वमत वि जीम च्तवहतंउउम	**प्रथम–वर्ष**	**द्वितीय–वर्ष**
		।सहमइतं	त्मंस ंदक ब्वउचसमग ।दंसलेपे
		ज्वचवसवहल	क्पांमितमदजपंस ळमवउमजतल
		डंजीमउंजपबंस डमजीवके	।कअंदबम डमबींदपबे
		।कअंदबमक ैजंजपेजपबे	थ्सनपक डमबींदपबे

कार्यक्रम परियोजना रिपोर्ट (च्तवहतंउउम च्तवरमबज त्मचवतज)
वाणिज्य स्नातक ;ठंबीमसवत व ब्वउउमतबमद्ध

क्र.	शीर्षक ;ज्पजसमद्ध	विवरण ;क्मेबतपचजपवदद्ध
1	पाठ्यक्रम का नाम छंउम व जीम च्तवहतंउउम	वाणिज्य स्नातक ठंबीमसवत व ब्वउउमतबम
2	पाठ्यक्रम का लघुनाम ैीवतज थ्वतउ व जीम च्तवहतंउउम	बी.कॉम. ठण्ब्वउण
3	न्यूनतम अर्हता डपदपउनउ फनंसपपिबंजपवद	10़2
4	न्यूनतम अवधि डपदपउनउ क्नतंजपवद	3 वर्ष 3 ल्मंते
5	अधिकतम अवधि डंगपउनउ क्नतंजपवद	7 वर्ष 7 ल्मंते
6	विश्वविद्यालय के उद्देश्य व्इरमबजपअमे व जीम न्दपअमतेपजल	;1द्ध डांपदह चतवअपेपवदे वित पउचंतजपदह मकनबंजपवद तिवउ चतम.चतपउंतल जव चवेज कवबजवतंस समअमस पद कपअमतेपिमक इतंदबीमे व जिनकल बवददमबजमक ूपजी तनतंस कमअमसवचउमदज ूपजी चंतजपबनसंत मउचींपे वद जीम पदजमहतंस कमअमसवचउमदज व चमतेवदंसपजलण ;2द्ध प्दजमहतंजपदह सस ेचमबजे व मकनबंजपवद दक जतंपदपदह ूपजी चतवकनबजपअम दक बतमंजपअम बजपअपजपमे ीवतप्रवदजंससल बतवे कपेबपचसपदमे व बपमदबमए जमबीदवसवहलए ीनउंदपजपमे दक ेवबपंस ेबपमदबमे दक अमतजपबंससल बतवे सस ेजंहमे व मकनबंजपवदए चतपउंतल जव ीपहीमत मकनबंजपवदण ;3द्ध क्मेपहदपदह अंतपमजल व बवनतेमे ज कपअमतेपिमक समअमसे ूपजी तनतंस इपेंए चंतजपबनसंतसल ज जमतजपंतल समअमस तवनदक मउमतहपदह तनतंस वबबनचंजपवदे दक हपअपदह कनम तमबवहदपेजपवद दक मदबवनतंहमउमदज जव पिमसक ूवता वतपमदजमक बवनतेमेण ;4द्ध थ्बपसपजंजपदह चतवेमबनजपवद व तमेमंतबी चंतजपबनसंतसल बवउउनदपजल इंेमक दक कपंहदवेजपब तमेमंतबीण ;5द्ध न्दकमतजांपदह मगजमदेपवद ूवता ूपजी अपमू जव मदेनतम सिवू व ादवूसमकहम इवनज दमू जमबीदवसवहपमे जव जीम अपससंहमे दक जीम दममके व अपससंहमे उंकम ादवूद जव ेबपमदबम दक जमबीदवसवहल पदेजपजनजपवदेण ;6द्ध ज्व मगबींदहम पकमें दक मगचमतपमदबम तमहंतकपदह दमू जमबीदपुनमे दक जव बज उमकपनउ इमजूममद अंतपवने हमदबपमेए वतहंदप्रंजपवदे वत पदकपअपकनंसे पदजमतमेजमक पद तनतंस कमअमसवचउमदज ूवताण ;7द्ध म्जंइसपीपदहए उंपदजंपदपदहए बवदेवसपकंजपदह दक तमवतहंदप्रपदह पदेजपजनजमेध्बवससमहमे पद तनतंस तमें दक हपअपदह जीमउ बवउचवेपजम बीतंबजमत ूपजी तनतंस इपें जींज पे बवउइपदपदह चतवहतंउउमे व तनतंस कमअमसवचउमदज तिवउ जीम च्तपउंतल दक ैमबवदकंतल समअमसे जव क्पचसवउं दक क्महतममे समअमसेण ;8द्ध क्मअमसवचपदह ेमसमबजमक बवससमहमेध्प्देजपजनजपवदे नजवदवउवने बवससमहमेध्प्देजपजनजपवदे वित ेजतमदहजीमदपदह च्तवहतंउउमे व मकनबंजपवद तमसंजमक जव जीम दममके व तनतंस कमअमसवचउमदजण ;9द्धब्तमंजपदहए कमअमसवचपदह दक ेजतमदहजीमदपदह जतंपदपदह बिपसपजपमे वित जीम जमंबीमते मदहंहमक पद जीम जों व मकनबंजपवद ींअपदह तनतंस इपेंण ;10द्धच्तवअपकपदह ब्वदेनसजंदबल वित जीम चतमचंतंजपवदए उवदपजवतपदह दक मअंसनंजपवद व उपबतव.समअमस चसंदेण ;11द्ध च्मतवितउपदह ेनबी वजीमत जों जीम नदपअमतेपजल उंल तिवउ जपउम जव जपउम कमजमतउपदमए ामचपदह पद अपमू जीम वइरमबजे व जीम न्दपअमतेपजलण
7	कार्यक्रम के मिशन और उद्देश्य डपेपवद दक व्इरमबजपअमे व जीम च्तवहतंउउम	• शिक्षार्थी को उच्च शिक्षा के प्रथम सोपान का अनुभव और अवसर प्रदान करना। • शिक्षार्थी को अंकेक्षण, व्यापार वाणिज्य, अर्थशास्त्र, कराधान तथा अन्य सुसंगत विषयों का आधार स्तरीय ज्ञान प्रदान करना। • शिक्षार्थी में भाषा अनुवाद और सम्प्रेषण कलाओं का विकास करना। • शिक्षार्थी में विवरण, विश्लेषण, तुलनात्मक, मापन और समीक्षा की प्रवृत्ति का विकास। • शिक्षार्थी में वैज्ञानिक सोच और तार्किक दृष्किोण का विकास करना। • शिक्षार्थी में पर्यावरण, पारिस्थितकी तंत्र और कम्प्यूटर ज्ञान का विकास। • शिक्षार्थी में सुसंगत संदर्भों, ई–संदर्भों, पुस्तकालय संसाधनों और पाठ्य सामग्री को संदर्भ ग्रंथों और अन्य स्त्रोतों से प्राप्त करने की समझ, क्षमता और योग्यता का विकास। • शिक्षार्थी का सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास। नवाचारों को प्रोत्साहन।

8	कार्यक्रम की प्रासांगिकता त्मसमअंदबम व िजीम च्तवहतंउउम	● ग्रामीण क्षेत्रों में मानव संसाधन विकास की दृष्टि से प्रासांगिक। ● युवाओं में अवसरों के अनुकूल क्षमता निर्माण एवं संवर्धन में सहायक। ● शिक्षार्थी में अंकेक्षण, व्यापार वाणिज्य, अर्थशास्त्र, कराधान संबंधी नियमों और प्रचलित व्यवस्थाओं का सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक ज्ञान ● व्यावसायिक सम्प्रेषण दक्षता विकसित करने में प्रासांगिक। ● नागरिक गुणों का विकास। वैज्ञानिक एवं तर्कपूर्ण सोच का विकास। अन्ध विश्वासों का निवारण। ● प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए आवश्यक दक्षताएं विकसित करना। ● राष्ट्रीय चरित्र का निर्माण। नवाचारों को प्रोत्साहन।
9	लक्ष्य समूह का स्वरूप छंजनतम व िजंतहमज ।नकपंदबम	● ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षार्थी। ● सेना में कार्यरत जवान। ● आर्थिक संसाधनों की सीमाओं में नियमित पद्धति से अध्ययन न कर पाने वाले शिक्षार्थी। ● वंचित वर्गों के शिक्षार्थी। ● भौगोलिक कारणों से उच्च शिक्षा के आलोक से वंचित शिक्षार्थी। ● प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे शिक्षार्थी।
10	दूरस्थ पद्धति से संचालन की उपयुक्तता ।चचतवचतपंजमदमे व िवमितपदह पद व्क्स् डवकम	● मूल रूप से अंकेक्षण, व्यापार वाणिज्य, अर्थशास्त्र, कराधान विषयों का पठन–पाठन। अध्ययन सामग्री की सहजता से उपलब्धता। विशेषज्ञ मानव संसाधनों की उपलब्धता। सामान्य मार्गदर्शन और संसाधनों में ही वांछित क्षमता का विकास संभव।
11	निर्देशात्मक डिजाइन प्देजतनबजपवदंस क्मेपहद	● संचालक संकाय : ग्रामीण विकास एवं व्यवसाय प्रबन्धन संकाय ● संचालक विभाग : व्यवसाय प्रबन्धन विभाग ● संबंधित विषय विशेषज्ञ : अंकेक्षण, व्यापार वाणिज्य, अर्थशास्त्र, कराधान आदि ● अन्य विशेषज्ञ : हिन्दी भाषा, अंग्रेजी भाषा, कम्प्यूटर, पर्यावरण, उद्यमिता विकास, मूल्य एवं सामाजिक उत्तरदायित्व ● आन्तरिक एवं वाहय अंक : 20रू80 ● अध्ययन सामग्री का स्वरूप : मुद्रित एवं ई–बुक्स, शैक्षिक वीडियो ● अन्य विवरण : पाठ्यक्रम संचालन के विस्तृत दिशा–निर्देश, दूरस्थ शिक्षा मार्गदर्शिका, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट में वर्णित हैं जिनमें समय–समय पर संबंधित अध्ययन मण्डल तथा विद्या परिषद द्वारा किये गये परिवर्तन परिमार्जन मान्य होंगे।
12	प्रवेश, संचालन एवं मूल्यांकन प्रक्रिया च्तवबमकनतम व िकउपेपवदए बनततपबनसनउ ंदक म्अंसनंजपवद	**प्रवेश संचालन एवं मूल्यांकन प्रकिया यूजीसी ओडीएल 2017 (संशोधनों सहित) के दिशा–निर्देशों के अनुरूप ।** ● **प्रवेश** : मुद्रित इलैक्ट्रानिक एवं नवमीडिया में विज्ञापन। वांछित अर्हता के शिक्षार्थियों का ऑनलाइन माध्यम से आवेदन। मूल अभिलेखों के सत्यापन पश्चात् पंजीयन। ● **अध्ययन सामग्री का वितरण** : पंजीकृत शिक्षार्थियों को पाठ्यक्रमवार, स्तरवार मुद्रित और ई–अध्ययन सामग्री का वितरण। क्षेत्रीय और शिक्षार्थी सहायता केन्द्रों के माध्यम से। ● **सम्पर्क कक्षाएं :**क्षेत्रीय और शिक्षार्थी सहायता केन्द्रों पर सम्पर्क कक्षाओं का आयोजन। विशेषज्ञों द्वारा जिज्ञासा समाधान। प्रदत्त कार्य कार्य प्रदान किया जाना, प्राप्त किया जाना और उत्तरोत्तर बेहतरी के लिए विशेषज्ञ परामर्श, आवश्यकतानुसार प्रायोगिक कक्षाएं। ● **परीक्षा और मूल्यांकनः** विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित केन्द्रों पर सैद्धान्तिक परीक्षाओं का आयोजन। समय–सारिणी के आधार पर प्रश्न–पत्रों का ऑनलाइन प्रेषण। निर्धारित क्षेत्रीय केन्द्रों पर मानक आधारों पर चयनित शिक्षकों द्वारा मूल्यांकन, प्रायोगिक परीक्षाएं सम्पन्न कराना, विश्वविद्यालय स्तर पर टेबुलेशन के बाद परीक्षाफल तैयार किया जाना। ● **परीक्षाफल और अंकसूची** : परीक्षाफल तैयार कर अंकसूचियों का वितरण
13	प्रयोगशाला सुविधा और पुस्तकालय की आवश्यकता त्मुनपतमउमदज व िस्ंइवतंजवतल ंदक स्पइतंतल त्मेवनतबमे	प्रयोगशाला और पुस्तकालय संसाधन की आवश्यकता के संदर्भ में वैकल्पिक विषयों के अनुरूप आवश्यक होंगी। पुस्तकालय हेतु प्रमुख रूप से पाठ्यपुस्तकें और आवश्यकतानुसार संदर्भ ग्रंथ भी आवश्यक होंगे। दृश्य–श्रव्य सामग्री, ई–बुक्स एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपलब्ध सामग्री भी उपयोगी होगी। ई–ज्ञान कोष और ई–पीजी पाठशाला के कन्टेन्ट भी उपयोगी होंगे। आर्थिक और वित्तीय प्रणालियों के व्यावहारिक ज्ञान हेतु संबंधित संस्थाओं में एक्सपोजर विजिट, ट्रेनिंग, ओरिएन्टेशन प्रोग्राम एवं इन्टर्नशिप उपयोगी होगी।
14	लागत का अनुमान और प्रावधान	**लागत :**

<table>
<tr><td></td><td>च्तवअपेपवदे ंदक म्जपउंजपवद वि ब्वेज</td><td>पाठ्यक्रम निर्माण के लिए आवश्यक परामर्शों में विशेषज्ञों की प्रतिभागिता पर खर्च, अध्ययन सामग्री लेखन, सम्पर्क कक्षाओं के व्याख्यानों, क्षेत्रीय और शिक्षार्थी सहायता केन्द्रों के संचालन व्यय परीक्षा एवं मूल्यांकन व्यय, प्रमाणन व्यय, वेबसाइट संचालन व्यय, ई–कन्टेन्ट के विकास पर व्यय, मुद्रण व्यय, दृश्य–श्रव्य सामग्री निर्माण व्यय, विशेषज्ञ सेवाओं के लिए आवश्यक व्यय, पाठ्यक्रम निर्मार्ण में लागत के रूप में लगेंगे। जिनकी प्राप्ति शुल्क राशि के रूप में की जायेगी जिसके मद निम्नानुसार होंगे –
आगत :
• ।चचसपबंजपवद च्तवबमे रू 500६
• ब्वनतेम थ्मम रू 3000६
• ैस्ड रू 1000६
• ब्वदजंबज च्तवहतंउउम रू 1000६
• म्गंउपदंजपवद रू 1200६
• व्जीमत रू छपस</td></tr>
<tr><td>15</td><td>गुणवत्ता आश्वासन तंत्र और अपेक्षित कार्यक्रम परिणाम
फनंसपजल ।ेनतंदबम डमबींदपेउ ंदक म्गचमबजमक वनजबवउमे</td><td>• पाठ्यक्रम के निर्माण, विभिन्न मान्यतादायी शैक्षणिक–अकादमिक निकायों यथा अध्ययन मण्डल, विद्या परिषद, प्रबन्ध मण्डल के स्तर पर पाठ्यक्रम संचालन का अनुमोदन।
• विशेषज्ञ विद्वानों का पाठ्यक्रम के निर्माण, अध्ययन सामग्री के विकास सम्पर्क कक्षाओं में सहभागिता, मूल्यांकन इत्यादि गतिविधियों में सतत् हस्ताक्षेप।
• आन्तरिक गुणवत्ता (सीका) के माध्यम से सतत् समीक्षा और निगरानी।
• पारदर्शिता और सहजता के लिए अधुनातन तकनीकी का उपयोग।
• शिक्षार्थियों, अभिभावकों, प्रशासकों, शिक्षकों और संस्थाओं के प्रतिनिधियों का संवेदनशीलता से फीडबैक प्राप्त करना और समय–समय पर पाठ्यक्रमों के स्वरूप और संचालन प्रक्रिया में वांछित सुधार कर अपेक्षित गुणवत्ता और वांछित परिणामों की प्राप्ति।</td></tr>
<tr><td>16</td><td>पाठ्यक्रम के प्रश्न–पत्र
ैनइरमबज च्ंचमत वि जीम च्तवहतंउउम</td><td>
<table>
<tr><th>प्रथम–वर्ष</th><th>द्वितीय–वर्ष</th><th>तृतीय–वर्ष</th></tr>
<tr><td>हिन्दी भाषा</td><td>हिन्दी भाषा</td><td>हिन्दी भाषा</td></tr>
<tr><td>अंग्रेजी भाषा</td><td>अंग्रेजी भाषा</td><td>अंग्रेजी भाषा</td></tr>
<tr><td>उद्यमिता</td><td>पर्यावरण</td><td>ठेंपब वि ब्वउचनजमत – प्प</td></tr>
<tr><td>व्यावसायिक अर्थशास्त्र</td><td>डवदमल ंदक थ्पदंदबपंस ैलेजमउ</td><td>प्दबवउम जंग</td></tr>
<tr><td>व्यावसायिक पर्यावरण</td><td>ब्वउचंदल स्ूं</td><td>प्दकपतमबज जंग</td></tr>
<tr><td>वित्तीय लेखांकन</td><td>ब्वतचवतंजम ।बबवनदजपदह</td><td>डंदंहमउमदज ।बबवनदजपदह</td></tr>
<tr><td>व्यावसायिक गणित</td><td>ब्वेज ।बबवनदज</td><td>।नकपजपदह</td></tr>
<tr><td>व्यावसायिक संचार</td><td>च्तपदबपचसमे वि डंदंहमउमदज ंदक म्दजतमचतमदमनतीपच ६ विज्ञापन प्रबंध</td><td>थ्पदंदबपंस डंदंहमउमदजध् च्तपदबपचंसे वि डंतामजपदह</td></tr>
<tr><td>बिजनेस रेगुलेटरी फ्रेमवर्क</td><td>ठनेपदमे ैजंजपेजपबेध् विक्रय संवर्धन एवं विक्रय प्रबंध</td><td>थ्पदंदबपंस डंतामजपदह व्यमतंजपवदेध् प्दजमतदंजपवदंस डंतामजपदह</td></tr>
</table>
</td></tr>
</table>

कार्यक्रम परियोजना रिपोर्ट (च्तवहतंउउम च्तवरमबज त्मचवतज)
वाणिज्य परास्नातक ;डेंजमत व िब्वउउमतबमद्ध

क्र.	शीर्षक ;ज्पजसमद्ध	विवरण ;क्मेबतपचजपवदद्ध
1	पाठ्यक्रम का नाम छंउम व िजीम च्तवहतंउउम	वाणिज्य परास्नातक डेंजमत व िब्वउउमतबम
2	पाठ्यक्रम का लघुनाम ैवतज थ्वतउ व िजीम च्तवहतंउउम	एम.कॉम. डण्ब्वउण
3	न्यूनतम अर्हता डपदपउनउ फनंसपपिबंजपवद	ठण्ब्वउण
4	न्यूनतम अवधि डपदपउनउ क्नतंजपवद	2 वर्ष 2 ल्मंते
5	अधिकतम अवधि डंगपउनउ क्नतंजपवद	5 वर्ष 5 ल्मंते
6	विश्वविद्यालय के उद्देश्य व्इरमबजपअमे व िजीम न्दपअमतेपजल	;1द्ध डांपदह चतवअपेपवदे वित पउचंतजपदह मकनबंजपवद तिवउ चतम.चतपउंतल जव चवेज कवबजवतंस समअमस पद कपमितमदज इतंदबीमे व िजनकल बवददमबजमक ूपजी तनतंस कमअमसवचउमदज ूपजी चंतजपबनसंत मउचींपे वद जीम पदजमहतंस कमअमसवचउमदज व िचमतेवदंसपजलण ;2द्ध प्दजमहतंजपदह सस चमबजे व ि मकनबंजपवद दक जतंपदपदह ूपजी चतवकनबजपअम दक बतमंजपअम बजपअपजपमे ीवतप्रवदजंससल बतवे कपेबपचसपदमे व िबपमदबमए जमबीदवसवहलए ीनउंदपजपमे दक वबपंस बपमदबमे दक अमतजपबंससल बतवे सस जंहमे व ि मकनबंजपवदए चतपउंतल जव ीपहीमत मकनबंजपवदण ;3द्ध क्मेपहदपदह अंतपमजल व िबवनतेमे ज कपमितमदज समअमसे ूपजी तनतंस इपेंए चंतजपबनसंतसल ज जमतजपंतल समअमस तवनदक मउमतहपदह तनतंस वबबनचंजपवदे दक हपअपदह कनम तमबवहदपेजपवद दक मदबवनतंहमउमदज जव पिमसक ूवता वतपमदजमक बवनतेमेण ;4द्ध थ्बपसपजंजपदह चतवेमबनजपवद व ि तमेमंतबी चंतजपबनसंतसल बवउउनदपजल इेंमक दक कपंहदवेजपब तमेमंतबीण ;5द्ध न्दकमतजांपदह मगजमदेपवद वता ूपजी अपमू जव मदेनतम सिवू व ि ादवूसमकहम इवनज दमू जमबीदवसवहपमे जव जीम अपससंहमे दक जीम दममके व िअपससंहमे उंकम ादवूद जव बपमदबम दक जमबीदवसवहल पदेजपजनजपवदेण ;6द्ध ज्व मगबींदहम पकमें दक मगचमतपमदबम तमहंतकपदह दमू जमबीदपुनमे दक जव बज उमकपनउ इमजूममद अंतपवने हमदबपमेए वतहंदप्रंजपवदे वत पदकपअपकनंसे पदजमतमेजमक पद तनतंस कमअमसवचउमदज ूवताण ;7द्ध म्जंइसपीपदहए उंपदजंपदपदहए बवदेवसपकंजपदह दक तमवतहंदप्रपदह पदेजपजनजमेध्बवससमहमे पद तनतंस तमें दक हपअपदह जीमउ बवउचवेपजम बींतंबजमत ूपजी तनतंस इपें जींज पे बवउइपदपदह चतवहतंउउमे व ि तनतंस कमअमसवचउमदज तिवउ जीम च्तपउंतल दक ैमबवदकंतल समअमसे जव क्पचसवउं दक क्महतममे समअमसेण ;8द्ध क्मअमसवचपदह मसमबजमक बवससमहमेध्प्देजपजनजपवदे नजवदवउवने बवससमहमेध्प्देजपजनजपवदे वित जतमदहजीमदपदह च्तवहतंउउमे व ि मकनबंजपवद तमसंजमक जव जीम दममके व ि तनतंस कमअमसवचउमदजण ;9द्धब्तमंजपदहए कमअमसवचपदह दक जतमदहजीमदपदह जतंपदपदह बिपसपजपमे वित जीम जमंबीमते मदहंहमक पद जीम जेां व िमकनबंजपवद ीअपदह तनतंस इपेंण ;10द्धच्तवअपकपदह ब्वदेनसजंदबल वित जीम चतमचंतंजपवदए उवदपजवतपदह दक मअंसनंजपवद व िउपबतव.समअमस चसंदेण ;11द्ध च्मतवितउपदह नबी वजीमत जौ जीम नदपअमतेपजल उंल तिवउ जपउम जव जपउम कमजमतउपदमए ामचपदह पद अपमू जीम वइरमबजे व िजीम न्दपअमतेपजलण
7	कार्यक्रम के मिशन और उद्देश्य डपेपवद दक व्इरमबजपअमे व िजीम च्तवहतंउउम	• शिक्षार्थी को उच्च शिक्षा के उच्च सोपान (परास्नातक) का अनुभव और अवसर प्रदान करना। • शिक्षार्थी को अंकेक्षण, व्यापार वाणिज्य, अर्थशास्त्र, कराधान, आर्थिक व्यवहार, वित्तीय संस्थानों की संरचना और कार्यविधि तथा अन्य सुसंगत विषयों का उच्च स्तरीय ज्ञान प्रदान करना। • शिक्षार्थी में भाषा अनुवाद और सम्प्रेषण कलाओं का विकास करना। • शिक्षार्थी में आर्थिक एवं वित्तीय व्यवस्थाओं के विवरण, विश्लेषण, तुलनात्मक मापन और समीक्षा की प्रवृत्ति का विकास। • शिक्षार्थी में वैज्ञानिक सोच और तार्किक दृष्किोण का विकास करना। • शिक्षार्थी में सुसंगत संदर्भों, ई–संदर्भों, पुस्तकालय संसाधनों और पाठ्य सामग्री को संदर्भ ग्रंथों और अन्य स्रोतों से प्राप्त करने की समझ, क्षमता और योग्यता का विकास। • शिक्षार्थी का सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास। नवाचारों को प्रोत्साहन।

8	कार्यक्रम की प्रासांगिकता त्मसमअंदबम वि जीम च्तवहतंउउम	• ग्रामीण क्षेत्रों में मानव संसाधन विकास की दृष्टि से प्रासांगिक। • युवाओं में अवसरों के अनुकूल क्षमता निर्माण एवं संवर्धन में सहायक। • शिक्षार्थी में अंकेक्षण, व्यापार वाणिज्य, अर्थशास्त्र, कराधान संबंधी नियमों और प्रचलित व्यवस्थाओं का सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक ज्ञान • व्यावसायिक सम्प्रेषण दक्षता विकसित करने में प्रासांगिक। • नागरिक गुणों का विकास। वैज्ञानिक एवं तर्कपूर्ण सोच का विकास। अन्ध विश्वासों का निवारण। स्वयं का व्यापार प्रारम्भ करने की प्रवृत्ति का विकास। उद्यमिता वृत्ति का विकास। • प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए आवश्यक दक्षताएं विकसित करना। • राष्ट्रीय चरित्र का निर्माण। नवाचारों को प्रोत्साहन।
9	लक्ष्य समूह का स्वरूप छंजनतम वि ज्तहमज ।नकपंदबम	• ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षार्थी। • सेना में कार्यरत जवान। • आर्थिक संसाधनों की सीमाओं में नियमित पद्धति से अध्ययन न कर पाने वाले शिक्षार्थी। • वंचित वर्गों के शिक्षार्थी। • आर्थिक एवं वित्तीय संस्थानों एवं गतिविधियों में संलग्न व्यक्ति। • भौगोलिक कारणों से उच्च शिक्षा के आलोक से वंचित शिक्षार्थी। • प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे शिक्षार्थी।
10	दूरस्थ पद्धति से संचालन की उपयुक्तता ।चचतवचतपंजमदमे वि विमितपदह पद व्स् डवकम	• मूल रूप से अंकेक्षण, व्यापार वाणिज्य, अर्थशास्त्र, कराधान विषयों का पठन–पाठन। अध्ययन सामग्री की सहजता से उपलब्धता। विशेषज्ञ मानव संसाधनों की उपलब्धता। सामान्य मार्गदर्शन और संसाधनों में ही वांछित क्षमता का विकास संभव।
11	निर्देशात्मक डिजाइन प्देजतनबजपवदंस क्मेपहद	• संचालक संकाय : ग्रामीण विकास एवं व्यवसाय प्रबन्धन संकाय • संचालक विभाग : व्यवसाय प्रबन्धन विभाग • संबंधित विषय विशेषज्ञ : अंकेक्षण, व्यापार वाणिज्य, अर्थशास्त्र, कराधान आदि • अन्य विशेषज्ञ : ई–लेखा संधारण, टैली, उद्यमिता विकास, मूल्य एवं सामाजिक उत्तरदायित्व • आन्तरिक एवं वाहय अंक : 20रू80 • अध्ययन सामग्री का स्वरूप : मुद्रित एवं ई–बुक्स, शैक्षिक वीडियो • अन्य विवरण : पाठ्यक्रम संचालन के विस्तृत दिशा–निर्देश, दूरस्थ शिक्षा मार्गदर्शिका, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट में वर्णित हैं जिनमें समय–समय पर संबंधित अध्ययन मण्डल तथा विद्या परिषद द्वारा किये गये परिवर्तन परिमार्जन मान्य होंगे।
12	प्रवेश, संचालन एवं मूल्यांकन प्रक्रिया च्तवबमकनतम वि कउपेपवदए बनततपबनसनउ ंदक म्अंसनंजपवद	**प्रवेश संचालन एवं मूल्यांकन प्रक्रिया यूजीसी ओडीएल 2017 (संशोधनों सहित) के दिशा–निर्देशों के अनुरूप ।** • **प्रवेश** : मुद्रित इलैक्ट्रानिक एवं नवमीडिया में विज्ञापन। वांछित अर्हता के शिक्षार्थियों का ऑनलाइन माध्यम से आवेदन। मूल अभिलेखों के सत्यापन पश्चात् पंजीयन। • **अध्ययन सामग्री का वितरण** : पंजीकृत शिक्षार्थियों को पाठ्यक्रमवार, स्तरवार मुद्रित और ई–अध्ययन सामग्री का वितरण। क्षेत्रीय और शिक्षार्थी सहायता केन्द्रों के माध्यम से। • **सम्पर्क कक्षाएं :**क्षेत्रीय और शिक्षार्थी सहायता केन्द्रों पर सम्पर्क कक्षाओं का आयोजन। विशेषज्ञों द्वारा जिज्ञासा समाधान। प्रदत्त कार्य कार्य प्रदान किया जाना, प्राप्त किया जाना और उत्तरोत्तर बेहतरी के लिए विशेषज्ञ परामर्श, आवश्यकतानुसार प्रायोगिक कक्षाएं। • **परीक्षा और मूल्यांकनः** विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित केन्द्रों पर सैद्धान्तिक परीक्षाओं का आयोजन। समय–सारिणी के आधार पर प्रश्न–पत्रों का ऑनलाइन प्रेषण। निर्धारित क्षेत्रीय केन्द्रों पर मानक आधारों पर चयनित शिक्षकों द्वारा मूल्यांकन, प्रायोगिक परीक्षाएं सम्पन्न कराना, विश्वविद्यालय स्तर पर टेबुलेशन के बाद परीक्षाफल तैयार किया जाना। • **परीक्षाफल और अंकसूची** : परीक्षाफल तैयार कर अंकसूचियों का वितरण
13	प्रयोगशाला सुविधा और पुस्तकालय की आवश्यकता त्मुनपतमउमदज वि स्ंइवतंजवतल ंदक स्पइतंतल त्मेवनतबमे	प्रयोगशाला और पुस्तकालय संसाधन की आवश्यकता के संदर्भ में वैकल्पिक विषयों के अनुरूप आवश्यक होंगी। पुस्तकालय हेतु प्रमुख रूप से पाठ्यपुस्तकें और आवश्यकतानुसार संदर्भ ग्रंथ भी आवश्यक होंगे। दृश्य–श्रव्य सामग्री, ई–बुक्स एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपलब्ध सामग्री भी उपयोगी होगी। ई–ज्ञान कोष और ई–पीजी पाठशाला के कन्टेन्ट भी उपयोगी होंगे। आर्थिक और वित्तीय प्रणालियों के व्यावहारिक ज्ञान हेतु संबंधित संस्थाओं में एक्सपोजर विजिट, ट्रेनिंग, ओरिएन्टेशन प्रोग्राम एवं इन्टर्नशिप उपयोगी होगी।
14	लागत का अनुमान और प्रावधान च्तवअपेपवदे ंदक म्जपउंजपवद वि ब्बेज	**लागत :**

		पाठ्यक्रम निर्माण के लिए आवश्यक परामर्शों में विशेषज्ञों की प्रतिभागिता पर खर्च, अध्ययन सामग्री लेखन, सम्पर्क कक्षाओं के व्याख्यानों, क्षेत्रीय और शिक्षार्थी सहायता केन्द्रों के संचालन व्यय परीक्षा एवं मूल्यांकन व्यय, प्रमाणन व्यय, वेबसाइट संचालन व्यय, ई–कन्टेन्ट के विकास पर व्यय, मुद्रण व्यय, दृश्य–श्रव्य सामग्री निर्माण व्यय, विशेषज्ञ सेवाओं के लिए आवश्यक व्यय, पाठ्यक्रम निर्मार्ण में लागत के रूप में लगेंगे। जिनकी प्राप्ति शुल्क राशि के रूप में की जायेगी जिसके मद निम्नानुसार होंगे – **आगत :** • ।चचसपबंजपवद च्तवबमे रू 500ध् • ब्यनतेम थ्मम रू 7000ध् • ैस्ड रू 1500ध् • ब्वदजंबज च्तवहतंउउम रू 1500ध् • म्मांउपदंजपवद रू 1200ध् • व्जीमत रू छपस	
15	गुणवत्ता आश्वासन तंत्र और अपेक्षित कार्यक्रम परिणाम फनंसपजल ेनतंदबम डमबींदपेउ ंदक म्गचमबजमक वनजबवउमे	• पाठ्यक्रम के निर्माण, विभिन्न मान्यतादायी शैक्षणिक–अकादमिक निकायों यथा अध्ययन मण्डल, विद्या परिषद, प्रबन्ध मण्डल के स्तर पर पाठ्यक्रम संचालन का अनुमोदन। • विशेषज्ञ विद्वानों का पाठ्यक्रम के निर्माण, अध्ययन सामग्री के विकास सम्पर्क कक्षाओं में सहभागिता, मूल्यांकन इत्यादि गतिविधियों में सतत् हस्ताक्षेप। • आन्तरिक गुणवत्ता (सीका) के माध्यम से सतत् समीक्षा और निगरानी। • पारदर्शिता और सहजता के लिए अधुनातन तकनीकी का उपयोग। • शिक्षार्थियों, अभिभावकों, प्रशासकों, शिक्षकों और संस्थाओं के प्रतिनिधियों का संवेदनशीलता से फीडबैक प्राप्त करना और समय–समय पर पाठ्यक्रमों के स्वरूप और संचालन प्रक्रिया में वांछित सुधार कर अपेक्षित गुणवत्ता और वांछित परिणामों की प्राप्ति।	
16	पाठ्यक्रम के प्रश्न–पत्र ैनइरमबज च्वमत वि जीम च्तवहतंउउम	**प्रथम–वर्ष**	**द्वितीय–वर्ष**
		डंदंहमतपंस म्बवदवउपबे	ठनेपदमे म्दअपतवदउमदज
		डंदंहमउमदज ब्वदबमचज – व्तहण् ठमींअपवत	ब्वतचवतंजम ज्ंग च्संददपदह – डहजण्
		डंतामजपदह डंदंहमउमदज	ैजतंजमहपब डहजण्
		प्दजमतदंजपवदंस डंतामजपदह	च्तवरमबज च्संददपदह – ब्वदजतवससपदह

कार्यक्रम परियोजना रिपोर्ट (च्तवहतंउउम च्तवरमबज त्मचवतज)
समाज कार्य स्नातक ;ठंबीमसवत वf ैवबपंस ॅवताद्ध

क्र.	शीर्षक ;ज्पजसमद्ध	विवरण ;क्मेबतपचजपवदद्ध
1	पाठ्यक्रम का नाम छंउम वf जीम च्तवहतंउउम	समाज कार्य स्नातक ठंबीमसवत वf ैवबपंस ॅवता
2	पाठ्यक्रम का लघुनाम ैीवतज थ्वतउ वf जीम च्तवहतंउउम	बी.एस.डब्ल्यू. ठण्ैण्ॅण्
3	न्यूनतम अर्हता डपदपउनउ फनंसपपिबंजपवद	10़2
4	न्यूनतम अवधि डपदपउनउ क्नतंजपवद	3 वर्ष 3 ल्मंते
5	अधिकतम अवधि डंगपउनउ क्नतंजपवद	7 वर्ष 7 ल्मंते
6	विश्वविद्यालय के उद्देश्य व्इरमबजपअमे वf जीम न्दपअमतेपजल	;1द्ध डांपदह चतवअपेपवदे वित पउचंतजपदह मकनबंजपवद तिवउ चतम.चतपउंतल जव चवेज कवबजवतंस समअमस पद कपfमितमदज इतंदबीमे वf जिनकल बवददमबजमक ूपजी तनतंस कमअमसवचउमदज ूपजी चंतजपबनसंत मउचींेपे वद जीम पदजमहतंस कमअमसवचउमदज वf चमतेवदंसपजलण ;2द्ध प्दजमहतंजपदह ेसस ेचमबजे वf मकनबंजपवद ंदक जतंपदपदह ूपजी चतवकनबजपअम ंदक बतमंजपअम ंबजपअपजपमे ीवतप्रवदजंससल ंतवे कपेबपचसपदमे वf ेबपमदबमए जमबीदवसवहलए ीनउंदपजपमे ंदक ेवबपंस ेबपमदबमे ंदक अमतजपबंससल ंतवे ेसस ेजंहमे वf मकनबंजपवदए चतपउंतल जव ीपहीमत मकनबंजपवदण ;3द्ध क्मेपहदपदह अंतपमजल वf बवनतेमे ंज कपfमितमदज समअमसे ूपजी ं तनतंस इपेंए चंतजपबनसंतसल ंज जमतजपंतल समअमस ेतवनदक मउमतहपदह तनतंस वबबनचंजपवदे ंदक हपअपदह कनम तमबवहदपेजपवद ंदक मदबवनतंहमउमदज जव पिमसक ूवता वतपमदजमक बवनतेमेण ;4द्ध थ्समगपइपसपजल पद चतवेमबनजपवद वf तमेमंतबी चंतजपबनसंतसल बवउउनदपजल इंेमक ंदक कपेंहदवेजपब तमेमंतबीण ;5द्ध न्दकमतजांपदह मगजमदेपवद ॅवता ूपजी ं अपमू जव मदेनतम सिवू वf ादवूसमकहम ंइवनज दमू जमबीदवसवहपमे जव जीम अपससंहमे ंदक जीम दममके वf अपससंहमे ंकम ादवूद जव ेबपमदबम ंदक जमबीदवसवहल पदेजपजनजपवदेण ;6द्ध ज्व मगबींदहम पकमें ंदक मगचमतपमदबम तमहंतकपदह दमू जमबीदपुनमे ंदक जव ंबज ें उमकपनउ इमजूममद अंतपवने ंहमदबपमेए वतहंदप्रंजपवदे वत पदकपअपकनंसे पदजमतमेजमक पद तनतंस कमअमसवचउमदज ूवताण ;7द्ध ैजंइसपेीपदहए उंपदजंपदपदहए बवदेवसपकंजपदह ंदक तमवतहंदप्रपदह पदेजपजनजपवदेध्बवससमहमे पद तनतंस ंतमें ंदक हपअपदह जीमउ बवउचवेपजम बींतंबजमत ूपजी तनतंस इपें जींज पे बवउइपदपदह चतवहतंउउमे वf तनतंस कमअमसवचउमदज तिवउ जीम च्तपउंतल ंदक ैमबवदकंतल समअमसे जव क्पचसवउं ंदक क्महतममे समअमसेण ;8द्ध क्मअमसवचपदह ेमसमबजमक बवससमहमेध्पदेजपजनजपवदे ें ेनजवदवउवने बवससमहमेध्पदेजपजनजपवदे वित ेजतमदहजीमदपदह च्तवहतंउउमे वf मकनबंजपवद तमसंजमक जव जीम दममके वf तनतंस कमअमसवचउमदजण ;9द्धब्तमंजपदहए कमअमसवचपदह ंदक ेजतमदहजीमदपदह जतंपदपदह बिपसपजपमे वित जीम जमंबीमते मदहंहमक पद जीम जेंा वf मकनबंजपवद ींअपदह तनतंस इपेंण ;10द्धच्तवअपकपदह ब्वदेनसजंदबल वित जीम चतमचंतंजपवदए उवदपजवतपदह ंदक मअंसनंजपवद वf उपबतव.समअमस चसंदेण ;11द्ध च्मतवितउपदह ेनबी वजीमत जौ ें जीम नदपअमतेपजल उंल तिवउ जपउम जव जपउम कमजमतउपदमए ाममचपदह पद अपमू जीम वइरमबजे वf जीम न्दपअमतेपजलण
7	कार्यक्रम के मिशन और उद्देश्य डपेेपवद ंदक व्इरमबजपअमे वf जीम च्तवहतंउउम	• शिक्षार्थी को उच्च शिक्षा के प्रथम सोपान का अनुभव और अवसर प्रदान करना। • शिक्षार्थी को समाज कार्य के विभिन्न आयामों एवं अन्य सुसंगत विषयों का आधार स्तरीय ज्ञान प्रदान करना। • शिक्षार्थी में सतत् विकास सूचकांकों के प्रति जानकारी एवं संवेदनशीलता का सृजन। • शिक्षार्थी में विवरण, विश्लेषण, तुलनात्मक मापन और समीक्षा की प्रवृत्ति का विकास। सामुदायिक भावना से सतत् विकास को प्रोत्साहन • विश्वविद्यालय की मूल अवधारणा के अनुरूप। • शिक्षार्थी में ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं के प्रति जागरूकता पैदा करना और उनके हल के लिए उपलब्ध विकल्पों के तर्कपूर्ण उपयोग को प्रोस्ताहन। स्थानीय नेतृत्व विकसित करना। • शिक्षार्थी में सुसंगत संदर्भों, ई–संदर्भों, पुस्तकालय संसाधनों और पाठ्य सामग्री को संदर्भ ग्रंथों और अन्य स्रोतों से प्राप्त करने की समझ, क्षमता और योग्यता का विकास। • शिक्षार्थी का सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास।
8	कार्यक्रम की प्रासांगिकता त्मसमअंदबम वf जीम च्तवहतंउउम	• ग्रामीण क्षेत्रों में मानव संसाधन विकास की दृष्टि से प्रासांगिक। • युवाओं में अवसरों के अनुकूल क्षमता निर्माण एवं संवर्धन में सहायक। स्थानीय स्तर पर नेतृत्व विकास में सहायक। • ग्रामीण समस्याओं के समाधान हेतु उपयोगी। • सतत् विकास लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु प्रयास।

		• प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए आवश्यक दक्षताएं विकसित करना। • विकास कार्यों के लिए शासकीय एवं गैर शासकीय व्यक्तियों में क्षमता निर्माण/संवर्धन।
9	लक्ष्य समूह का स्वरूप छंजनतम व ि्जंतहमज ।नकपंदबम	• ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षार्थी। • सेना में कार्यरत जवान। ग्रामीण विकास अभिकरणों में कार्यरत अधिकारी और कर्मचारी। स्वैच्छिक संगठनों से जुड़े व्यक्ति। • आर्थिक संसाधनों की सीमाओं में नियमित पद्धति से अध्ययन न कर पाने वाले शिक्षार्थी। • वंचित वर्गों के शिक्षार्थी। • भौगोलिक कारणों से उच्च शिक्षा के आलोक से वंचित शिक्षार्थी। • प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे शिक्षार्थी।
10	दूरस्थ पद्धति से संचालन की उपयुक्तता ।चचतवचतपंजमदमे व ि्वितमतपदह पद व्क्स् डवकम	• मूल रूप से समाज कार्य एवं अन्य सुसंगत विषयों का पठन–पाठन। अतः समाज ही सबसे महत्वपूर्ण प्रयोगशाला। अध्ययन सामग्री की सहजता से उपलब्धता। विशेषज्ञ मानव संसाधनों की उपलब्धता। सामान्य मार्गदर्शन और संसाधनों में ही वांछित क्षमता का विकास संभव। ग्राम ही प्रयोगशाला।
11	निर्देशात्मक डिजाइन प्देजतनबजपवदंस क्मेपहद	• संचालक संकाय : कला संकाय • संचालक विभाग : मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग • संबंधित विषय विशेषज्ञ : ग्रामीण विकास, पर्यावरण, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, पंचायतीराज, राजनीति विज्ञान, मानवशास्त्र, परियोजना निर्माण एवं संचालन, स्वैच्छिक संगठनों का गठन एवं प्रबन्धन, विकास की अवधारणा एवं आयाम, मानवाधिकार। • अन्य विशेषज्ञ : कम्प्यूटर, सूक्ष्म वित्त, ग्रामीण विकास हेतु उपयुक्त प्रौद्योगिकी। • आन्तरिक एवं वाहय अंक : 20रू80 • अध्ययन सामग्री का स्वरूप : मुद्रित एवं ई–बुक्स, शैक्षिक वीडियो • अन्य विवरण : पाठ्यक्रम संचालन के विस्तृत दिशा–निर्देश, दूरस्थ शिक्षा मार्गदर्शिका, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट में वर्णित हैं जिनमें समय–समय पर संबंधित अध्ययन मण्डल तथा विद्या परिषद द्वारा किये गये परिवर्तन परिमार्जन मान्य होंगे।
12	प्रवेश, संचालन एवं मूल्यांकन प्रक्रिया च्तवबमकनतम व ि।कउपेपवदए बनततपबनसनउ ंदक म्अंसनंजपवद	**प्रवेश संचालन एवं मूल्यांकन प्रकिया यूजीसी ओडीएल 2017 (संशोधनों सहित) के दिशा–निर्देशों के अनुरूप ।** • **प्रवेश** : मुद्रित इलैक्ट्रानिक एवं नवमीडिया में विज्ञापन। वांछित अर्हता के शिक्षार्थियों का ऑनलाइन माध्यम से आवेदन। मूल अभिलेखों के सत्यापन पश्चात् पंजीयन। • **अध्ययन सामग्री का वितरण** : पंजीकृत शिक्षार्थियों को पाठ्यक्रमवार, स्तरवार मुद्रित और ई–अध्ययन सामग्री का वितरण। क्षेत्रीय और शिक्षार्थी सहायता केन्द्रों के माध्यम से। • **सम्पर्क कक्षाएं :**क्षेत्रीय और शिक्षार्थी सहायता केन्द्रों पर सम्पर्क कक्षाओं का आयोजन। विशेषज्ञों द्वारा जिज्ञासा समाधान। प्रदत्त कार्य कार्य प्रदान किया जाना, प्राप्त किया जाना और उत्तरोत्तर बेहतरी के लिए विशेषज्ञ परामर्श, आवश्यकतानुसार प्रायोगिक कक्षाएं। • **परीक्षा और मूल्यांकनः** विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित केन्द्रों पर सैद्धान्तिक परीक्षाओं का आयोजन। समय–सारिणी के आधार पर प्रश्न–पत्रों का ऑनलाइन प्रेषण। निर्धारित क्षेत्रीय केन्द्रों पर मानक आधारों पर चयनित शिक्षकों द्वारा मूल्यांकन, प्रायोगिक परीक्षाएं सम्पन्न कराना, विश्वविद्यालय स्तर पर टेबुलेशन के बाद परीक्षाफल तैयार किया जाना। • **परीक्षाफल और अंकसूची** : परीक्षाफल तैयार कर अंकसूचियों का वितरण
13	प्रयोगशाला सुविधा और पुस्तकालय की आवश्यकता त्मुनपतमउमदज व ि्संइवतंजवतल ंदक स्पइतंतल त्मेवनतबमे	प्रयोगशाला और पुस्तकालय संसाधन की आवश्यकता के संदर्भ में वैकल्पिक विषयों के अनुरूप सामाजिक विज्ञान प्रयोगशाला आवश्यक होंगी। पुस्तकालय हेतु प्रमुख रूप से पाठ्यपुस्तकें और आवश्यकतानुसार संदर्भ ग्रंथ भी आवश्यक होंगे। दृश्य–श्रव्य सामग्री, ई–बुक्स एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपलब्ध सामग्री भी उपयोगी होगी। ई–ज्ञान कोष और ई–पीजी पाठशाला के कन्टेन्ट भी उपयोगी होंगे।
14	लागत का अनुमान और प्रावधान च्तवअपेपवदे ंदक म्जपउंजपवद व ि्ब्वेज	**लागत :** पाठ्यक्रम निर्माण के लिए आवश्यक परामर्शों में विशेषज्ञों की प्रतिभागिता पर खर्च, अध्ययन सामग्री लेखन, सम्पर्क कक्षाओं के व्याख्यानों, क्षेत्रीय और शिक्षार्थी सहायता केन्द्रों के संचालन व्यय परीक्षा एवं मूल्यांकन व्यय, प्रमाणन व्यय, वेबसाइट संचालन व्यय, ई–कन्टेन्ट के विकास पर व्यय, मुद्रण व्यय, दृश्य–श्रव्य सामग्री निर्माण व्यय, विशेषज्ञ सेवाओं के लिए आवश्यक व्यय, पाठ्यक्रम निर्मार्ण में लागत के रूप में लगेंगे। जिनकी प्राप्ति शुल्क राशि के रूप में की जायेगी

<table>
<tr><td></td><td></td><td colspan="3">जिसके मद निम्नानुसार होंगे –
आगत :
• ।चचसपबंजपवद च्तवबमे रू 500६
• ब्वनतेम थ्मम रू 5000६
• ैस्ड रू 1250६
• ब्वदजंबज च्तवहतंउउम रू 1250६
• म्गंउपदंजपवद रू 1200६
• व्जीमत रू छपस</td></tr>
<tr><td>15</td><td>गुणवत्ता आश्वासन तंत्र और अपेक्षित कार्यक्रम परिणाम
फनंसपजल ेनतंदबम डमबींदपेउ ंदक म्गचमबजमक वनजबवउमे</td><td colspan="3">• पाठ्यक्रम के निर्माण, विभिन्न मान्यतादायी शैक्षणिक–अकादमिक निकायों यथा अध्ययन मण्डल, विद्या परिषद, प्रबन्ध मण्डल के स्तर पर पाठ्यक्रम संचालन का अनुमोदन।
• विशेषज्ञ विद्वानों का पाठ्यक्रम के निर्माण, अध्ययन सामग्री के विकास सम्पर्क कक्षाओं में सहभागिता, मूल्यांकन इत्यादि गतिविधियों में सतत् हस्ताक्षेप।
• आन्तरिक गुणवत्ता (सीका) के माध्यम से सतत् समीक्षा और निगरानी।
• पारदर्शिता और सहजता के लिए अधुनातन तकनीकी का उपयोग।
• शिक्षार्थियों, अभिभावकों, प्रशासकों, शिक्षकों और संस्थाओं के प्रतिनिधियों का संवेदनशीलता से फीडबैक प्राप्त करना और समय–समय पर पाठ्यक्रमों के स्वरूप और संचालन प्रक्रिया में वांछित सुधार कर अपेक्षित गुणवत्ता और वांछित परिणामों की प्राप्ति।</td></tr>
<tr><td rowspan="7">16</td><td rowspan="7">पाठ्यक्रम के प्रश्न–पत्र
ैनइरमबज च्ंचमत व िजीम च्तवहतंउउम</td><td>प्रथम–वर्ष</td><td>द्वितीय–वर्ष</td><td>तृतीय–वर्ष</td></tr>
<tr><td>समाज कार्य का परिचय</td><td>समाज कार्य का इतिहास एवं पद्धतियां</td><td>समाजकार्य की सहायक पद्धतियाँ एवं मनोवैज्ञानिक अवधारणाएँ</td></tr>
<tr><td>विकास की समस्यायें एवं मुद्दे</td><td>सामुदायिक संगठन एवं गतिशीलता</td><td>स्वयंसेवी संगठनों का गठन और प्रबंधन</td></tr>
<tr><td>नेतृत्व विकास</td><td>पंचायतीराज एवं ग्रामीण विकास</td><td>सूक्ष्म वित्त एवं उद्यमिता विकास</td></tr>
<tr><td>विकास और संचार के लिए जीवन कौशल शिक्षा</td><td>महिला विकास एवं सशक्तीकरण</td><td>ग्रामीण प्रौद्योगिकी</td></tr>
<tr><td>पोषण एवं स्वास्थ्य देखभाल</td><td>विधिक साक्षरता</td><td>लेखांकन के मूलतत्व</td></tr>
<tr><td>बाल विकास सुरक्षा एवं शिक्षा</td><td>कम्प्यूटर कौशल</td><td>पर्यावरण शिक्षा</td></tr>
</table>

कार्यक्रम परियोजना रिपोर्ट (Programme Project Report)
समाजकार्य परास्नातक (Master of Social Work)

क्र.	शीर्षक ;ज्पजसमद्ध	विवरण (Discription)
1	पाठ्यक्रम का नाम छंउम व जीम च्तवहतंउउम	समाज कार्य परास्नातक डेंजमत व विबपंस ॅवता
2	पाठ्यक्रम का लघुनाम ैवतज थ्वतउ व जीम च्तवहतंउउम	एम.एस.डब्ल्यू. डण्ैण्ॅण्
3	न्यूनतम अर्हता डपदपउनउ फनंसपपिबंजपवद	ळतंकनंजपवद
4	न्यूनतम अवधि डपदपउनउ क्नतंजपवद	2 वर्ष 2 ल्मंते
5	अधिकतम अवधि डंगपउनउ क्नतंजपवद	5 वर्ष 5 ल्मंते
6	विश्वविद्यालय के उद्देश्य व्इरमबजपअमे व जीम न्दपअमतेपजल	;1द्ध डांपदह चतवअपेपवदे वित पउचंतजपदह मकनबंजपवद तिवउ चतम.चतपउंतल जव चवेज कवबजवतंस समअमस पद कपमिितमदज इतंदबीमे व जिनकल बवददमबजमक ूपजी तनतंस कमअमसवचउमदज ूपजी चंतजपबनसंत मउचींपे वद जीम पदजमहतंस कमअमसवचउमदज व चमतेवदंसपजलण ;2द्ध प्दजमहतंजपदह ेसस ेचमबजे व मकनबंजपवद ंदक जतंपदपदह ूपजी चतवकनबजपअम ंदक बतमंजपअम ंबजपअपजपमे ;वतप्रवदजंससल ंबतवे कपेबपचसपदमे वि ेबपमदबमए जमबीदवसवहलए ीनउंदपजपमे ंदक ेवबपंस ेबपमदबमे ंदक अमतजपबंससल ंबतवे ंसस ेजंहमे व मकनबंजपवदए चतपउंतल जव ीपहीमत मकनबंजपवदण ;3द्ध क्मेपहदपदह अंतपमजल व बिवनतेमे ंज कपमिितमदज समअमसे ूपजी तनतंस इपेंए चंतजपबनसंतसल ंज जमतजपंतल समअमस तवनदक मउमतहपदह तनतंस वबबनचंजपवदे ंदक हपअपदह कनम तमबवहदपेजपवद ंदक मदबवनतंहमउमदज जव पिमसक ूवता वतपमदजमक बवनतेमेण ;4द्ध थ्बपसपजंजपदह चतवेमबनजपवद व तमेमंतबी चंतजपबनसंतसल बवउउनदपजल इेंमक ंदक कपंहदवेजपब तमेमंतबीण ;5द्ध न्दकमतजांपदह मगजमदेपवद ॅवता ूपजी अपमू जव मदेनतम सिवू व ादवूसमकहम ंइवनज दमू जमबीदवसवहपमे जव जीम अपससंहमे ंदक जीम दममके व अपससंहमे उंकम ादवूद जव ेबपमदबम ंदक जमबीदवसवहल पदेजपजनजपवदेण ;6द्ध ज्व मगबींदहम पकमें ंदक मगचमतपमदबम तमहंतकपदह दमू जमबीदपुनमे ंदक जव ंबज उमकपनउ इमजूममद अंतपवने ंहमदबपमेए वतहंदप्रंजपवदे वत पदकपअपकनंसे पदजमतमेजमक पद तनतंस कमअमसवचउमदज ूवताण ;7द्ध म्जंइसपेीपदहए उंपदजंपदपदहए बवदेवसपकंजपदह ंदक तमवतहंदप्रपदह पदेजपजनजमेध्बवससमहमे पद तनतंस तमें ंदक हपअपदह जीमउ बवउचवेपजम बींतंबजमत ूपजी तनतंस इपें जींज पे बवउइपदपदह चतवहतंउउमे व तनतंस कमअमसवचउमदज तिवउ जीम च्तपउंतल ंदक ैमबवदकंतल समअमसे जव क्पचसवउं ंदक क्महतममे समअमसेण ;8द्ध क्मअमसवचपदह ेमसमबजमक बवससमहमेध्प्देजपजनजपवदे ंनजवदवउवने बवससमहमेध्प्देजपजनजपवदे वित ेजतमदहजीमदपदह च्तवहतंउउमे व मकनबंजपवद तमसंजमक जव जीम दममके व तनतंस कमअमसवचउमदजण ;9द्धब्तमंजपदहए कमअमसवचपदह ंदक ेजतमदहजीमदपदह जतंपदपदह बिपसपजपमे वित जीम जमंबीमते मदहंहमक पद जीम जों व मकनबंजपवद ीिंअपदह तनतंस इपेंण ;10द्धच्तवअपकपदह ब्वदेनसजंदबल वित जीम चतमचंतंजपवदए उवदपजवतपदह ंदक मअंसनंजपवद व उपबतव.समअमस चसंदेण ;11द्ध च्मतवितउपदह ेनबी वजीमत जौ ेंजीम नदपअमतेपजल उंल तिवउ जपउम जव जपउम कमजमतउपदमए ाममचपदह पद अपमू जीम वइरमबजे व जीम न्दपअमतेपजलण
7	कार्यक्रम के मिशन और उद्देश्य डपेपवद ंदक व्इरमबजपअमे व जीम च्तवहतंउउम	• शिक्षार्थी को उच्च शिक्षा के उच्चतर सोपान (परास्नातक) का अनुभव और अवसर प्रदान करना। • शिक्षार्थी को समाज कार्य के विभिन्न आयामों एवं अन्य सुसंगत विषयों का उच्चस्तरीय ज्ञान प्रदान करना। • शिक्षार्थी में सतत् विकास सूचकांकों के प्रति संवेदनशीलता का सृजन। • शिक्षार्थी में विवरण, विश्लेषण, तुलनात्मक, मापन और समीक्षा की प्रवृत्ति का विकास। • विश्वविद्यालय की मूल अवधारणा के अनुरूप। • शिक्षार्थी में ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं के प्रति जागरूकता पैदा करना और उनके हल के लिए उपलब्ध विकल्पों के तर्कपूर्ण उपयोग को प्रोस्ताहन। • शिक्षार्थी में सुसंगत संदर्भों, ई–संदर्भों, पुस्तकालय संसाधनों और पाठ्य सामग्री को संदर्भ ग्रंथों और अन्य स्रोतों से प्राप्त करने की समझ, क्षमता और योग्यता का विकास। • शिक्षार्थी का सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास।

8	कार्यक्रम की प्रासांगिकता त्मसमअंदबम व िजीम च्तवहतंउउम	• ग्रामीण क्षेत्रों में मानव संसाधन विकास की दृष्टि से प्रासांगिक। • युवाओं में अवसरों के अनुकूल क्षमता निर्माण एवं संवर्धन में सहायक। स्थानीय स्तर पर नेतृत्व विकास में सहायक। • ग्रामीण समस्याओं के समाधान हेतु उपयोगी। • सतत् विकास लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु प्रयास। • प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए आवश्यक दक्षताएं विकसित करना। • विकास कार्यों के लिए शासकीय एवं गैर शासकीय व्यक्तियों में क्षमता निर्माण/संवर्धन।
9	लक्ष्य समूह का स्वरूप छंजनतम व िज्तहमज ।नकपंदबम	• ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षार्थी। • सेना में कार्यरत जवान। ग्रामीण विकास अभिकरणों में कार्यरत अधिकारी और कर्मचारी। स्वैच्छिक संगठनों से जुड़े व्यक्ति। • आर्थिक संसाधनों की सीमाओं में नियमित पद्धति से अध्ययन न कर पाने वाले शिक्षार्थी। • वंचित वर्गों के शिक्षार्थी। • भौगोलिक कारणों से उच्च शिक्षा के आलोक से वंचित शिक्षार्थी। • प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे शिक्षार्थी।
10	दूरस्थ पद्धति से संचालन की उपयुक्तता ।चचतवचतपंजमदमे व िवमितपदह पद व्क्स डवकम	• मूल रूप से समाज कार्य एवं अन्य सुसंगत विषयों का पठन–पाठन। अतः समाज ही सबसे महत्वपूर्ण प्रयोगशाला। अध्ययन सामग्री की सहजता से उपलब्धता। विशेषज्ञ मानव संसाधनों की उपलब्धता। सामान्य मार्गदर्शन और संसाधनों में ही वांछित क्षमता का विकास संभव। ग्राम ही प्रयोगशाला।
11	निर्देशात्मक डिजाइन प्देजतनबजपवदंस क्मेपहद	• संचालक संकाय : कला संकाय • संचालक विभाग : मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग • संबंधित विषय विशेषज्ञ : ग्रामीण विकास, पर्यावरण, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, पंचायतीराज, राजनीति विज्ञान, मानवशास्त्र, परियोजना निर्माण एवं संचालन, स्वैच्छिक संगठनों का गठन एवं प्रबन्धन, विकास की अवधारणा एवं आयाम, मानवाधिकार। • अन्य विशेषज्ञ : कम्प्यूटर, सूक्ष्म वित्त, ग्रामीण विकास हेतु उपयुक्त प्रौद्योगिकी। • आन्तरिक एवं वाहय अंक : 20रू80 • अध्ययन सामग्री का स्वरूप : मुद्रित एवं ई–बुक्स, शैक्षिक वीडियो • अन्य विवरण : पाठ्यक्रम संचालन के विस्तृत दिशा–निर्देश, दूरस्थ शिक्षा मार्गदर्शिका, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट में वर्णित हैं जिनमें समय–समय पर संबंधित अध्ययन मण्डल तथा विद्या परिषद द्वारा किये गये परिवर्तन परिमार्जन मान्य होंगे।
12	प्रवेश, संचालन एवं मूल्यांकन प्रकिया च्तवबमकनतम व िकउपेपवदए बनततपबनसनउ ंदक म्अंसनंजपवद	**प्रवेश संचालन एवं मूल्यांकन प्रकिया यूजीसी ओडीएल 2017 (संशोधनों सहित) के दिशा–निर्देशों के अनुरूप ।** • **प्रवेश** : मुद्रित इलैक्ट्रानिक एवं नवमीडिया में विज्ञापन। वांछित अर्हता के शिक्षार्थियों का ऑनलाइन माध्यम से आवेदन। मूल अभिलेखों के सत्यापन पश्चात् पंजीयन। • **अध्ययन सामग्री का वितरण** : पंजीकृत शिक्षार्थियों को पाठ्यक्रमवार, स्तरवार मुद्रित और ई–अध्ययन सामग्री का वितरण। क्षेत्रीय और शिक्षार्थी सहायता केन्द्रों के माध्यम से। • **सम्पर्क कक्षाएं :**क्षेत्रीय और शिक्षार्थी सहायता केन्द्रों पर सम्पर्क कक्षाओं का आयोजन। विशेषज्ञों द्वारा जिज्ञासा समाधान। प्रदत्त कार्य कार्य प्रदान किया जाना, प्राप्त किया जाना और उत्तरोत्तर बेहतरी के लिए विशेषज्ञ परामर्श, आवश्यकतानुसार प्रायोगिक कक्षाएं। • **परीक्षा और मूल्यांकनः** विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित केन्द्रों पर सैद्धान्तिक परीक्षाओं का आयोजन। समय–सारिणी के आधार पर प्रश्न–पत्रों का ऑनलाइन प्रेषण। निर्धारित क्षेत्रीय केन्द्रों पर मानक आधारों पर चयनित शिक्षकों द्वारा मूल्यांकन, प्रायोगिक परीक्षाएं सम्पन्न कराना, विश्वविद्यालय स्तर पर टेबुलेशन के बाद परीक्षाफल तैयार किया जाना। • **परीक्षाफल और अंकसूची** : परीक्षाफल तैयार कर अंकसूचियों का वितरण

13	प्रयोगशाला सुविधा और पुस्तकालय की आवश्यकता Requirement of Laboratory and Library Resources	प्रयोगशाला और पुस्तकालय संसाधन की आवश्यकता के संदर्भ में वैकल्पिक विषयों के अनुरूप सामाजिक विज्ञान प्रयोगशाला आवश्यक होंगी। पुस्तकालय हेतु प्रमुख रूप से पाठ्यपुस्तकें और आवश्यकतानुसार संदर्भ ग्रंथ भी आवश्यक होंगे। दृश्य–श्रव्य सामग्री, ई–बुक्स एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपलब्ध सामग्री भी उपयोगी होगी। ई–ज्ञान कोष और ई–पीजी पाठशाला के कन्टेन्ट भी उपयोगी होंगे।	
14	लागत का अनुमान और प्रावधान Provisions and Estimation of Cost	**लागत :** पाठ्यक्रम निर्माण के लिए आवश्यक परामर्शों में विशेषज्ञों की प्रतिभागिता पर खर्च, अध्ययन सामग्री लेखन, सम्पर्क कक्षाओं के व्याख्यानों, क्षेत्रीय और शिक्षार्थी सहायता केन्द्रों के संचालन व्यय परीक्षा एवं मूल्यांकन व्यय, प्रमाणन व्यय, वेबसाइट संचालन व्यय, ई–कन्टेन्ट के विकास पर व्यय, मुद्रण व्यय, दृश्य–श्रव्य सामग्री निर्माण व्यय, विशेषज्ञ सेवाओं के लिए आवश्यक व्यय, पाठ्यक्रम निर्मार्ण में लागत के रूप में लगेंगे। जिनकी प्राप्ति शुल्क राशि के रूप में की जायेगी जिसके मद निम्नानुसार होंगे – **आगत :** • Application Process : 500/- • Course Fee : 6500/- • SLM : 1500/- • Contact Programme : 1500/- • Examination : 1200/- • Other : 500	
15	गुणवत्ता आश्वासन तंत्र और अपेक्षित कार्यक्रम परिणाम Quality Assurance Mechanism and Expected outcomes	• पाठ्यक्रम के निर्माण, विभिन्न मान्यतादायी शैक्षणिक–अकादमिक निकायों यथा अध्ययन मण्डल, विद्या परिषद, प्रबन्ध मण्डल के स्तर पर पाठ्यक्रम संचालन का अनुमोदन। • विशेषज्ञ विद्वानों का पाठ्यक्रम के निर्माण, अध्ययन सामग्री के विकास सम्पर्क कक्षाओं में सहभागिता, मूल्यांकन इत्यादि गतिविधियों में सतत् हस्ताक्षेप। • आन्तरिक गुणवत्ता (सीका) के माध्यम से सतत् समीक्षा और निगरानी। • पारदर्शिता और सहजता के लिए अधुनातन तकनीकी का उपयोग। • शिक्षार्थियों, अभिभावकों, प्रशासकों, शिक्षकों और संस्थाओं के प्रतिनिधियों का संवेदनशीलता से फीडबैक प्राप्त करना और समय–समय पर पाठ्यक्रमों के स्वरूप और संचालन प्रक्रिया में वांछित सुधार कर अपेक्षित गुणवत्ता और वांछित परिणामों की प्राप्ति।	
16	पाठ्यक्रम के प्रश्न–पत्र Subject Paper of the Programme	**प्रथम–वर्ष**	**द्वितीय–वर्ष**
		Social Work, History & Ideologies	Social Policy, Planning and Administration
		Indian Society & Social Problem	Social Work Practice-II
		Social Research & Social Statistics	Human Rights, Social Justice and Weaker Sections
		Social Work Practice-I	Labour Welfare & Legislation
		Human Growth & Development	Human Resource Mgt. & Ind. Relation
		Economy of Development	